RNI. NO. RAJHIN/2021/82156 डाक पंजीयन संख्याः RJ/ALW/866/2023

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा

जज्बा सच दिखाने का

वर्ष -06 | अंक -107 | मूल्यः 2.00 रू. | अलवर, सोमवार 29 जून 2026 | प्रभात संस्करण | कुल पेज- 8

WWW.Voiceofpratigya.com | Twitter.com/Voiceofpratigya | facebook.com/Voiceofpratigya | YouTube.com/Voiceofpratigya | Instagram- Instagram.com/Voiceofpratigya | 9414508610 | pratigya.alwar@gmail.com

प्रधानमंत्री ने राष्ट्र निर्माण में जन सहभागिता की ताकत को बताया भारत की बड़ी पूंजी- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जयपुर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को 'मन की बात' कार्यक्रम के '135वें संस्करण' में देशवासियों को संबोधित किया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सिविल सेवा परीक्षा एवं भारतीय वन सेवा परीक्षा-2025 में चयनित राजस्थान के अभ्यर्थियों के साथ मुख्यमंत्री निवास पर इस कार्यक्रम को सुना। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में रक्षा के क्षेत्र में भारत की बढ़ती आत्मनिर्भरता, वैश्विक परिस्थितियों के बीच संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग के लिए कार पूलिंग एवं प्राकृतिक खेती को मिल रहे बढ़ावे, महाराष्ट्र के एक परिवार की विवाह अवसर पर हजारों लोगों के लिए दुर्घटना बीमा कराने की प्रेरक पहल, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना एवं प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के माध्यम से करोड़ों परिवारों को मिले सुरक्षा कवच, असम में 'हरगिला' पक्षी संरक्षण के लिए महिलाओं द्वारा संचालित अभियान, नागालैंड में बच्चों और बेटियों के लिए फुटबॉल एवं फुटसल लीग, नालंदा विश्वविद्यालय में शास्त्रार्थ की परंपरा को पुनर्जीवित करने तथा सेंट्रल संस्कृत विश्वविद्यालय की कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डेटा साइंस पाठ्यक्रम प्रारंभ करने की पहल, मेघालय के जीवित रूट ब्रिजों को यूनेस्को विश्व धरोहर सूची में शामिल कराने के प्रयासों और मध्यप्रदेश में महिलाओं द्वारा प्लास्टिक कचरे से ईको-ब्रिक्स बनाकर पर्यावरण संरक्षण जैसे विषयों का उल्लेख किया। प्रधानमंत्री ने 'कैच द रेन' अभियान के माध्यम से जल संरक्षण को जनआंदोलन बनाने तथा आगामी गणेश उत्सव में स्थानीय कारीगरों द्वारा निर्मित मिट्टी की मूर्तियों को अपनाते हुए 'वोकल फॉर लोकल' को बढ़ावा देने का आह्वान किया। इस दौरान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री के संबोधन से आमजन को देश में हो रहे सामाजिक सरोकारों से जुड़े नवाचारों की जानकारी एवं उसे अपनाने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने राष्ट्र निर्माण में जनभागीदारी की ताकत को भारत की बड़ी पूंजी बताया है। इस अवसर पर ऊर्जा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हीरालाल नागर, मुख्यमंत्री कार्यालय एवं कार्मिक विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों सहित बड़ी संख्या में चयनित अभ्यर्थी एवं उनके परिजन उपस्थित रहे।

डमी कैंडिडेट बनकर दिलाई सरकारी नौकरी, दो साल बाद एसओजी के हत्थे चढ़ा 10 हजार का इनामी छात्र

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जयपुर

राजस्थान लोक सेवा आयोग की वरिष्ठ अध्यापक (माध्यमिक शिक्षा) द्वितीय श्रेणी भर्ती परीक्षा-2022 में डमी अभ्यर्थी बनकर परीक्षा देने वाले 10 हजार रुपये के इनामी आरोपी चंद्रभान यादव को स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप ने गिरफ्तार कर लिया है। अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (एसओजी) विशाल बंसल ने बताया कि विज्ञान विषय की परीक्षा 24 दिसंबर 2022 को आयोजित हुई थी। जांच में सामने आया कि करौली जिले के काचरोदा निवासी मूल अभ्यर्थी अनिल कुमार मीणा ने विज्ञान एवं सामान्य ज्ञान-शैक्षिक मनोविज्ञान की परीक्षा स्वयं नहीं दी थी। उसकी जगह सीकर जिले के किशोरपुरा निवासी चंद्रभान यादव डमी अभ्यर्थी बनकर परीक्षा में शामिल हुआ था। जांच के अनुसार भरतपुर के सरस्वती मॉडर्न सीनियर सेकेंडरी स्कूल, टेक्नोलॉजी पार्क स्थित परीक्षा केंद्र पर चंद्रभान यादव ने अनिल कुमार मीणा के स्थान पर परीक्षा दी। इसके लिए दोनों के बीच एक लाख रुपये में सौदा तय हुआ था। एसओजी की जांच में सामने आया कि डमी अभ्यर्थी के माध्यम से परीक्षा पास करने के बाद अनिल कुमार मीणा ने धोखाधड़ी कर वरिष्ठ अध्यापक द्वितीय श्रेणी (विज्ञान) पद पर चयन हासिल कर लिया था।

प्रधानमंत्री मोदी का बालोतरा दौराः चप्पे-चप्पे पर कड़ा पहरा; रिफाइनरी क्षेत्र 'नो फ्लाई जोन' घोषित

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा बालोतरा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रस्तावित बालोतरा दौरे और राजस्थान रिफाइनरी के उद्घाटन समारोह को लेकर जिला प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था को अभेद्य बनाने के लिए व्यापक तैयारियां शुरू कर दी हैं। प्रधानमंत्री की यात्रा को देखते हुए कार्यक्रम स्थल और उसके आसपास के क्षेत्र को 'नो फ्लाई जोन' घोषित किया गया है। इस दौरान किसी भी प्रकार की अनधिकृत हवाई गतिविधि पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगी। बता दें कि, चार जुलाई को बालोतरा में पचपदरा रिफाइनरी का उद्घाटन करेंगे। जिला मजिस्ट्रेट एवं जिला कलक्टर सुशील कुमार यादव द्वारा जारी आदेश के अनुसार सुरक्षा कारणों से कार्यक्रम स्थल के ऊपर या उसके आसपास ड्रोन, यूएवी (अनमैन्ड एरियल व्हीकल), पैराग्लाइडर, हॉट एयर बैलून, माइक्रोलाइट एयरक्राफ्ट तथा अन्य सभी प्रकार के उड़ने वाले उपकरणों के संचालन पर रोक रहेगी। प्रशासन का मानना है कि प्रधानमंत्री के दौरे के दौरान किसी भी तरह की अनधिकृत हवाई गतिविधि सुरक्षा के लिए चुनौती बन सकती है। इसी को देखते हुए एहतियातन यह निर्णय लिया गया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि प्रतिबंधित क्षेत्र में यदि कोई व्यक्ति या संस्था बिना सक्षम अनुमति के ड्रोन अथवा अन्य उड़ने वाले उपकरण का संचालन करती है, तो उसके खिलाफ संबंधित कानूनी प्रावधानों के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। सुरक्षा एजेंसियों, पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों को आदेशों का प्रभावी पालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए हैं। प्रधानमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम को देखते हुए जिला प्रशासन, पुलिस, विशेष सुरक्षा एजेंसियां और अन्य विभाग आपसी समन्वय के साथ तैयारियों में जुटे हुए हैं। कार्यक्रम स्थल के आसपास बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की जा रही है। प्रवेश व्यवस्था, निगरानी प्रणाली, यातायात नियंत्रण और भीड़ प्रबंधन सहित सभी व्यवस्थाओं की लगातार समीक्षा की जा रही है, ताकि कार्यक्रम सुरक्षित और व्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सके।

ड्रोन ऑपरेटरों और मीडिया से विशेष अपील

जिला प्रशासन ने ड्रोन ऑपरेटरों, वीडियोग्राफरों, फोटोग्राफरों, मीडिया संस्थानों और आम नागरिकों से सुरक्षा संबंधी सभी निर्देशों का पालन करने की अपील की है। बिना पूर्व अनुमति किसी भी प्रकार की हवाई रिकॉर्डिंग या उड़ान गतिविधि नहीं करने को कहा गया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

ऐतिहासिक आयोजन को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क

राजस्थान रिफाइनरी के उद्घाटन और प्रधानमंत्री के प्रस्तावित दौरे को प्रदेश के महत्वपूर्ण आयोजनों में माना जा रहा है। इसे देखते हुए जिला प्रशासन सुरक्षा व्यवस्था के हर पहलू पर विशेष निगरानी रख रहा है। अधिकारियों का कहना है कि सभी विभागों के समन्वित प्रयासों से कार्यक्रम को सुरक्षित, सुव्यवस्थित और सफल बनाया जाएगा तथा सुरक्षा व्यवस्था में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाएगी। बैठक के बाद मुख्यमंत्री ने शक्तिपीठ मां सांभरा आशापुरा मंदिर पहुंचकर विधिवत पूजा-अर्चना की। उन्होंने अखंड ज्योत के दर्शन कर प्रदेश की खुशहाली और समृद्धि की कामना की। मुख्यमंत्री ने मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं का अभिवादन स्वीकार किया। इस दौरान पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत, उद्योग एवं वाणिज्य राज्य मंत्री के.के विश्नोई, सांसद मदन राठौड़, विधायक हमीर सिंह भायल, डॉ अरुण चौधरी, आदूराम मेघवाल सहित जनप्रतिनिधिगण, एचपीसीएल, एचआरआरएल, जिला प्रशासन व संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रदेशभर में लगभग 1.04 करोड़ बच्चों को पिलाई जाएगी पोलियो की दवा- मुख्यमंत्री

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जयपुर

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाकर राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि पोलियो से बचाव का एक मात्र प्रभावी उपाय समय पर दवा की खुराक है। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बच्चे के भविष्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है। उन्होंने अभिभावकों से अपील की है कि वे अपने 5 वर्ष तक के बच्चों को निकटतम बूथ पर ले जाकर पोलियो की दवा अवश्य पिलाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस अभियान के तहत जन्म से 5 वर्ष तक के बच्चों को प्रथम दिन बूथ पर तथा अगले 2 दिन तक घर-घर जाकर टीमों के द्वारा खुराक पिलाई जाएगी। उन्होंने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिए कि कोई भी पात्र बच्चा वंचित नहीं रहे। उन्होंने बच्चों को दवा की खुराक पिलाकर चॉकलेट दी। साथ ही, अभियान के पोस्टर 'दो बूंद हर बार पोलियो पर जीत रहे बरकरार' का विमोचन भी किया। उल्लेखनीय है कि रविवार (28 जून) से अगले तीन दिन (30 जून) तक राज्य में राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के तहत लगभग 1.04 करोड़ बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई जाएगी। इसके लिए प्रदेशभर में 59 हजार 217 बूथ बनाए गए हैं। वहीं, कुल 75 हजार 232 टीमों का गठन किया गया है, जिनमें से 7 हजार 11 ट्रांजिट और 9 हजार 4 मोबाइल टीमें हैं। उल्लेखनीय है कि गत 15 वर्षों में पोलियो का कोई भी नया केस भारत में नहीं पाया गया है। भारत को 27 मार्च 2014 को पल्स पोलियो मुक्त प्रमाण-पत्र मिल चुका है। इस अवसर पर ऊर्जा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हीरालाल नागर, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री) अखिल अरोड़ा, प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग गायत्री राठौड़ सहित अन्य उच्चाधिकारी एवं अभिभावक उपस्थित रहे।

'समुद्र से लेकर आकाश तक हमारा भारत सुरक्षित और आत्मनिर्भर', मन की बात में क्या बोले पीएम मोदी?

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 135वें एपिसोड के जरिए एक बार फिर देश और दुनिया भर में बसे भारतीयों से संवाद कर रहे हैं। सुबह 11 बजे प्रसारित होने वाले इस कार्यक्रम को लेकर लोगों में खास उत्साह है। 'मन की बात' पिछले कई वर्षों से प्रधानमंत्री और आम जनता के बीच सीधे संवाद का एक अहम माध्यम बन चुका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' कार्यक्रम में कहा कि इस महीने भारत ने कई ऐसी उपलब्धियां हासिल की हैं, जिन पर हर देशवासी को गर्व है। हाल ही में मुझे कोलकाता में नौसेना से जुड़े एक कार्यक्रम में शामिल होने का अवसर मिला। वहां आईएनएस दूनागिरी, आईएनएस संशोधक और आईएनएस अग्रय को भारतीय नौ-सेना के बेड़े में शामिल किया गया। इन जहाजों की डिजाइन और उत्पादन तक,सब कुछ स्वदेशी है। पीएम मोदी ने आगे कहा जून के महीने में ही एविएशन में भी देश ने एक बड़ी सफलता पाई। सी-295, ये विमान मेड इन इंडिया है और सी-295 विमान ने अपनी पहली उड़ान पूरी की है, और ऐसे 40 विमान, भारत में ही बनाए जा रहे हैं। इससे एमएसएमई और एयरोस्पेस सेक्टर को नई शक्ति मिल रही है। रोजगार के अवसर बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि ये सफलताएं देश की आत्मनिर्भर भारत की यात्रा को और मजबूत करती हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत लगातार विभिन्न क्षेत्रों में नई ऊंचाइयों को छू रहा है और देश के नागरिकों की मेहनत तथा नवाचार इसकी सबसे बड़ी ताकत हैं। उन्होंने कहा कि देश की उपलब्धियां केवल सरकार की नहीं, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों के सामूहिक प्रयासों का परिणाम हैं, जो भारत को तेजी से विकास की नई दिशा में आगे बढ़ा रही हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कार्यक्रम में कहा कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस ने एक बार फिर पूरी दुनिया को जोड़ने का काम किया है। उन्होंने बताया कि इस बार दुनिया के 2500 से अधिक स्थानों पर योग के विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए

असम में बाढ़ से हाहाकारः अब तक 22 हजार से ज्यादा लोग प्रभावित, सीएम हिमंत ने दिए राहत-बचाव के निर्देश

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा गुवाहाटी

असम और उसके पड़ोसी राज्य अरुणाचल प्रदेश में लगातार हो रही भारी बारिश की वजह से बाढ़ की स्थिति बन गई है। अधिकारियों ने रविवार को जानकारी दी कि राज्य के छह जिलों में 22,000 से अधिक लोग इस आपदा की चपेट में हैं। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के आंकड़ों के मुताबिक, धेमाजी, नलबाड़ी, डिब्रूगढ़, चिरांग, लखीमपुर और कोकराझार जिलों में कुल 22,124 लोग प्रभावित हुए हैं। धेमाजी जिला बाढ़ से सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है। यहां 15,483 लोग बढ़ते जलस्तर की वजह से संकट का सामना कर रहे हैं। बाढ़ के पानी ने 96 गांवों को पूरी तरह डुबो दिया है। इस आपदा ने लगभग 1,690 हेक्टेयर फसल क्षेत्र को भी नष्ट कर दिया है। इंसानों के साथ-साथ 48,199 जानवर भी इस बाढ़ की मार झेल रहे हैं। लगातार हो रही बारिश ने ब्रह्मपुत्र और उसकी सहायक नदियों के जलस्तर को बढ़ा दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, शिवसागर जिले के नांगलामुराघाट में दिसांग नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने रविवार को कहा कि सरकार धेमाजी जिले में राहत और पुनर्वास के लिए संसाधन जुटा रही है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में बताया कि वह स्थिति पर करीब से नजर रख रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह लोगों के जीवन पर पड़े इस प्रभाव से बहुत दुखी हैं। इस कठिन समय में सरकार लोगों के साथ मजबूती से खड़ी है। मुख्यमंत्री ने जल संसाधन मंत्री सुशांत बोरगोहेन और राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री केशव महंत को धेमाजी में ही रुकने का निर्देश दिया है। ये दोनों मंत्री वहां रहकर राहत प्रक्रिया की पूरी निगरानी करेंगे। सरकार प्रभावित परिवारों की सुरक्षा और उनके लंबे समय के पुनर्वास को प्राथमिकता दे रही है। धेमाजी जिले में भारी बारिश और मिट्टी के कटाव की वजह से सिमेन नदी पर बना एक रेलवे पुल आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गया है।

अमेरिका-ईरान ने एक दूसरे पर किए भीषण हमले, ट्रंप ने चेताया- ईरान की हस्ती मिटा देंगे

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर अमेरिका और ईरान के बीच तनाव एक बार फिर बढ़ गया है। शनिवार को रणनीतिक समुद्री मार्ग में एक टैंकर पर कथित ईरानी ड्रोन हमले के बाद अमेरिका ने रविवार को ईरान के 10 सैन्य ठिकानों पर हवाई हमले का दावा किया। जवाब में ईरान ने बहरीन और कुवैत में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन हमले करने की बात कही। लगातार दूसरे दिन हुई इस सैन्य कार्रवाई से दोनों देशों के बीच हुए अंतरिम युद्धविराम पर संकट गहरा गया है। इन्हें युद्धविराम के बाद के सबसे भीषण हमलों में माना जा रहा है। कतर ने बताया कि शनिवार को जिस टैंकर पर हमला हुआ था, उसमें सवार उसके एक नागरिक की मौत हो गई, जबकि दूसरा घायल है। हालांकि, दोहा ने हमले के लिए किसी देश को जिम्मेदार नहीं ठहराया। न्यूयार्क टाइम्स के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर बेहद कड़ी चेतावनी दी कि हो सकता है कि एक ऐसा समय आए, जब हम समझदारी से काम न ले पाएं और हमें उस काम को सैन्य तरीके से पूरा करने के लिए मजबूर होना पड़े, जिसे हमने बहुत सफलतापूर्वक शुरू किया था। उन्होंने आगे लिखा कि अगर ऐसा हुआ तो ईरान का अस्तित्व ही नहीं बचेगा। वहीं, ईरान ने अमेरिकी हमलों को अंतरराष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र चार्टर का उल्लंघन बताते हुए इसकी निंदा की। तेहरान ने चेतावनी दी कि यदि होर्मुज जलडमरूमध्य में उसकी संप्रभुता को चुनौती दी गई तो पूरे खाड़ी क्षेत्र में गंभीर परिणाम होंगे। रायटर के अनुसार, अमेरिका ने दावा किया कि ईरान के जिन ठिकानों को निशाना बनाया गया, उनमें सैन्य निगरानी प्रणाली, संचार केंद्र, एयर डिफेंस, ड्रोन भंडार और बारूदी सुरंग बिछाने वाले अड्डे शामिल थे। जवाबी कार्रवाई में ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड्स (आईआरजीसी) ने कुवैत के अली अल सलेम एयर बेस और बहरीन में अमेरिकी पांचवें बेड़े से जुड़े सैन्य ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन हमले का दावा किया। हालांकि, अमेरिकी अधिकारियों ने किसी बड़े नुकसान या हताहत होने से इन्कार किया है। बहरीन ने एक आवासीय इमारत को ड्रोन हमले में नुकसान पहुंचने की पुष्टि की है

अवसरों का सागर बनेगा हिंद महासागरः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का बड़ा बयान

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा विक्टोरिया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि भारत हिंद महासागर को 'अवसरों का सागर' बनाना चाहता है। पीएम मोदी इस समय सेशेल्स के तीन दिवसीय आधिकारिक दौरे पर हैं। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा और आर्थिक प्रगति दोनों जरूरी हैं। भारत की साझेदारी देश के आकार पर नहीं, बल्कि आपसी सम्मान और भरोसे पर टिकी है। पीएम मोदी ने कहा, 'हमारा मानना है कि हिंद महासागर हमारा साझा घर है। इसकी सुरक्षा, स्थिरता और समृद्धि हमारी साझा जिम्मेदारी है। यही भारत के 'महासागर' विजन का मुख्य आधार है।' पीएम मोदी ने कहा, 'हमारा मानना है कि भारत और सेशेल्स की रक्षा और सुरक्षा एक-दूसरे से जुड़ी हुई हैं।' सेशेल्स के राष्ट्रपति पैट्रिक हर्मिनी के साथ संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में पीएम मोदी ने कहा, 'मैं 'गार्जियन ऑफ द ब्लू होराइजन' अवॉर्ड उन देशों को समर्पित करता हूं जो जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों का सामना कर रहे हैं।' दोनों देशों के बीच प्रतिनिधिमंडल स्तर की व्यापक वार्ता हुई। पीएम मोदी और सेशेल्स के राष्ट्रपति पैट्रिक हर्मिनी ने द्विपक्षीय सहयोग के सभी पहलुओं की समीक्षा की। इस दौरान क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर दोनों देशों के बीच कई समझौते हुए हैं। भारत और सेशेल्स के रिश्तों में आज एक नया स्वर्णिम अध्याय जुड़ गया है। दोनों देशों ने आपसी सहयोग को नए शिखर पर पहुंचा दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति पैट्रिक हर्मिनी के बीच हुई उच्च स्तरीय बैठक में 19 बड़े समझौतों पर मुहर लगी। यह ऐतिहासिक मौका दोनों देशों के राजनयिक संबंधों की 50वीं वर्षगांठ का भी है। भारत ने हिंद महासागर के इस रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण द्वीप देश के साथ अपने सुरक्षा, डिजिटल, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में संबंधों को और मजबूत कर लिया है। प्रधानमंत्री मोदी सेशेल्स के राष्ट्रीय दिवस समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होने पहुंचे हैं। विदेश मंत्रालय के अनुसार, इस बैठक में दोनों देशों ने रक्षा और समुद्री सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। भारत ने सेशेल्स को एक तेज गश्ती जहाज उपहार में दिया है। इसके साथ ही, सेशेल्स रक्षा बल को 10 उपयोगिता वाहन और पांच लेजर रेडियल क्लास नावें सौंपी गई हैं। भारत ने सेशेल्स कोस्ट गार्ड के लिए गश्ती जहाज 'पीएस जोरोएस्टर' की मरम्मत का काम भी पूरा कर दिया है। इसके अलावा, एक डोर्नियर विमान को आधुनिक ग्लास कॉकपिट से अपग्रेड किया गया है। दोनों पक्षों के बीच एक प्रत्यर्पण संधि पर भी हस्ताक्षर किए गए हैं। सेशेल्स के झंडे वाले जहाजों पर काम करने वाले नाविकों के प्रशिक्षण और प्रमाणन को मान्यता देने पर भी सहमति बनी है। भारत की डिजिटल ताकत अब सेशेल्स में भी दिखेगी। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) इंटरनेशनल पेमेंट्स लिमिटेड और सेंट्रल बैंक ऑफ सेशेल्स के बीच एक बड़ा समझौता हुआ है। इसके तहत अब सेशेल्स में यूपीआई आधारित डिजिटल भुगतान को बढ़ावा दिया जाएगा। इससे दोनों देशों के बीच आर्थिक और तकनीकी सहयोग और गहरा होगा। इसके अलावा, दोनों देशों ने बाहरी अंतरिक्ष के शांतिपूर्ण उपयोग और अन्वेषण के लिए भी हाथ मिलाया है। स्वास्थ्य क्षेत्र में भी दोनों देशों ने बड़े कदम उठाए हैं। सेशेल्स में नए राष्ट्रीय अस्पताल के निर्माण की शुरुआती तैयारियों के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इसके साथ ही, भारत की कंपनी एचएलएल लाइफकेयर लिमिटेड और सेशेल्स के स्वास्थ्य मंत्रालय के बीच जन औषधि योजना को लेकर समझौता हुआ है। इससे सेशेल्स के नागरिकों को भारत की सस्ती और उच्च गुणवत्ता वाली दवाएं मिल सकेंगी। भारत ने सेशेल्स को छह एम्बुलेंस, 500 मीट्रिक टन चावल और 8,500 मीट्रिक टन सीमेंट भी सौंपा है। भारतीय एक्जिम बैंक के साथ एक व्यापक लाइन ऑफ क्रेडिट समझौता भी किया गया है। शिक्षा के क्षेत्र में एक व्यावसायिक और तकनीकी शिक्षा केंद्र का डिजिटल शिलान्यास किया गया। साथ ही, दोनों देशों के राजनयिक प्रशिक्षण संस्थानों और कृषि अनुसंधान के बीच भी समझौते हुए हैं। साझा घर की सुरक्षाः दोनों देशों ने माना कि हिंद महासागर हमारा साझा घर है। इसकी सुरक्षा और समृद्धि हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है।

महासागर विजनः यह दृष्टिकोण भारत की 'महासागर' नीति का मुख्य हिस्सा है। इसका उद्देश्य पूरे क्षेत्र में सुरक्षा और विकास को बढ़ावा देना है।

अटूट रक्षा संबंधः पीएम मोदी ने रेखांकित किया कि भारत और सेशेल्स की रक्षा और सुरक्षा एक-दूसरे से पूरी तरह जुड़ी हुई है।

आर्थिक मजबूतीः भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए दोनों देशों के आर्थिक सहयोग को और अधिक लचीला बनाया जाएगा।

खेत में काम कर रहे परिवार पर जानलेवा हमला, छह घायल; दो की हालत गंभीर

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा थानागाजी

ग्राम काला लांका में खेत पर काम कर रहे एक परिवार पर लाठी, सरियों और धारदार हथियारों से हमला किए जाने का मामला सामने आया है। घटना में दो महिलाओं सहित छह लोग घायल हो गए। गंभीर रूप से घायल मीरा देवी और कालूराम का जयपुर के एसएमएस ट्रॉमा सेंटर में उपचार चल रहा है। पीड़ित कालूराम पुत्र मातादीन मीणा ने थानागाजी थाने में दर्ज रिपोर्ट में आरोप लगाया कि 27 जून को खेत में काम कर रहे उसके परिवार पर एक पक्ष के लोगों ने 20-25 साथियों के साथ मिलकर हमला कर दिया। हमले में कालूराम, मीरा देवी, श्रवण, मातादीन, लोकेश और प्रेम देवी घायल हो गए। शिकायत के अनुसार मीरा देवी को घसीटकर झाड़ियों में ले जाकर मारपीट की गई तथा जान से मारने की कोशिश की गई। पुलिस ने पीड़ित की रिपोर्ट के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं पीड़ित परिवार ने आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी और सख्त कार्रवाई की मांग की है।

तेज रफ्तार कार खेत में पलटी, युवक की मौत; दो दोस्त गंभीर घायल

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

जिले के लक्ष्मणगढ़ कस्बे के गोपालपुरा मोड़ के पास शनिवार देर रात तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खेत में पलट गई। हादसे में कार सवार नीरज पूनिया (28) निवासी बड़ोली की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसके दो साथी लोकेश पूनिया और सचिन सदावत गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस के अनुसार तीनों युवक नीरज की ससुराल से लौट रहे थे। रात करीब एक बजे गोपालपुरा मोड़ के पास तेज रफ्तार के कारण चालक कार पर नियंत्रण खो बैठा। कार कई बार पलटते हुए खेत में जा गिरी, जिससे वह बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस और स्थानीय लोगों ने कड़ी मशक्कत के बाद घायलों को कार से बाहर निकालकर लक्ष्मणगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद सचिन सदावत की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे जिला अस्पताल अलवर रेफर कर दिया गया, जहां उसका उपचार जारी है। पुलिस ने मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है तथा दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

पांच साल से फरार दो इनामी आरोपी नूंह से गिरफ्तार, 2020 के कैंटर चोरी मामले में कार्रवाई

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा रामगढ़

रामगढ़ थाना पुलिस ने वर्ष 2020 के कैंटर चोरी मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए पांच साल से फरार चल रहे दो इनामी आरोपियों को हरियाणा के नूंह से गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपियों पर अलवर पुलिस अधीक्षक की ओर से दो-दो हजार रुपये का इनाम घोषित था। इस प्रकरण में अब तक सात आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। थानाधिकारी अजीत सिंह बडसरा ने बताया कि वर्ष 2020 में बालोत नगर निवासी समसु खान ने टॉयलेट सीटों से भरे कैंटर की चोरी का मामला दर्ज कराया था। जांच के दौरान पुलिस ने पहले पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था, जबकि दो आरोपी लगातार फरार चल रहे थे। दोनों आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम का गठन किया गया। तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर की सूचना के आधार पर पुलिस ने हरियाणा के नूंह में दबिश देकर मुज्जी पुत्र मुजाहिद और मुबारिक पुत्र रईस खान, दोनों निवासी वार्ड नंबर 3, नूंह को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार दोनों आरोपी लगातार ठिकाने बदल रहे थे, जिससे उनकी गिरफ्तारी में देरी हुई। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में पेश कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पुलिस ने बताया कि मामले में एक अन्य आरोपी अभी भी फरार है, जिसकी तलाश जारी है।

पति-पत्नी के विवाद ने लिया हिंसक रूप, पत्नी पर भाइयों को बुलाकर मारपीट कराने का आरोप

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

अरावली विहार थाना क्षेत्र में पति-पत्नी के बीच चल रहे घरेलू विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। पीड़ित पति ने पत्नी पर अपने पीहर से भाई और अन्य परिजनों को बुलाकर घर में घुसकर मारपीट कराने का आरोप लगाया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार मूल रूप से कोटपूतली-बहरोड़ जिले के कालाहेड़ी माडरी निवासी रतन लाल मीणा ने 27 जून को अरावली विहार थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। शिकायत में बताया कि उसकी पत्नी सुनीता के साथ किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। विवाद बढ़ने पर सुनीता ने अपने पीहर से भाई और अन्य परिजनों को बुला लिया। रतन लाल का आरोप है कि इसके बाद पत्नी और उसके परिजन घर में घुस आए तथा उसके साथ मारपीट की, जिससे उसे चोटें आईं। घटना के बाद उसने पुलिस से शिकायत कर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। अरावली विहार थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और पूरे घटनाक्रम की जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि जांच के दौरान दोनों पक्षों के बयान दर्ज किए जाएंगे तथा उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

योग और राजयोग के समन्वय से तनावमुक्त जीवन संभव: बीके अनुभा

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की काला कुआं शाखा द्वारा रविवार को काला कुआं सेवा केंद्र पर योग शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में योग, प्राणायाम और राजयोग मेडिटेशन के माध्यम से शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में पतंजलि योग समिति के वरिष्ठ योग प्रशिक्षक बृजमोहन पाठक और सीमा चौधरी ने प्रतिभागियों को विभिन्न योगासन, प्राणायाम तथा सूक्ष्म व्यायाम का अभ्यास कराया। उन्होंने नियमित योगाभ्यास को स्वस्थ जीवनशैली का महत्वपूर्ण आधार बताते हुए लोगों को इसे दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया। सेवा केंद्र प्रभारी बीके अनुभा ने राजयोग मेडिटेशन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि योग शरीर को स्वस्थ और ऊर्जावान बनाता है, जबकि राजयोग मन, बुद्धि और संस्कारों को सशक्त करता है। उन्होंने कहा कि जब योग और राजयोग का समन्वय होता है, तब व्यक्ति का जीवन संतुलित, तनावमुक्त और आनंदमय बन जाता है। शिविर के दौरान बच्चों और युवाओं को मानसिक एकाग्रता बढ़ाने, सकारात्मक सोच विकसित करने तथा शरीर को स्वस्थ एवं मजबूत रखने के लिए नियमित योग और ध्यान का अभ्यास करने की सलाह दी गई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लेकर योगाभ्यास किया और स्वस्थ जीवन के लिए नियमित योग एवं राजयोग अपनाने का संकल्प लिया।

सरिस्का संरक्षण, शिक्षा और विकास पर फोकस, अलवर दौरे में केंद्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव की कई बड़ी घोषणाएं

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

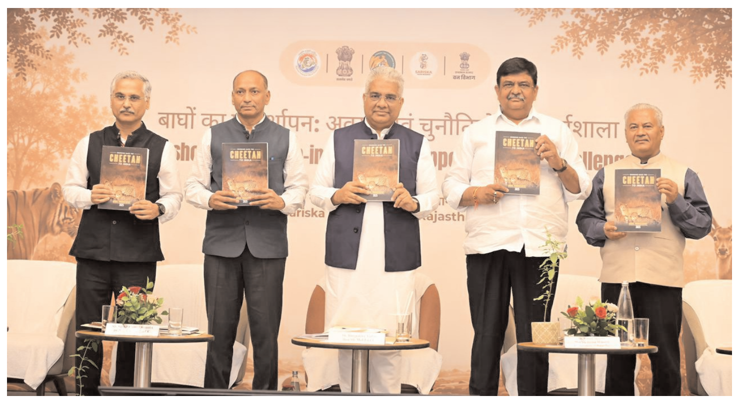

केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव ने रविवार को अलवर जिले के दौरे के दौरान वन्यजीव संरक्षण, पर्यावरण, शिक्षा, पर्यटन और ग्रामीण विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में भाग लेते हुए अनेक घोषणाएं कीं। उन्होंने सरिस्का टाइगर पुनर्स्थापना के 18 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारंभ किया, राजगढ़ में प्रतिभा सम्मान समारोह में प्रतिभाओं को सम्मानित किया तथा लक्ष्मणगढ़ क्षेत्र में विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण कर अलवर के सर्वांगीण विकास को सरकार की प्राथमिकता बताया।

सरिस्का पुनर्स्थापना के 18 साल, संरक्षण मॉडल बना देश के लिए उदाहरण

राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) की ओर से आयोजित 'बाघ पुनर्स्थापना : 'अवसर एवं चुनौतियां' विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए केंद्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व के लगभग 70 प्रतिशत बाघों का संरक्षण कर रहा है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2008 में शुरू हुई सरिस्का टाइगर पुनर्स्थापना परियोजना आज देश-दुनिया के लिए एक सफल मॉडल बन चुकी है। लगातार वैज्ञानिक मॉनिटरिंग और वन विभाग के प्रयासों से सरिस्का में बाघों की संख्या बढ़कर 56 तक पहुंच गई है। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले वर्षों में यह संख्या 100 तक पहुंचेगी।

तीन प्रकाशनों का विमोचन, दो वाहन सौंपे

कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय मंत्री ने भारत में बाघों के सक्रिय प्रबंधन हेतु रोडमैप, भारत में बाघ पुनर्स्थापना एवं पुनर्बहाली पर पुस्तिका तथा प्रोजेक्ट चीता वार्षिक प्रतिवेदन का विमोचन किया। सरिस्का क्षेत्र की निगरानी को और मजबूत बनाने के लिए वन विभाग को दो नए वाहन भी सौंपे गए। इस अवसर पर प्रसिद्ध वन्यजीव फोटोग्राफर नल्लामुत्थु द्वारा सरिस्का पर तैयार की जा रही डॉक्यूमेंट्री की परिचयात्मक झलक भी दिखाई गई।

स्थानीय समुदाय की भागीदारी से ही सफल होगा वन संरक्षण

भूपेन्द्र यादव ने कहा कि वन और वन्यजीव संरक्षण केवल सरकारी प्रयासों से संभव नहीं है। इसके लिए स्थानीय समुदायों की भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने बांदीपुर, राजाजी, सिमलीपाल, पन्ना, सरिस्का और कूनो के उदाहरण देते हुए कहा कि स्थानीय लोगों के सहयोग से ही बाघ और चीता पुनर्स्थापना जैसी परियोजनाएं सफल हुई हैं। उन्होंने वैज्ञानिक प्रबंधन, प्राकृतिक आवासों की सुरक्षा, वन्यजीव कॉरिडोर और अनुसंधान संस्थानों के साथ बेहतर समन्वय पर जोर दिया।

सरिस्का के लिए कई नई घोषणाएं

केंद्रीय मंत्री ने घोषणा की कि आगामी टाइगर मैराथन के साथ सरिस्का के 10 प्रमुख स्थलों पर फोटोग्राफी प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण के लिए राजीविका के माध्यम से कौशल विकास कार्यक्रम चलाए जाएंगे। प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने, अलवर की पहाड़ियों पर एक करोड़ पौधे लगाने तथा 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान को जनआंदोलन बनाने का भी आह्वान किया। उन्होंने बताया कि सिलीसेढ़ झील के बाद मंगलासर और मानसरोवर बांध को भी रामसर साइट का दर्जा दिलाने के प्रयास किए जाएंगे।

वन राज्यमंत्री बोले-56 बाघों तक पहुंचा सरिस्का

वन राज्यमंत्री संजय शर्मा ने कहा कि कभी बाघविहीन रहा सरिस्का आज 56 बाघों के साथ देश के सफल टाइगर रिजर्वों में शामिल है। उन्होंने बताया कि वन मेलों के माध्यम से स्थानीय लोगों को रोजगार से जोड़ा जा रहा है। विस्थापित ग्रामीणों के लिए बेहतर पुनर्वास पैकेज, सीएसआर फंड से वन चौकियों का विकास तथा सरिस्का के ऐतिहासिक किलों और मंदिरों के संरक्षण पर भी काम किया जाएगा।

प्रतिभा सम्मान समारोह में युवाओं को दिया प्रेरणा का संदेश

राजगढ़ के काली पहाड़ी गांव में आयोजित जिला स्तरीय मीणा समाज प्रतिभा सम्मान समारोह में केंद्रीय मंत्री ने प्रतिभावान विद्यार्थियों और समाजसेवियों को सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा के साथ संस्कार और सामाजिक जिम्मेदारी भी जरूरी है। उन्होंने युवाओं से मेहनत, अनुशासन और समाज के प्रति संवेदनशीलता के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया।

इस दौरान उन्होंने सरस डेयरी की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए बताया कि पिछले वर्ष गर्मियों में जहां प्रतिदिन 60 हजार लीटर दूध संग्रह होता था, वहीं इस वर्ष यह बढ़कर एक लाख लीटर प्रतिदिन पहुंच गया है। उन्होंने पांच लाख लीटर क्षमता वाले नए डेयरी संयंत्र का शीघ्र शिलान्यास कराने, डिजिटल लाइब्रेरी और राजीविका सीएलएफ भवन के निर्माण की घोषणा भी की।

लक्ष्मणगढ़ में विकास कार्यों का लोकार्पण

लक्ष्मणगढ़ क्षेत्र में केंद्रीय मंत्री ने ग्राम पंचायत भवन के जीर्णोद्धार एवं सौंदर्यीकरण, पशु चिकित्सालय, उप स्वास्थ्य केंद्र, सर्वसमाज मोक्षधाम और सार्वजनिक शौचालय सहित कई विकास कार्यों का लोकार्पण किया। उन्होंने सार्वजनिक डिजिटल लाइब्रेरी का अवलोकन कर विद्यार्थियों से संवाद किया तथा कहा कि आधुनिक शिक्षा संसाधन ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों के भविष्य को नई दिशा देंगे।

इसके बाद उन्होंने बाबा प्रयागदास जी महाराज मेले में भाग लेकर शोभायात्रा को रवाना किया और चंद्रशेखर पार्क में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने लोगों से प्रत्येक वर्ष कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल करने की अपील की।

विकास और पर्यावरण संरक्षण साथ-साथ

अपने दौरे के दौरान केंद्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार के समन्वित प्रयासों से अलवर में वन संरक्षण, पर्यटन, शिक्षा, स्वास्थ्य, डेयरी और आधारभूत सुविधाओं के विकास पर तेजी से काम हो रहा है। उन्होंने कहा कि जनभागीदारी, पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास की सोच के साथ अलवर को देश के अग्रणी जिलों में शामिल करने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है।

गाली-गलौज के विवाद ने लिया हिंसक रूप, दो पक्षों में पथराव और लाठी-डंडे चले, मासूम सहित 8 घायल

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

जिले के बगड़ तिराया थाना क्षेत्र के साहडोली गांव में मामूली कहासुनी ने शनिवार शाम हिंसक रूप ले लिया। गाली-गलौज को लेकर शुरू हुए विवाद में दो पक्ष आमने-सामने आ गए और जमकर लाठी-डंडे चले। इस दौरान दोनों ओर से पथराव भी हुआ, जिसमें एक 7 वर्षीय बच्ची सहित कुल आठ लोग घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए राजीव गांधी सामान्य चिकित्सालय में भर्ती कराया गया, जबकि पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, घटना शनिवार शाम करीब 5 बजे की है। एक पक्ष के अली ने आरोप लगाया कि गांव के अरशद ने उनके चाचा रसीद के साथ गाली-गलौज की थी। उस समय ग्रामीणों ने बीच-बचाव कर मामला शांत करा दिया, लेकिन कुछ देर बाद अरशद अपने परिवार के हारून, समसू और अन्य लोगों के साथ उनके घर पहुंच गया। आरोप है कि वहां लाठी-डंडों से हमला किया गया और पथराव भी किया गया।

इस हमले में 7 वर्षीय अमीषा, उसकी मां असलीमा, रसीद, मुंशी खान और कल्ली घायल हो गए। गंभीर रूप से घायल अमीषा के सिर और गाल पर तीन-तीन टांके लगाने पड़े। सभी घायलों का अस्पताल में उपचार जारी है।

वहीं दूसरे पक्ष ने भी आरोपों से इनकार करते हुए कहा कि पुरानी रंजिश के चलते रसीद पक्ष ने पहले हमला किया। उनका कहना है कि विवाद की शुरुआत दूसरे पक्ष ने की थी। इस झड़प में उनके पक्ष के भी तीन लोग घायल हुए हैं।

घटना की सूचना मिलते ही बगड़ तिराया थाना पुलिस मौके पर पहुंची और हालात को नियंत्रित किया। पुलिस ने दोनों पक्षों के घायलों का मेडिकल करवाकर शिकायतें दर्ज कर ली हैं। अधिकारियों का कहना है कि मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है और जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

ग्रामीणों के अनुसार, गांव में दोनों पक्षों के बीच पहले से भी विवाद की स्थिति रही है। पुलिस का कहना है कि फिलहाल स्थिति सामान्य है और क्षेत्र में शांति बनाए रखने के लिए निगरानी रखी जा रही है। दोनों पक्षों के बयान और अन्य साक्ष्यों के आधार पर पूरे घटनाक्रम की जांच की जा रही है।

815 करोड़ की परियोजनाओं से बदलेगी अलवर-भिवाड़ी की तस्वीर, कचरे से बनेगी बिजली

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

अलवर और भिवाड़ी को स्वच्छ, आधुनिक और पर्यावरण अनुकूल शहरों के रूप में विकसित करने के लिए स्थानीय स्वशासन विभाग ने 815.47 करोड़ रुपये की दो महत्वाकांक्षी परियोजनाएं तैयार की हैं। इनमें 735 करोड़ रुपये की समग्र कचरा प्रबंधन एवं सर्कुलर इकोनॉमी परियोजना तथा 80.47 करोड़ रुपये की क्लीन एंड ग्रीन ईको सिटीज पहल शामिल है। इन योजनाओं के लागू होने से स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, पर्यटन, रोजगार और शहरी सुविधाओं में व्यापक सुधार की उम्मीद जताई जा रही है।

निगम आयुक्त सोहन सिंह नरूका ने जयपुर में आयोजित प्रस्तुतीकरण के दौरान दोनों परियोजनाओं का विस्तृत खाका प्रस्तुत किया। प्रस्ताव के अनुसार कुल लागत का 25-25 प्रतिशत हिस्सा राज्य सरकार और अर्बन चैलेंज फंड (यूसीएफ) से प्राप्त किया जाएगा, जबकि शेष 50 प्रतिशत राशि ऋण एवं बाजार वित्त के माध्यम से जुटाई जाएगी।

735 करोड़ रुपये की इंटीग्रेटेड कॉम्प्रिहेंसिव क्लीनिंग, सर्कुलर इकोनॉमी एंड वेस्ट मैनेजमेंट परियोजना के तहत अलवर और भिवाड़ी में घर-घर कचरा संग्रहण, स्मार्ट डस्टबिन, ट्रांसफर स्टेशन, जीपीएस आधारित निगरानी प्रणाली और एकीकृत कमांड एंड कंट्रोल सेंटर विकसित किए जाएंगे। योजना का लक्ष्य कचरा संग्रहण दक्षता को 80 प्रतिशत से बढ़ाकर 100 प्रतिशत तथा स्रोत स्तर पर कचरा पृथक्करण को 90 प्रतिशत तक पहुंचाना है।

परियोजना के दूसरे चरण में लगभग 700 करोड़ रुपये की लागत से वेस्ट प्रोसेसिंग एंड रिसोर्स रिकवरी पार्क स्थापित किया जाएगा। इसमें 12 मेगावाट क्षमता का वेस्ट-टू-एनर्जी प्लांट, बायो-मीथनेशन यूनिट, कंपोस्टिंग प्लांट, प्लास्टिक एवं पेपर रीसाइक्लिंग इकाइयां, निर्माण एवं विध्वंस (सीएंडडी) कचरा रीसाइक्लिंग प्लांट तथा वैज्ञानिक लैंडफिल विकसित किए जाएंगे। इससे प्रतिदिन 700 टन से अधिक कचरे का वैज्ञानिक निस्तारण होगा और बिजली उत्पादन व रीसाइक्लिंग के माध्यम से प्रतिवर्ष करीब 95 करोड़ रुपये के राजस्व का अनुमान है।

दूसरी ओर 80.47 करोड़ रुपये की क्लीन एंड ग्रीन ईको सिटीज पहल के तहत ऐतिहासिक कंपनी गार्डन और सूचना केंद्र के संरक्षण एवं पुनर्विकास पर 15 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इसके साथ ही विरासत भवनों का संरक्षण, सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए स्थान, पैदल यात्रियों के अनुकूल सार्वजनिक क्षेत्र तथा पर्यटन सुविधाओं का विकास किया जाएगा।

योजना में अलवर शहर में 10 सतही पार्किंग स्थल और 300 वाहनों की क्षमता वाला मल्टीलेवल पार्किंग कॉम्प्लेक्स विकसित करने के साथ भिवाड़ी में दो सतही पार्किंग बनाने का भी प्रस्ताव है। इन पार्किंग परियोजनाओं पर करीब 20 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। अधिकारियों का मानना है कि इन योजनाओं के क्रियान्वयन से दोनों शहरों की आधारभूत सुविधाओं और पर्यावरणीय गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार होगा।

हत्या के दोषी कैदी के ओपन जेल से फरार होने से हड़कंप

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

अलवर स्थित खुली जेल (ओपन जेल) से हत्या के मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहा एक कैदी फरार हो गया। घटना के बाद जेल प्रशासन और पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। फरार कैदी की तलाश के लिए पुलिस ने विभिन्न स्थानों पर सर्च अभियान शुरू कर दिया है।

जानकारी के अनुसार जयपुर के रामगंज निवासी 29 वर्षीय समीर अली पुत्र जाकिर अली हत्या के मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 302 (पूर्व आईपीसी) के तहत दोषी ठहराया गया था। जयपुर महानगर प्रथम न्यायालय से आजीवन कारावास की सजा मिलने के बाद उसे दिसंबर 2025 में अलवर की ओपन जेल में स्थानांतरित किया गया था।

जेल प्रशासन के अनुसार 26 जून को शाम 7 बजे नियमित हाजिरी के दौरान समीर अली जेल परिसर में मौजूद था। इसके बाद रात करीब 9 से 9:30 बजे उपकारापाल स्वीटी स्टेला, मुख्य प्रहरी महेंद्र कुमार और प्रहरी सतीश शर्मा ने ओपन जेल का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान दोबारा बंदियों की गिनती में कुल 67 बंदियों में से 63 पुरुष और 4 महिला बंदी ही मौजूद मिले, जबकि समीर अली अनुपस्थित पाया गया।

कैदी के नहीं मिलने पर जेल कर्मियों ने उसके आवंटित आवास संख्या-36 की तलाशी ली, लेकिन वह वहां भी नहीं मिला। इसके बाद ओपन जेल परिसर और आसपास के संभावित क्षेत्रों में तलाश की गई, मगर उसका कोई सुराग नहीं लगा। जेल रिकॉर्ड में दर्ज उसके मोबाइल नंबर पर संपर्क करने का प्रयास भी किया गया, लेकिन फोन स्विच ऑफ मिला।

कोतवाली थाना प्रभारी रमेश सैनी ने बताया कि जेल प्रहरी सतीश शर्मा की रिपोर्ट पर कैदी के फरार होने का मामला दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच एएसआई वेद प्रकाश को सौंपी गई है। पुलिस फरार कैदी की तलाश में जुटी हुई है।

गौरतलब है कि अलवर की ओपन जेल से कैदियों के फरार होने का यह पहला मामला नहीं है। इससे पहले 1 मार्च 2025 को आजीवन कारावास की सजा काट रहे दो कैदी मुकेश और सतीश कुमार उर्फ सेदूराम मीणा भी खुली जेल से फरार हो गए थे। लगातार सामने आ रही ऐसी घटनाओं ने ओपन जेल की सुरक्षा व्यवस्था और निगरानी प्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

बलाई समाज की बैठक में नशा मुक्ति, शिक्षा और सामूहिक विवाह सम्मेलन पर मंथन

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा रामगढ़

रामगढ़ कस्बे में अलवर-दिल्ली हाईवे स्थित भगवान नृरसिंह महाराज मंदिर परिसर में रविवार को बलाई समाज की बैठक आयोजित हुई। समाज अध्यक्ष छगनलाल की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में करीब 90 गांवों के प्रतिनिधियों एवं समाज के गणमान्य लोगों ने भाग लिया। बैठक में समाज में शिक्षा को बढ़ावा देने, नशा मुक्ति अभियान को मजबूत करने तथा सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित करने सहित विभिन्न सामाजिक विषयों पर चर्चा की गई।

बैठक में आगामी सितंबर माह में मंदिर परिसर में आयोजित होने वाले वार्षिक उत्सव की तैयारियों की रूपरेखा पर भी विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। इस दौरान भंडारे के आयोजन के साथ प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित कर समाज के मेधावी छात्र-छात्राओं एवं विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली प्रतिभाओं को सम्मानित करने का निर्णय लिया गया।

समाज में सामाजिक जागरूकता बढ़ाने और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को सहयोग प्रदान करने के उद्देश्य से सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित करने का प्रस्ताव भी रखा गया। वक्ताओं ने कहा कि ऐसे आयोजनों से सामाजिक एकता मजबूत होगी और जरूरतमंद परिवारों पर आर्थिक बोझ भी कम होगा। सम्मेलन की रूपरेखा जल्द तय करने पर सहमति बनी।

बैठक में समाज में व्याप्त कुरीतियों को समाप्त करने तथा नई पीढ़ी को शिक्षा से जोड़ने पर विशेष जोर दिया गया। वक्ताओं ने कहा कि समाज की प्रगति के लिए बेटों के साथ-साथ बेटियों की शिक्षा भी समान रूप से आवश्यक है। सभी परिवारों से अपने बच्चों को उच्च शिक्षा दिलाने और उन्हें बेहतर भविष्य के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया गया।

रिटायर्ड शिक्षक छगन मास्टर ने युवाओं में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि नशा परिवार और समाज दोनों के लिए गंभीर चुनौती बनता जा रहा है। उन्होंने युवाओं से शराब सहित सभी प्रकार के नशे से दूर रहने और शिक्षा, रोजगार तथा सकारात्मक गतिविधियों से जुड़ने का आह्वान किया।

बैठक में उपस्थित समाजजनों ने समाज को नशामुक्त बनाने, युवाओं को शिक्षा और रोजगार की ओर प्रेरित करने तथा जागरूकता अभियान चलाने का सामूहिक संकल्प लिया। इस अवसर पर छोटेलाल फर्जी, दीपचंद, महेंद्र, रामपुरा, मास्टर गोपाल, पूर्व अध्यक्ष रामकिशोर मेहरा सहित बड़ी संख्या में समाज के वरिष्ठ नागरिक एवं समाजजन उपस्थित रहे।

जलदाय विभाग के पंप ऑपरेटर पर लोहे के पाइप से हमला, गंभीर घायल

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

शहर के सोनावा डूंगरी क्षेत्र में जलदाय विभाग के पंप ऑपरेटर पर तीन-चार युवकों द्वारा कथित रूप से लोहे के पाइप से हमला किए जाने का मामला सामने आया है। हमले में कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे स्थानीय लोगों की मदद से सामान्य अस्पताल में भर्ती कराया गया। पीड़ित ने पुलिस पर सूचना देने के बावजूद मौके पर नहीं पहुंचने का आरोप भी लगाया है। जानकारी के अनुसार शिवाजी पार्क निवासी गोविंद प्रसाद सैनी जलदाय विभाग में पंप ऑपरेटर के पद पर कार्यरत हैं। रविवार सुबह करीब 11 बजे उनकी ड्यूटी सोनावा डूंगरी स्थित पानी की टंकी पर थी। उस समय श्रमिक टंकी की सफाई कर रहे थे और सफाई के दौरान निकला खराब पानी ढलान की ओर बह गया। गोविंद प्रसाद का आरोप है कि इसी दौरान सोनावा डूंगरी निवासी शफी पुत्र बरकत खान अपने तीन अन्य साथियों के साथ मौके पर पहुंचा। आरोपियों ने आते ही लोहे के पाइप से उन पर हमला कर दिया। मारपीट में उनकी कमर, हाथ और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आईं तथा उनके कपड़े भी फाड़ दिए गए।

29 जून को जिले की 6 ग्राम पंचायतों में आयोजित होंगे ग्रामीण सेवा शिविर

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा खैरथल-तिजारा

राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के उद्देश्य से जिले में 12 जून से 15 जुलाई 2026 तक 'ग्रामीण सेवा शिविर-2026' का आयोजन किया जा रहा है। जिला कलक्टर ने बताया कि ग्रामीण सेवा शिविरों में राजस्व विभाग सहित कुल 22 विभागों की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। 29 जून को किशनगढ़बास उपखंड की ग्राम पंचायत बाघोडा के अटल सेवा केंद्र, कोटकासिम उपखंड की ग्राम पंचायत इकरोटिया के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, तिजारा उपखंड की ग्राम पंचायत बीछाला के अटल सेवा केंद्र, टपूकड़ा उपखंड की ग्राम पंचायत महेशरा के अटल सेवा केंद्र तथा मुण्डावर उपखंड की ग्राम पंचायत शीलगांव एवं मानका के अटल सेवा केंद्रों पर ग्रामीण सेवा शिविर आयोजित किए जाएंगे। ग्रामीण सेवा शिविरों के माध्यम से आमजन की विभिन्न समस्याओं का त्वरित समाधान, राजस्व प्रकरणों का निस्तारण, पात्र व्यक्तियों को योजनाओं का लाभ प्रदान करना तथा विभिन्न विभागीय सेवाओं की प्रभावी पहुंच सुनिश्चित की जाएगी। जिला प्रशासन ने सभी विभागों को शिविरों के सफल संचालन हेतु आवश्यक तैयारियां समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं।

वनपाल सीधी भर्ती परीक्षा का सफलतापूर्वक हुआ आयोजन, 75.11' रही उपस्थिति

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा खैरथल-तिजारा,

अतिरिक्त जिला कलक्टर शिवपाल जाट ने बताया कि परीक्षा में पारदर्शिता एवं निष्पक्षता राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है, ताकि परीक्षार्थी बिना किसी बाधा के परीक्षा में सम्मिलित हो सकें एवं अपने भविष्य की दिशा में आगे बढ़ सकें। अतिरिक्त जिला कलक्टर ने बताया वनपाल सीधी भर्ती परीक्षा 2026 का आयोजन जिले के 10 केंद्र पर किया गया जिसमें 2800 विद्यार्थियों में से 2103 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी। इस प्रकार परीक्षा में कुल 75.11' उपस्थिति रही। परीक्षा में कुल 697 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। पूर्व में उन्होंने परीक्षा से जुड़ी समस्त व्यवस्थाओं को प्रभावी रूप से लागू करने हेतु सभी संबंधित अधिकारियों को पेपर और ओएमआर शीट की सुरक्षा एवं गोपनीयता, कानून व्यवस्था, प्रश्न पत्रों के सुरक्षित परिवहन, परीक्षार्थियों की सुविधाओं एवं अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं पर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

आर्य समाज तिजारा के वार्षिक चुनाव संपन्न, भरत सिंह आर्य बने नए प्रधान

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा तिजारा

आर्य समाज तिजारा के वार्षिक चुनाव रविवार को चुनाव अधिकारी ओमप्रकाश आर्य के निर्देशन में शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हुए। चुनाव में उपस्थित सभासदों की सर्वसम्मति से सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य भरत सिंह आर्य को आर्य समाज तिजारा का नया प्रधान चुना गया। आर्य जयसिंह ने बताया कि चुनाव प्रक्रिया की शुरुआत वर्तमान प्रधान फतेह सिंह आर्य एवं कोषाध्यक्ष सुरेश कुमार द्वारा संस्था का आय-व्यय विवरण प्रस्तुत करने के साथ हुई। इसके बाद वर्तमान कार्यकारिणी को भंग कर नई कार्यकारिणी के गठन की प्रक्रिया शुरू की गई। प्रधान पद के लिए सुरेश कुमार आर्य और भरत सिंह आर्य के नाम प्रस्तावित किए गए। चर्चा के बाद सभी सभासदों ने सर्वसम्मति से भरत सिंह आर्य के नाम पर सहमति जताई और उन्हें नया प्रधान निर्वाचित घोषित किया गया। नवनिर्वाचित प्रधान ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे आर्य समाज के सिद्धांतों के अनुरूप संगठन को मजबूत बनाने तथा सामाजिक एवं धार्मिक गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे। उन्होंने बताया कि एक सप्ताह के भीतर नई कार्यकारिणी की घोषणा की जाएगी। इस अवसर पर महाशय हनुमान प्रसाद, लक्ष्मण सिंह, ख्यालीराम आर्य, महेंद्र सिंह आर्य, रामनिवास आर्य, रतनलाल आर्य, मास्टर ताराचंद, बलवान आर्य सहित बड़ी संख्या में आर्य समाज के सभासद उपस्थित रहे। चुनाव शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न होने पर सभी ने नवनिर्वाचित प्रधान को शुभकामनाएं दीं।

जिला ओड महासभा का सम्मान समारोह, प्रतिभाओं को किया सम्मानित

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा तिजारा

पथवारी मंदिर के पास एक निजी होटल परिसर जिला ओड महासभा का सम्मान समारोह ज्ञानचंद पूर्व सरपंच की अध्यक्षता में ? आयोजित किया गया। जिसमें विद्यार्थियों ,समाजसेवियों ,वरिष्ठ नागरिक, सरकारी कर्मचारी सहित प्रतिभाओं को सम्मानित किया । कार्यक्रम के आयोजक दिनेश खाम्बरा ने बताया?।कि ओड समाज को आगे बढ़ाने वाली प्रतिभाओं को मंच देने के उद्देश्य यह कार्यक्रम किया गया है।कार्यक्रम में शिक्षा, समाजसेवा और वरिष्ठ नागरिकों के योगदान को सराहा गया। समारोह में कुल सो प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया।बोर्ड और प्रतियोगी परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को मेडल, प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। जो सामाजिक कार्यकर्ताओ ने समाज में शिक्षा, स्वास्थ्य, नशा मुक्ति और सेवा के क्षेत्र में सराहनीय कार्य करने वाले कार्यकर्ताओं का महासभा ने आभार जताया। वही समाज की नींव रहे बुजुर्गों को शॉल, माला और मानपत्र देकर उनके अनुभव और मार्गदर्शन का सम्मान किया गया। वही समाज में राजकीय सेवा कर रहे कर्मचारियों को सम्मानित किया महासभा के पदाधिकारियों ने कहा कि 'शिक्षा और समाजसेवा ही समाज की तरक्की की कुंजी है। ऐसी प्रतिभाओं का सम्मान करने से नई पीढ़ी को प्रेरणा मिलती है।' कार्यक्रम में, पूर्व सरपंच कमलेश खाम्बरा , सुदेश खाम्बरा, पाली राम गोपाल सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग, अभिभावक और मौजूद रहे।

मुख्य सफाई निरीक्षक से मारपीट के विरोध में नगर परिषद कर्मचारी अनिश्चितकालीन धरने पर, सोमवार से पूर्ण हड़ताल की चेतावनी

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा भिवाड़ी

नगर परिषद के मुख्य सफाई निरीक्षक दिनेश कुमार मीणा के साथ हुई मारपीट की घटना के विरोध में नगर परिषद कर्मचारियों का अनिश्चितकालीन धरना रविवार को भी जारी रहा। कर्मचारियों ने आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग करते हुए चेतावनी दी है कि यदि पुलिस ने जल्द कार्रवाई नहीं की तो सोमवार से नगर परिषद का संपूर्ण कामकाज ठप कर दिया जाएगा। इसके साथ ही शहर की सफाई व्यवस्था और शहरी सेवा शिविरों से जुड़े सभी कार्य भी प्रभावित होंगे।

मुख्य सफाई निरीक्षक दिनेश कुमार मीणा ने बताया कि शनिवार को नगर परिषद के मुख्य गेट के बाहर कुछ स्थानीय युवकों तथा एक ठेकेदार के ऑटो टिपर चालक ने उनके साथ मारपीट की थी। घटना के बाद भिवाड़ी थाने में कई लोगों के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज कराई गई, लेकिन अब तक किसी भी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि जब तक सभी आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया जाता, तब तक कर्मचारी अपना आंदोलन और धरना जारी रखेंगे।

शनिवार को भिवाड़ी डीएसपी कैलाश चौधरी धरना स्थल पर पहुंचे थे और कर्मचारियों को जल्द आरोपियों की गिरफ्तारी का आश्वासन दिया था। हालांकि, रविवार तक कोई कार्रवाई नहीं होने से कर्मचारियों में भारी नाराजगी देखने को मिली। कर्मचारियों का कहना है कि केवल आश्वासन से काम नहीं चलेगा, पुलिस को शीघ्र आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी होगी।

धरने और हड़ताल का असर शहर की सफाई व्यवस्था पर भी साफ दिखाई देने लगा है। मारपीट की घटना के बाद करीब 40 ऑटो टिपर चालक अपनी गाड़ियां नगर परिषद परिसर में खड़ी कर काम पर नहीं लौटे हैं। वहीं, हेल्पर भी ड्यूटी पर नहीं आ रहे हैं। इसके कारण शहर के विभिन्न इलाकों से कूड़ा नहीं उठाया जा रहा है और डंपिंग यार्ड तक भी कचरा नहीं पहुंच पा रहा है। कई स्थानों पर कूड़े के ढेर लगने शुरू हो गए हैं, जिससे आम लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। नगर परिषद कर्मचारियों ने स्पष्ट किया है कि यदि प्रशासन और पुलिस ने शीघ्र कार्रवाई नहीं की, तो सोमवार से पूर्ण हड़ताल शुरू कर दी जाएगी। इस दौरान नगर परिषद कार्यालय में किसी प्रकार का कार्य नहीं होगा और शहरी विकास एवं सेवा शिविरों की गतिविधियां भी पूरी तरह बंद रहेंगी। कर्मचारियों ने कहा कि आरोपियों की गिरफ्तारी तक उनका आंदोलन जारी रहेगा और आवश्यकता पड़ने पर इसे और उग्र किया जाएगा।

जिला कलक्टर ने बच्चों को पल्स पोलियो की खुराक पिलाकर अभियान का किया शुभारंभ

28 से 30 जून तक चलेगा विशेष अभियान, जिले के 1,69,723 बच्चों को पिलाई जाएगी पोलियो की दवा

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा खैरथल-तिजारा

जिला अस्पताल भिवाड़ी में रविवार को जिला कलक्टर अतुल प्रकाश ने पांच वर्ष तक के बच्चों को पल्स पोलियो की खुराक पिलाकर तीन दिवसीय पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने जिला अस्पताल परिसर में नवनिर्मित मदर लैब का भी निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अरविंद गेट ने बताया कि जिले में 28, 29 एवं 30 जून तक पल्स पोलियो अभियान संचालित किया जाएगा। अभियान के दौरान जिले के 1,69,723 बच्चों को पोलियो रोधी दवा पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। आरसीएचओ डॉ. सूआ लाल ने बताया कि अभियान के सफल संचालन के लिए जिलेभर में 1,124 पोलियो बूथ स्थापित किए गए हैं। 29 एवं 30 जून को मेडिकल टीमें घर-घर जाकर उन बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाएंगी जो किसी कारणवश बूथ पर नहीं पहुंच पाए। अभियान की निगरानी के लिए 135 सुपरवाइजर, 46 मोबाइल टीमें तथा 23 ट्रांजिट टीमें तैनात की गई हैं, ताकि जिले का कोई भी पांच वर्ष तक का बच्चा पोलियो की खुराक से वंचित न रहे। सीएमएचओ डॉ. अरविंद गेट ने जिलेवासियों से अपील करते हुए कहा कि सभी अभिभावक अपने पांच वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की खुराक अवश्य पिलाएं तथा पोलियो मुक्त भारत अभियान को सफल बनाने में अपना सहयोग दें। इस अवसर पर पीएमओ डॉ. सागर अरोड़ा, खंड मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. मनोज यादव, पल्स पोलियो प्रभारी डॉ. सुशीला मीणा, डॉ. कैलाश राजोरा, डॉ. इंद्रपाल यादव, डॉ. के.के. शर्मा सहित अन्य चिकित्सक एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

पूर्व व्यापार महासंघ अध्यक्ष राजेश उर्फ हबली गुप्ता को दी श्रद्धांजलि, कस्बे में शोक की लहर

आदर्श विद्या मंदिर में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में व्यापारियों व गणमान्य नागरिकों ने दी भावभीनी विदाई

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा तिजारा

तिजारा कस्बे के पूर्व व्यापार महासंघ अध्यक्ष समाज सेवी राजेश उर्फ हबली गुप्ता को आदर्श विद्या मंदिर स्कूल प्रांगण में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। 25 जून को राजेश गुप्ता के निधन की खबर सुनते ही कस्बे के व्यापारिक समुदाय एवं आमजन में शोक की लहर दौड़ गई। उनके निधन पर व्यापार महासंघ द्वारा श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। सभा में उपस्थित सभी लोगों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा और प्रार्थना की कि भगवान उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें।इस अवसर पर व्यापार महासंघ के अध्यक्ष गुलशन गुप्ता, महासचिव अरुण सोनी, मनोज सिंधी, व्यापार महासंघ अलवर जिला अध्यक्ष रमेश जुनेजा, किशनगढ़ से अनिल खुराना, खैरथल से ओमप्रकाश, अनिल खंडेलवाल, कृष्ण कुमार कुकरेजा, मुकेश मिश्रा, विजय, आशीष जैन, रामदेव रमानी, पूर्व अध्यक्ष कमलेश सैनी, लक्ष्मीनारायण गुप्ता, पुरुषोत्तम एडवोकेट, अमित अग्रवाल, हरीश सांवरिया, मनोज जैन, रमेश गुप्ता, पंकज गुप्ता, अशोक सोनी, संजय अग्रवाल, बबली गुप्ता, कैलाश सिंधी, राकेश डाटा, आशीष एडवोकेट, कुणाल सुनारिया, सचिन जैन, सुरेश जाटव, नीनू जैन सहित बड़ी संख्या में व्यापारी व गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। वक्ताओं ने राजेश गुप्ता के व्यापारिक व सामाजिक योगदान को याद करते हुए कहा कि उनका जाना कस्बे के लिए अपूरणीय क्षति है।

जेल में बंद युवक की मां और भाई पर हमला, महिला के सिर पर फरसी से वार; अलवर रेफर

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा तिजारा

जैरोली थाना क्षेत्र के बैंगनखेड़ी गांव में रविवार सुबह जेल में बंद एक युवक की मां और छोटे भाई पर कथित रूप से धारदार हथियारों और लाठियों से हमला कर दिया गया। हमले में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई, जबकि उसके बेटे को भी चोटें आईं। दोनों को प्राथमिक उपचार के बाद अलवर जिला अस्पताल रेफर किया गया।

पीड़ित परिवार के अनुसार बैंगनखेड़ी निवासी नियाज मोहम्मद, असरुद्दीन, तसलीम और अंसार ने वारदात को अंजाम दिया। कमर खान ने बताया कि उनका बेटा मोइन खान, जो खैरथल कॉलेज का छात्र है, साइबर फ्रॉड के एक मामले में तिजारा थाने में बंद है। परिजनों का आरोप है कि रविवार सुबह मोइन खान को खाना देने के लिए उसकी मां अर्शिदा और छोटा भाई अकिल खान तिजारा जा रहे थे। इसी दौरान रास्ते में आरोपियों ने उन्हें रोककर हमला कर दिया। आरोप है कि अर्शिदा के सिर पर फरसी से वार किया गया, जबकि अकिल खान के साथ लाठियों से मारपीट की गई। कमर खान ने दावा किया कि उनके बेटे को साइबर फ्रॉड मामले में झूठा फंसाया गया है। उनका आरोप है कि गांव के एक व्यक्ति ने कथित रूप से फ्रॉड की रकम मोइन के खाते में डलवाकर उसके खिलाफ शिकायत कराई। इसी रंजिश के चलते परिवार पर हमला कराया गया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि संबंधित व्यक्ति लोगों के खातों का दुरुपयोग कर युवकों को फंसाने और बाद में समझौते के नाम पर पैसे वसूलने का काम करता है। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। घटना के बाद दोनों घायलों को तिजारा अस्पताल ले जाया गया, जहां से उनकी गंभीर हालत को देखते हुए अलवर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। परिवार ने उपचार के बाद पुलिस में लिखित शिकायत देने की बात कही है। फिलहाल पुलिस की ओर से मामले में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है और शिकायत मिलने के बाद जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

खड़ी फसल पर ट्रैक्टर चलाने और फायरिंग का आरोप, विरोध करने पर जान से मारने की धमकी

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटकासिम

कोटकासिम थाना क्षेत्र के ग्राम बघाना में खेत में खड़ी फसल को ट्रैक्टर चलाकर नष्ट करने और विरोध करने पर फायरिंग करने का मामला सामने आया है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़ित मुकेश कुमार ने बताया कि 27 जून को दोपहर करीब 12 बजे वह अपने खेत स्थित मकान पर मौजूद थे। इसी दौरान जोगेंद्र, पप्पू, संजीव, साहिल, कुलदीप, प्रवीण, चंद्रशेखर सहित करीब 30 से 35 लोग दो ट्रैक्टरों और अन्य वाहनों के साथ खेत पर पहुंचे। आरोप है कि उन्होंने खेत में खड़ी फसल पर ट्रैक्टर चलाकर उसे नष्ट कर दिया।

मुकेश के अनुसार जब उन्होंने घटना का फोटो और वीडियो बनाना शुरू किया तो जोगेंद्र और कुलदीप ने उन पर फायरिंग कर दी तथा जान से मारने की नीयत से पीछा किया। उन्होंने किसी तरह मौके से भागकर अपनी जान बचाई। आरोप है कि आरोपियों ने बंटाईदार किसान बलबीर मेघवाल को भी धमकाया और पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए।

घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और खेत का निरीक्षण किया। इस संबंध में मुकेश, चंदूलाल, जयलाल, जलसिंह और बलबीर की ओर से संयुक्त रिपोर्ट दर्ज कराई गई है।

मुकेश का आरोप है कि घटना की सूचना कंट्रोल रूम को तत्काल देने के बावजूद पुलिस करीब 40 मिनट बाद मौके पर पहुंची, तब तक सभी आरोपी फरार हो चुके थे। उनका कहना है कि मामला दर्ज होने के 24 घंटे बाद भी किसी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

कोटकासिम थाना पुलिस ने बताया कि शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है। आरोपों की जांच की जा रही है और जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

भिवाड़ी में नाहटा फाउंडेशन ने लगाया भंडारा व शीतल जलजीरा सेवा शिविर, जरूरतमंदों को कराया भोजन

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा भिवाड़ी

नाहटा फाउंडेशन द्वारा , भिवाड़ी में सेवा, श्रद्धा और जनकल्याण की भावना के साथ भंडारा एवं शीतल जलजीरा सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान राहगीरों, श्रमिकों, जरूरतमंद लोगों एवं क्षेत्रवासियों को प्रेमपूर्वक भोजन प्रसाद एवं शीतल जलजीरा वितरित किया गया। भीषण गर्मी के बीच आयोजित इस सेवा कार्य का बड़ी संख्या में लोगों ने लाभ उठाया। कार्यक्रम के दौरान संस्था के स्वयंसेवकों ने पूरे उत्साह के साथ भोजन एवं जलजीरा वितरण की व्यवस्था संभाली। आयोजन स्थल पर आने वाले प्रत्येक व्यक्ति का सम्मानपूर्वक स्वागत किया गया और सभी को प्रसाद ग्रहण कराया गया। लोगों ने नाहटा फाउंडेशन की इस जनसेवा पहल की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायक बताया। सेवा कार्य के साथ-साथ स्वच्छता का भी विशेष ध्यान रखा गया। उपयोग किए गए कागज के गिलास एवं पत्तलों के उचित निस्तारण के लिए विभिन्न स्थानों पर डस्टबिन लगाए गए, ताकि आयोजन स्थल पर स्वच्छ वातावरण बना रहे। संस्था ने लोगों को स्वच्छता बनाए रखने और पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। नाहटा फाउंडेशन के पदाधिकारियों ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य केवल भोजन वितरण करना नहीं, बल्कि समाज में सेवा, सहयोग, सद्भाव और मानवता की भावना को मजबूत करना है। ऐसे आयोजन लोगों को सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक करने के साथ जरूरतमंदों की सहायता के लिए प्रेरित करते हैं।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में संस्था के सभी सहयोगियों, कार्यकर्ताओं, स्वयंसेवकों एवं उपस्थित नागरिकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। नाहटा फाउंडेशन ने सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भविष्य में भी संस्था समाजहित, जनकल्याण और मानव सेवा के ऐसे कार्य निरंतर करती रहेगी तथा जरूरतमंद लोगों की सहायता के लिए सदैव तत्पर रहेगी।

सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे के मामले में 4 गिरफ्तार, किशनगढ़बास उप कारागृह भेजे गए

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा मुंडावर

मुंडावर क्षेत्र में सरकारी सिवायचक एवं चारागाह भूमि पर अवैध कब्जा करने के मामले में प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए चार अतिक्रमणकारियों को गिरफ्तार कर किशनगढ़बास उप कारागृह भेज दिया। यह कार्रवाई तहसीलदार एवं कार्यपालक मजिस्ट्रेट मुंडावर विवेक कटारिया के आदेश पर की गई। वहीं, अन्य अतिक्रमणकारियों की गिरफ्तारी के लिए भी पुलिस अभियान चला रही है। तहसीलदार विवेक कटारिया ने बताया कि पटवारी हल्का शीलगांव के ग्राम भगोला जाट और शीलगांव में सरकारी सिवायचक एवं चारागाह भूमि पर अवैध अतिक्रमण की शिकायतें सामने आई थीं। मामले की सुनवाई राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 91(2) के तहत की गई। सुनवाई के दौरान आरोप सिद्ध होने पर न्यायालय ने संबंधित अतिक्रमणकारियों को दोषी ठहराते हुए प्रत्येक को तीन माह के सिविल कारावास तथा लगान दर के 50 गुना अर्थदंड की सजा सुनाई। न्यायालय द्वारा जारी गिरफ्तारी वारंट के आधार पर मुंडावर थाना पुलिस ने चारों दोषियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। न्यायालय के आदेश के बाद उन्हें किशनगढ़बास उप कारागृह भेज दिया गया। प्रशासन ने बताया कि जिन अन्य अतिक्रमणकारियों के खिलाफ भी गिरफ्तारी वारंट जारी किए गए हैं, उनकी तलाश तेज कर दी गई है। पुलिस और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम उन्हें जल्द गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश करेगी। प्रशासन ने दोहराया कि सरकारी सिवायचक, चारागाह और अन्य सार्वजनिक भूमि पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऐसे मामलों में नियमानुसार सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। साथ ही आमजन से भी अपील की गई है कि वे सरकारी भूमि की सुरक्षा में सहयोग करें और किसी भी प्रकार के अवैध अतिक्रमण की सूचना प्रशासन को दें।

प्रधानमंत्री मोदी की विदेशी यात्राएँ भारत के लिए अर्थलाभदायक?

सौरभ वार्ष्णेय

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश यात्राएँ पिछले एक दशक से भारतीय राजनीति और कूटनीति के केंद्र में रही हैं। समर्थकों के लिए ये यात्राएँ भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा का प्रतीक हैं, जबकि आलोचक इन्हें अत्यधिक प्रचार आधारित और महँगी कूटनीति मानते हैं। ऐसे में यह प्रश्न स्वाभाविक है कि क्या इन यात्राओं से वास्तव में भारत को ठोस लाभ मिला है?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश यात्राएँ केवल औपचारिक कूटनीतिक कार्यक्रम नहीं रहीं, बल्कि उन्होंने भारत की वैश्विक पहचान, आर्थिक हितों और सामरिक प्रभाव को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने का कार्य किया है। वर्ष 2014 में सत्ता संभालने के बाद से लेकर जून 2026 तक प्रधानमंत्री मोदी लगभग 100 विदेश यात्राएँ कर 78 देशों का दौरा कर चुके हैं। यह आँकड़ा स्वयं इस बात का प्रमाण है कि भारत ने बीते एक दशक में विश्व मंच पर अपनी सक्रिय उपस्थिति दर्ज कराई है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश यात्राएँ पिछले एक दशक से भारतीय राजनीति और कूटनीति के केंद्र में रही हैं। समर्थकों के लिए ये यात्राएँ भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा का प्रतीक हैं, जबकि आलोचक इन्हें अत्यधिक प्रचार आधारित और महँगी कूटनीति मानते हैं। ऐसे में यह प्रश्न स्वाभाविक है कि क्या इन यात्राओं से वास्तव में भारत को ठोस लाभ मिला है?

भारत की विदेश नीति आज केवल सीमाओं की सुरक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि व्यापार, निवेश, ऊर्जा सुरक्षा, तकनीक, रक्षा सहयोग और वैश्विक प्रभाव बढ़ाने का माध्यम भी बन चुकी है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने कार्यकाल में अमेरिका, यूरोप, खाड़ी देशों, अफ्रीका तथा हिंद महासागर क्षेत्र के देशों के साथ संबंधों को नई दिशा देने का प्रयास किया है। हाल की उनकी सेशेल्स हिंद महासागर में स्थित एक खूबसूरत द्वीपीय देश है। यात्रा भी समुद्री सुरक्षा, ब्लू इकोनॉमी और हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की रणनीतिक भूमिका को मजबूत करने की दृष्टि से महत्वपूर्ण मानी जा रही है। इन यात्राओं का सबसे बड़ा लाभ आर्थिक क्षेत्र में दिखाई देता है। वैश्विक कंपनियों के साथ संपर्क बढ? से भारत में निवेश आकर्षित हुआ है। डिजिटल अर्थव्यवस्था, सेमीकंडक्टर, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और विनिर्माण क्षेत्र में भारत को नई संभावनाएँ मिली हैं। हाल के वर्षों में अनेक वैश्विक कंपनियों ने भारत में बड़े निवेश की घोषणाएँ की हैं, जिससे रोजगार और औद्योगिक विकास को गति मिलने की उम्मीद है।

रणनीतिक दृष्टि से भी भारत की स्थिति पहले की तुलना में अधिक सशक्त हुई है। हिंद महासागर क्षेत्र में भारत अपनी उपस्थिति मजबूत कर रहा है और छोटे द्वीपीय देशों के साथ रक्षा एवं समुद्री सहयोग बढ़ा रहा है। सेशेल्स को भारत निर्मित गश्ती पोत सौंपना इसी नीति का हिस्सा है।

अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की स्वीकार्यता भी बढ़ी है। अनेक देशों ने भारत की वैश्विक भूमिका का समर्थन किया है तथा भारत को एक उभरती महाशक्ति के रूप में देखा जाने लगा है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता की भारतीय दावेदारी को भी विभिन्न देशों का समर्थन प्राप्त हो रहा है।

हालाँकि, विदेश यात्राओं की सफलता का मूल्यांकन केवल स्वागत समारोहों और समझौतों की संख्या से नहीं किया जा सकता। यह भी देखना आवश्यक है कि कितने समझौते धरातल पर उतरते हैं, कितना निवेश वास्तव में आता है और उससे देश के आम नागरिक को कितना लाभ मिलता है। कुछ मामलों में व्यापारिक विवाद, वैश्विक तनाव और भू-राजनीतिक चुनौतियाँ भी भारत के सामने बनी हुई हैं।

आधुनिक विश्व व्यवस्था में सक्रिय कूटनीति किसी भी उभरती शक्ति के लिए अनिवार्य है। प्रधानमंत्री मोदी की विदेश यात्राओं ने भारत की अंतरराष्ट्रीय पहचान को मजबूत किया है, नए साझेदार बनाए हैं और भारत को वैश्विक निर्णय प्रक्रिया में अधिक प्रभावशाली स्थान दिलाने का प्रयास किया है। लेकिन इन यात्राओं की वास्तविक सफलता का पैमाना यही होगा कि वे देश की अर्थव्यवस्था, रोजगार, सुरक्षा और आम नागरिक के जीवन में कितनी सकारात्मक परिवर्तनकारी भूमिका निभाती हैं।

विदेश नीति का अंतिम उद्देश्य राष्ट्रीय हितों की पूर्ति होना चाहिए। यदि विदेश यात्राएँ निवेश, तकनीक, ऊर्जा सुरक्षा और रणनीतिक शक्ति के रूप में भारत को लाभ पहुँचा रही हैं, तो उन्हें केवल राजनीतिक दृष्टि से नहीं बल्कि राष्ट्रीय विकास की व्यापक रणनीति के रूप में देखा जाना चाहिए। भारत की बढ़ती वैश्विक भूमिका इसी संतुलित और परिणामोन्मुख कूटनीति पर निर्भर करेगी।

आलेख के बीच में

सेशेल्स यात्राः हिन्द महासागर में सहयोग और सामरिक साझेदारी की नई दिशा

भारत और सेशेल्स के बीच संबंध केवल कूटनीतिक औपचारिकताओं तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे साझा समुद्री हितों, सुरक्षा सहयोग और विकास की साझी आकांक्षाओं पर आधारित हैं। सेशेल्स की यात्रा दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों को नई ऊँचाइयों तक ले जाने के साथ-साथ हिन्द महासागर क्षेत्र में शांति, स्थिरता और समृद्धि के साझा लक्ष्य को भी मजबूती प्रदान करेगी। हिन्द महासागर आज वैश्विक व्यापार, ऊर्जा आपूर्ति और सामरिक प्रतिस्पर्धा का प्रमुख केंद्र बन चुका है। विश्व व्यापार का बड़ा हिस्सा इसी समुद्री मार्ग से होकर गुजरता है। ऐसे में इस क्षेत्र की सुरक्षा और स्थिरता केवल तटीय देशों के लिए ही नहीं, बल्कि पूरी विश्व अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण है। सेशेल्स, भौगोलिक दृष्टि से छोटा द्वीपीय राष्ट्र होने के बावजूद हिन्द महासागर की समुद्री सुरक्षा व्यवस्था में अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान रखता है। भारत ने हमेशा सागर अर्थात सिक्योरिटी एंड ग्रोथ फॉर ऑल इन द रीजन की नीति के माध्यम से हिन्द महासागर क्षेत्र में सहयोग, विश्वास और साझा विकास को प्राथमिकता दी है। इसी नीति के तहत भारत ने सेशेल्स के साथ रक्षा, समुद्री निगरानी, तटरक्षक सहयोग, क्षमता निर्माण तथा आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में निरंतर साझेदारी विकसित की है। समुद्री डकैती, अवैध मछली पकड?, तस्करी और अन्य समुद्री अपराधों से निपटने में भी दोनों देशों का सहयोग महत्वपूर्ण साबित हुआ है।

सेशेल्स की यात्रा इस बात का संकेत है कि भारत अपने पड़ोसी और मित्र देशों के साथ संबंधों को केवल रणनीतिक नजरिये से नहीं देखता, बल्कि उन्हें विकास के विश्वसनीय भागीदार के रूप में भी मान्यता देता है। स्वास्थ्य, शिक्षा, डिजिटल कनेक्टिविटी, अक्षय ऊर्जा और ब्लू इकोनॉमी जैसे क्षेत्रों में सहयोग की व्यापक संभावनाएँ मौजूद हैं। विशेष रूप से ब्लू इकोनॉमी के क्षेत्र में दोनों देश समुद्री संसाधनों के सतत उपयोग और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। आज जब हिन्द महासागर क्षेत्र में वैश्विक शक्तियों की सक्रियता बढ़ रही है, तब भारत और सेशेल्स के बीच मजबूत होते संबंध क्षेत्रीय संतुलन और सामूहिक सुरक्षा के लिए भी आवश्यक हैं। यह साझेदारी किसी प्रतिस्पर्धा का माध्यम नहीं, बल्कि सहयोग, विश्वास और साझा हितों पर आधारित व्यवस्था को मजबूत करने का प्रयास है। छोटे द्वीपीय देशों की विकास संबंधी चुनौतियों और जलवायु परिवर्तन के खतरों से निपटने में भारत की भूमिका एक विश्वसनीय मित्र और विकास सहयोगी के रूप में उभर रही है। सेशेल्स यात्रा दोनों देशों के संबंधों को और अधिक प्रगाढ़ बनाएगी। इससे हिन्द महासागर क्षेत्र में समुद्री सहयोग को नई गति मिलेगी तथा एक सुरक्षित, शांतिपूर्ण और समृद्ध हिन्द महासागर के निर्माण की साझा दृष्टि को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति होगी। वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में ऐसी साझेदारियाँ ही क्षेत्रीय स्थिरता, आर्थिक प्रगति और दीर्घकालिक शांति की आधारशिला सिद्ध होंगी।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार, चिंतक, राजनीतिक विचारक है।

संपादकीय

पासपोर्ट फीस बढ़ी और नागरिकता पर सवाल

विदेश में उच्च शिक्षा ग्रहण करने, रोजगार पाने या फिर भ्रमण का सपना संजोने वाले लोगों को अब पासपोर्ट बनवाने के लिए अपनी जेब और अधिक ढीली करनी पड़ेगी। सरकार ने पासपोर्ट के आवेदन शुल्क में बढ़ोतरी कर दी है, जिसके तहत अब 36 पन्नों के सामान्य पासपोर्ट के लिए 1,500 रुपए की जगह 2,500 रुपए का भुगतान करना होगा, जबकि तत्काल सेवा के लिए 3,500 रुपए के बजाय 5,000 रुपए देने होंगे। सरकार की ओर से शुल्क बढ़ोतरी का कोई स्पष्ट कारण नहीं बताया गया है, लेकिन इसका असर नि त रूप से उन आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों पर पड़ेगा, जिनके बच्चों को विदेश में उच्च शिक्षा हासिल करने के अवसर मिलते हैं। साथ ही उन श्रमिकों पर भी अतिरिक्त बोझ पड़ेगा, जो विदेश में रोजगार के जरिए अपने परिवार की आर्थिक स्थिति सुधारना चाहते हैं। इसी के साथ पासपोर्ट को नागरिकता का प्रमाण न मानने को लेकर भी विवाद पैदा हो गया है। सड़कों से लेकर राजनीतिक गलियारों तक यह सवाल उठने लगा है कि आखिर नागरिकता साबित करने के लिए कौन सा दस्तावेज जरूरी है। इसमें दो राय नहीं कि भारतीय विद्यार्थियों का विदेश जाकर उच्च शिक्षा ग्रहण करने में खासा रुझान देखा जाता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2025 में 12 लाख से अधिक भारतीय विद्यार्थी विभिन्न देशों में उच्च शिक्षा हासिल कर रहे थे, लेकिन अब इन छात्रों की संख्या में गिरावट देखी जा रही है। विदेशी शिक्षा संस्थानों में बढ़ती फीस और वीजा नियमों में की जा रही सख्ती से देश के छात्रों के कदम ठिठक रहे हैं। ऐसे में पासपोर्ट के आवेदन शुल्क में बढ़ोतरी उनके इरादों को और कमजोर कर सकती है। इसी तरह विदेश में रोजगार के लिए जाने वाले श्रमिक वर्ग पर भी इसका विपरीत असर पड़ने की आशंका है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक वर्ष 2024 में करीब साढ़े तीन लाख भारतीय श्रमिक विदेश गए थे। ऐसे में यह सवाल भी उठ रहा है कि क्या आर्थिक स्थिति के आधार पर पासपोर्ट आवेदन शुल्क में रियायत नहीं दी जा सकती है। सरकार का मकसद केवल राजस्व अर्जित करना ही नहीं, बल्कि आम लोगों की आर्थिक सुरक्षा पर ध्यान देना भी होना चाहिए।

एनडीए कुनबे में सांसद बढ़े पर बढ़ गया अंदरूनी असंतोष

दिलीप कुमार पाठक

भारतीय राजनीति में इस समय एक बड़ा विरोधाभास देखने को मिल रहा है। विपक्ष के सांसदों की टूट-फूट से सत्ताधारी एनडीए का कुनबा लगातार बड़ा हो रहा है। ऊपरी तौर पर ऐसा लगता है कि सरकार पहले से कहीं अधिक मजबूत और सुरक्षित हो चुकी है। लेकिन जब हम दिल्ली के राजनीतिक गलियारों और संसद के आंकड़ों की गहराई में जाते हैं, तो कहानी कुछ और ही नजर आती है। बाहर से ताकतवर दिख रही इस सरकार के भीतर तनाव की एक नई लहर दौड़ गई है।

साल 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा अपने दम पर बहुमत का जाजुई आंकड़ा नहीं छू सकी थी। तब एनडीए ने 293 सीटों के साथ सरकार का गठन किया था। सरकार को टिकाए रखने के लिए 272 सांसदों की जरूरत होती है। हाल के दिनों में विपक्षी खेमे, खासकर टीएमसी और शिवसेना, जैसे दलों से सांसदों के पाला बदलने के कारण अब एनडीए का आंकड़ा 313 के पार पहुंच चुका है। सीधे गणित से देखें तो अविश्वास प्रस्ताव के जरिए इस सरकार को गिराना विपक्ष के लिए पूरी तरह असंभव है। सरकार गिरने का कोई तात्कालिक खतरा नहीं है, इसलिए सरकार के पूरी तरह अस्थिर होने का दावा तकनीकी रूप से गलत साबित होता है। लेकिन असली पेंच सरकार के बने रहने का नहीं, बल्कि उसके कामकाज और आंतरिक तालमेल का है। सरकार का कुनबा तो बढ़ रहा है, लेकिन इसके साथ ही गठबंधन के भीतर तनाव भी चरम पर पहुंच गया है। इस समय सबसे बड़ी अटकलें मंत्रिमंडल में बड़े फेरबदल को लेकर लगाई जा रही हैं। बाहर से आए दिग्गज नेताओं को संतुष्ट करने के लिए उन्हें सरकार में जगह देनी होगी। इसकी वजह से मौजूदा कई मंत्रियों पर भारी दबाव देखा जा रहा है। राजनीतिक गलियारों में चर्चा तेज है कि नए चेहरों को एडजस्ट करने के लिए कई पुराने और कद्दावर मंत्रियों की छु ी की जा सकती है या उनसे भारी-भरकम मंत्रालय छीने जा सकते हैं। इस संभावित फेरबदल की वजह से मंत्रियों और मूल पार्टी कार्यकताओं के बीच असंतोष की आग सुलगने लगी है। पुराने नेताओं को लगने लगा है कि बरसों तक पार्टी के लिए खून-पसीना बहाने के बाद भी, ऐन मौके पर दलबदलुओं को तवज्जो दी जा रही है। तनाव का दूसरा बड़ा कारण गठबंधन की छोटी और क्षेत्रीय पार्टियों में देखा जा रहा है। नीतीश कुमार की जेडीयू और चंद्रबाबू नायडू की टीडीपी जैसे दल अब अपने राजनीतिक अस्तित्व को लेकर गहरे संकट और चिंता में हैं। दरअसल, जब एनडीए के पास 293 सीटें थीं, तब इन छोटे दलों की बैसाखियों के बिना सरकार एक कदम भी नहीं चल सकती थी। लेकिन अब विपक्ष से आए सांसदों के कारण सरकार का अपना आंकड़ा 313 पार कर गया है। इस नए समीकरण ने छोटे दलों की सौदेबाजी की ताकत को लगभग खत्म कर दिया है। उन्हें डर है कि भाजपा अब उनके क्षेत्रीय हितों को नजरअंदाज कर सकती है, जिससे उनके राज्यों में उनका वजूद ही खतरे में पड़ जाएगा।इस राजनीतिक उठापटक के बीच, हालिया विवादों ने सरकार की सुशासन की छवि पर भी दबाव बना दिया है। अयोध्या में राम मंदिर के चढ़ावे में चोरी का बड़ा मामला सामने आने से जहां एक तरफ धार्मिक और राजनीतिक बहस छिड़ गई है, वहीं दूसरी तरफ मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव से जुड़ा भूमि आवंटन का ताजा प्रकरण भी विपक्ष के हाथों में बड़ा मुद्दा बन गया है। इन दोनों ही गंभीर मामलों ने भाजपा को रक्षात्मक मुद्रा में ला खड़ा किया है, जिससे संगठन के भीतर का आपसी तनाव और अधिक गहरा गया है। इस पूरे दलबदल के पीछे सरकार की अपनी एक बड़ी रणनीति भी छिपी है। सरकार संसद में मनमाने और कड़े बिल पारित कराना चाहती है। भाजपा का मुख्य एजेंडा सिर्फ सरकार चलाना नहीं, बल्कि परिसीमन और एक देश, एक चुनाव जैसे बड़े संवैधानिक सुधारों को लागू करना है। इन ऐतिहासिक बदलावों के लिए संसद में दो-तिहाई बहुमत यानी 362 सीटों की जरूरत होती है। सरकार इसी जादुई आंकड़े को छूने के लिए विपक्ष में तोड़फोड़ कर रही है। हालांकि, इतने सांसदों को जोड़ने के बाद भी सरकार अभी दो-तिहाई के आंकड़े से दूर है, जिससे विधायी स्तर पर उसकी राह अब भी आसान नहीं दिखती। कुल मिलाकर देखें तो यह दावा पूरी तरह सही है कि सांसदों के आने से एनडीए का संख्या बल तो बढ़ा है, लेकिन सरकार के भीतर आंतरिक तनाव और असंतोष अभूतपूर्व स्तर पर पहुंच गया है। सरकार की उम्र भले ही लंबी हो गई हो, लेकिन मंत्रियों की कुर्सी छिनने का डर, पुराने नेताओं की नाराजगी, क्षेत्रीय दलों के अस्तित्व का संकट और हालिया भ्रष्टाचार के आरोप इस सरकार की राजनीतिक स्थिरता को अंदर ही अंदर खोखला कर रहे हैं।

(लेखक पत्रकार हैं)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

चिंतन-मनन

जीवन में दर्द अस्थायी होता है

एक राजा ने अपने सभी सलाहकारों को बुलाया और कहा, मैं चाहता हूं कि मैं अंदर से स्थिर बना रहूं। जीवन के उतार-चढ़ाव मेरा संतुलन बिगाड़ देते हैं। तुम कोई ऐसी चीज बताओ जिससे दुख की अवस्था से गुजरते हुए मैं खुशी पा सपूं और जब मैं आनंद की अवस्था में होऊं, तो वह चीज मुझे दुखों की याद दिलाती रहे। ऐसी चीज खोजो जो मैं अपने पास रख सपूं ताकि मेरे चारों ओर कुछ भी घटता रहे, पर मैं शांत-स्थिर रह सपूं। सभी सलाहकार मिलकर बैठे और उन्होंने विचार-विमर्श किया। अंत में वे एक बक्सा लेकर राजा के पास गए- महाराज, आप इस बक्से को खोलें। राजा ने उसे खोला तो उसमें एक छोटी अंगूठी मिली। उन्होंने राजा से कहा, इस पर जो लिखा है,उसे पढ़ें। अंगूठी पर लिखा था- यह समय भी बीत जाएगा। इन पांच सादे लफ्जों से राजा को बड़ी मदद मिली। हमें भी संतुलन बनाए रखने में इनसे मदद मिल सकती है। जब हम बहुत आनंद में हों, तब याद रखने की जरूरत है कि चीजें हर समय ऐसी नहीं रहेंगी और जब खुशहाल वक्ति गुजर जाए तो हमें निराश या हतोत्साहित नहीं होना चाहिए। हमें ये पांच सादे लफ्ज याद दिला सकते हैं कि दर्द अस्थायी है और खुशहाली फिर लौट आएगी। सभी जीवन में उतार-चढ़ाव का सामना करते हैं। ये जीवन के अभिन्न अंग हैं। इनसे बचा नहीं जा सकता। प्रश्न यह है कि जीवन-पथ पर जब हम ऊंच-नीच का सामना करेंगे तो क्या हम मन की शांति खोकर अस्थिर हो जाना चाहेंगे ? अगर हम खुद को जिंदगी में घटने वाली हर घटना से प्रभावित होने देंगे तो हम आनंद की ऊंचाइयों से घोर निराशा की गहराइयों में पहुंच जाएंगे लेकिन अगले ही क्षण वापस आनंद की अवस्था में होंगे। इस लगातार बदलाव से अक्सर भय, तनाव और आतंक पैदा होता है क्योंकि हमें कभी यह पता नहीं होता कि आगे क्या होगा। समय के साथ, भय और तनाव की यह अवस्था हमारे स्वभाव का हिस्सा बन जाती है और हम शांत या तनाव रहित नहीं हो पाते। ध्यान और प्रार्थना के द्वारा हम शांत स्थान पर पहुंच सकते हैं। हमारे अंतर में समस्त दैवी खजाने हैं। हम मात्र शरीर और मन नहीं हैं, बल्कि हम आत्मा हैं। आत्मा ज्योति, प्रेम और आनंद से भरपूर है। यह हर समय प्रभु से जुड़ी रहती है। सृजनात्मक शक्ति यानी प्रभु और आत्मा एक ही तत्त्व के बने हैं। अगर हम प्रतिदिन अपना कुछ समय अंतरात्मा की शांति में व्यतीत करें तो हम आनंद के एक स्थान से जुड़ जाएंगे। तब बाहरी परिस्थितियां प्रभावित नहीं करेंगी। अगली बार हमें दुख-दर्द हो तो हम याद रखें, यह समय भी बीत जाएगा।

राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस- आंकड़ों से आत्मनिर्भरता तकः सांख्यिकी की बढ़ती शक्ति

योगेश कुमार गोयल

आंकड़ों से भविष्य गढ़ने का विज्ञान है सांख्यिकी...

हमारी रोजमर्रा की जिंदगी में सांख्यिकी (स्टैटिस्टिक्स) के उपयोग को लोकप्रिय बनाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 29 जून को 'राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस' मनाया जाता है। आर्थिक नियोजन और सांख्यिकी के क्षेत्र में प्रो. प्रशांत चंद्र महालनोबिस द्वारा दिए गए उत्कृष्ट योगदान को देखते हुए भारत सरकार द्वारा उनकी जयंती को राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस मनाने के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया था और इस आशय की अधिसूचना भारत के राजपत्र में 5 जून 2007 को प्रकाशित की गई थी। 'राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस' का वर्ष 2026 का विषय है 'प्रशासनिक डेटा की क्षमता को उजागर करना', जो इस तथ्य को रेखांकित करता है कि सरकारी विभागों द्वारा प्रतिदिन एकत्र किए जाने वाले विशाल प्रशासनिक आंकड़े केवल अभिलेख नहीं हैं बल्कि वे नीति निर्माण, सेवा वितरण, पारदर्शिता, जवाबदेही और समावेशी विकास के सबसे प्रभावी उपकरण बन सकते हैं। 29 जून 1893 को कलकत्ता में जन्मे प्रो. पी.सी. महालनोबिस जाने-माने भारतीय सांख्यिकीविद् थे, जिन्होंने 'महालनोबिस दूरी' तैयार करने के अलावा दूसरी पंचवर्षीय योजना में औद्योगीकरण के लिए भारत की रणनीति तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उन्होंने दो डेटा सेटों के बीच तुलना का एक माप तैयार किया था, जिसे अब 'महालनोबिस दूरी' के रूप में जाना जाता है। प्रो. महालनोबिस ने 17 दिसम्बर 1931 को कलकत्ता में भारतीय सांख्यिकी संस्थान की स्थापना की थी, जिसे 1959 में राष्ट्रीय महत्व का संस्थान घोषित किया गया। 1950 में उन्होंने राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण तथा सांख्यिकीय गतिविधियों के समन्वय के लिए केन्द्रीय सांख्यिकी संगठन की स्थापना की।

प्रो. महालनोबिस एक प्रशिक्षित भौतिक विज्ञानी थे, जिन्होंने अपने शिक्षक डब्ल्यू एच मैकाले के कहने पर 'बायोमेट्रिका' नामक एक किताब पढ़ी और वह किताब पढ़ने के बाद ही उनका रुझान सांख्यिकी की ओर होने लगा था। उसके बाद ही उन्होंने पता लगाया कि मौसम विज्ञान और मानव विज्ञान सहित विभिन्न क्षेत्रों में सांख्यिकी का उपयोग किया जा सकता है। यही उनके वैज्ञानिक जीवन में बेहद महत्वपूर्ण क्षण साबित हुआ। भारत में एंथ्रोपोमेट्री अथवा मानव माप के अध्ययन के क्षेत्र में वे अग्रणी थे और उन्होंने बड़े पैमाने पर नमूना सर्वेक्षण तथा नमूनाकरण विधियों के डिजाइन में भी सहायता की। उन्होंने फेल्डमैन-महालनोबिस मॉडल बनाया, जो आर्थिक विकास का एक नव-मार्क्सवादी मॉडल था, जिसका उपयोग भारत की दूसरी पंचवर्षीय योजना में किया गया, जिसने देश में तेजी से औद्योगीकरण को बढ़ावा दिया। उन्होंने भारत के पहले योजना आयोग में भी काम किया और उन्हें उनके महत्वपूर्ण कार्यों के लिए पद्म विभूषण सहित कई पुरस्कार मिले। बड़े पैमाने पर नमूना सर्वेक्षण करने के लिए उन्होंने नई तकनीकों का आविष्कार किया और अव्यवस्थित नमूने की विधि का उपयोग करके एकड़ और फसल की पैदावार की गणना की। लोगों के विभिन्न समूहों की सामाजिक आर्थिक स्थितियों की तुलना करने के लिए उन्होंने फ्रैक्टाइल ग्राफिकल विश्लेषण नामक एक सांख्यिकीय पद्धति भी तैयार की। बाढ़ नियंत्रण के लिए उन्होंने सांख्यिकी को आर्थिक नियोजन में भी लागू किया। 28 जून 1972 को कलकत्ता में प्रो. महालनोबिस का निधन हो गया। सांख्यिकी के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय कार्यों और योगदान के सम्मान में ही हर साल 29 जून को राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस मनाया जाता है।

माना जाता है कि सांख्यिकी की उत्पत्ति हजारों वर्ष पूर्व की गई जनगणना में हुई थी लेकिन एक विशिष्ट वैज्ञानिक अनुशासन के रूप में इसे 19वीं शताब्दी की शुरूआत में आबादी, अर्थव्यवस्थाओं और नैतिक कार्यों के अध्ययन के रूप में और बाद में उस शताब्दी में ऐसी संख्याओं के विश्लेषण के लिए गणितीय उपकरण के रूप में विकसित किया गया था। राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस सही मायनों में लोगों को यह समझाता है कि नीतियों को आकार देने और तैयार करने में सांख्यिकी किस प्रकार मदद करती है और इस दिवस को मनाते हुए यह उम्मीद की जाती है कि यह आयोजन सामाजिक-आर्थिक नियोजन और नीति निर्माण में सांख्यिकी की भूमिका के बारे में विशेषकर युवा वर्ग में जागरूकता बढ़ाएगा। प्राकृतिक आपदाओं की जानकारी के संबंध में रिपोर्ट भेजने के लिए हम प्रायः कुछ एजेंसियों अथवा विभागों की घोषणाओं पर ही भरोसा करते हैं। दरअसल भूकम्प, मौसम और ज्वालामुखी संबंधी भविष्यवाणियों की गणना सांख्यिकीय तरीकों की एक श्रृंखला के माध्यम से ही की जाती है। रिकॉर्ड और फॉर्मूले के बगैर हम यह अनुमान ही नहीं लगा सकते कि नवीनतम तूफान या कोई बड़ा भूकम्प कब आएगा और ऐसे में हम इसके अभाव में समय रहते आवश्यक सावधानियां नहीं बरत सकते। इसके लिए आंकड़े ही हमें सचेत करते हैं ताकि हम आपातकालीन स्थिति के लिए पहले से ही बेहतर तैयारी कर सकें, जिससे जान-माल का नुकसान न्यूनतम हो सके।

सांख्यिकी अनुभवजन्य डेटा एकत्र करने, विश्लेषण करने, व्याख्या करने और प्रस्तुत करने के तरीकों के विकास और अध्ययन से संबंधित विज्ञान है। यह गणित की वह शाखा है, जिसमें आंकड़ों का संग्रहण, प्रदर्शन, वर्गीकरण और उसके गुणों के आकलन का अध्ययन किया जाता है। सांख्यिकी एक गणितीय

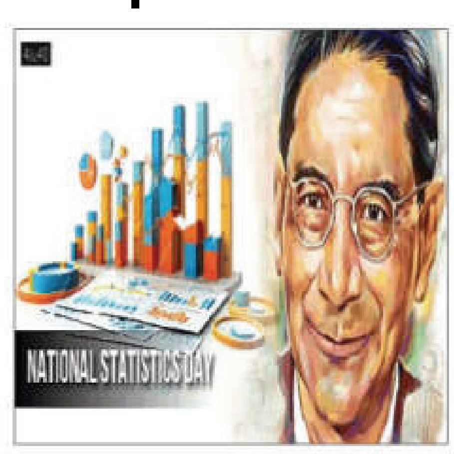

विज्ञान है, जिसमें किसी वस्तु, अवयव, तंत्र अथवा समुदाय से संबंधित आंकड़ों का संग्रह, विश्लेषण, व्याख्या या स्पष्टीकरण और प्रस्तुति की जाती है। सांख्यिकी की सहायता से ही देश में अशिक्षा, बेरोजगारी, अपराध, भिक्षावृत्ति इत्यादि विभिन्न सामाजिक समस्याओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की जाती है, साथ ही इन समस्याओं के समाधान के उपाय तथा वे उपाय कहां तक सफल हुए हैं, इनका पता भी सांख्यिकी की मदद से ही लगाया जा सकता है। सांख्यिकी में आंकड़े दो प्रकार के होते हैं, वर्णनात्मक और अनुमानात्मक, जिनका उपयोग ज्यादातर रिकॉर्ड रखने, संभावनाओं की गणना करने और ज्ञान प्रदान करने के लिए किया जाता है। यह हमें संख्याओं और अन्य मात्रात्मक जानकारी के माध्यम से दुनिया को थोड़ा बेहतर ढंग से समझने में मदद करता है, अर्थात ऐसी संख्याएं, जो किसी तथ्य पर प्रकाश डालती हों, आंकड़े कहलाती हैं। आंकड़े सदैव संख्या में ही व्यक्त किए जाते हैं और यह गणनात्मक होते हैं। आंकड़ों का संग्रहण किसी पूर्व नि त उद्देश्य के लिए ही किया जाता है, हालांकि आंकड़ों का संकलन करते समय उनकी शुद्धता एवं सत्यता पर विशेष ध्यान दिया जाना जरूरी होता है।

नीमराना पुलिस ने अवैध हथियार के साथ युवक को किया गिरफ्तार, देसी कट्टा और कारतूस बरामद

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नीमराना

नीमराना थाना पुलिस ने अवैध हथियार रखने के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से एक देसी कट्टा और एक जिंदा कारतूस बरामद किया है। पुलिस ने आरोपी को माजरीकलां स्कूल के पास से पकड़ा। मामले में आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। कार्यवाहक थाना प्रभारी दया राम ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी की पहचान सचिन उर्फ शेरा (23) पुत्र राजेश कुमार, निवासी मिलकपुर, थाना सदर बहरोड़ के रूप में हुई है। पुलिस को संदिग्ध गतिविधियों की सूचना मिलने पर माजरीकलां स्कूल के पास घेराबंदी कर युवक को पकड़ा गया। तलाशी लेने पर उसके पास से एक देसी कट्टा और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। पुलिस के अनुसार प्रारंभिक पूछताछ में आशंका है कि आरोपी किसी वारदात को अंजाम देने की फिराक में था। हालांकि पुलिस इस संबंध में सभी पहलुओं की जांच कर रही है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। पुलिस अब यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि आरोपी ने हथियार कहां से प्राप्त किया और उसका इस्तेमाल किस उद्देश्य से किया जाना था। मामले की विस्तृत जांच जारी है।

बानसूर पुलिस ने अवैध शराब के साथ आरोपी को दबोचा, 45 पव्वे बरामद

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटपूतली

जिले की बानसूर थाना पुलिस ने अवैध शराब की बिक्री के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 45 पव्वे अवैध देशी शराब बरामद की है। आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। थानाधिकारी राजेश यादव ने बताया कि अवैध शराब की बिक्री पर रोक लगाने के लिए विशेष टीम का गठन किया गया था। टीम लगातार संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखे हुए थी। इसी दौरान 26 जून को मुखबिर से अवैध शराब बेचने की सूचना मिली। सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने कांसली निवासी बिन्दु (34) पुत्र संतोष पचेरवाल, निवासी कांसली, थाना सरूण्ड को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 45 पव्वे अवैध देशी शराब बरामद हुई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर लिया है। मामले की जांच जारी है और यह पता लगाया जा रहा है कि बरामद शराब कहां से लाई गई थी तथा इसकी आपूर्ति किन लोगों तक की जानी थी।

बानसूर पुलिस ने 24 घंटे से पहले दो गुमशुदा नाबालिगों को सकुशल दस्तयाब किया

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटपूतली

जिले की बानसूर थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए गुमशुदा हुए दो नाबालिग लड़कों को 24 घंटे से भी कम समय में हरियाणा से सकुशल दस्तयाब कर परिजनों के सुपुर्द कर दिया। इस कार्रवाई में साइबर सेल कोटपूतली की तकनीकी सहायता महत्वपूर्ण रही। थानाधिकारी राजेश यादव ने बताया कि थाना क्षेत्र के एक गांव से दो नाबालिग लड़कों के 24 जून को लापता होने की सूचना 25 जून को प्राप्त हुई थी। सूचना मिलते ही पुलिस ने तत्काल मामला दर्ज कर दोनों की शीघ्र तलाश के लिए विशेष टीम का गठन किया। पुलिस टीम ने संभावित स्थानों पर लगातार तलाश की। साथ ही दोनों नाबालिगों के मोबाइल नंबर साइबर सेल कोटपूतली को उपलब्ध कराए गए। साइबर सेल से प्राप्त लोकेशन और कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) के आधार पर पुलिस ने हरियाणा के नांगल चौधरी क्षेत्र के ग्राम गोलवा में दबिश देकर दोनों नाबालिगों को सकुशल दस्तयाब कर लिया। पुलिस दोनों नाबालिगों को अलवर स्थित बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत किया, जहां उनकी काउंसलिंग कराई गई। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद दोनों को सुरक्षित उनके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि गुमशुदा बच्चों की तलाश में तकनीकी संसाधनों और त्वरित कार्रवाई के कारण कम समय में सफलता मिली।

एरिया डोमिनेशन अभियान में बड़ी कार्रवाई, 10 हजार का इनामी हिस्ट्रीशीटर समेत 9 आरोपी गिरफ्तार

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटपूतली

जयपुर रेंज आईजी राहुल प्रकाश के निर्देश पर चलाए जा रहे एरिया डोमिनेशन अभियान के तहत कोटपूतली थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 10 हजार रुपये के इनामी हिस्ट्रीशीटर सहित कुल नौ आरोपियों को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई के दौरान स्थायी वारंटी, गिरफ्तारी वारंट वाले आरोपियों और शांतिभंग के मामलों में भी गिरफ्तारियां की गईं। जिला पुलिस अधीक्षक सतवीर सिंह के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नाजिम अली और डीएसपी लक्ष्मी सुथार के सुपरविजन में थानाधिकारी राजेश कुमार शर्मा के नेतृत्व में गठित विशेष टीमों ने अभियान चलाकर हिस्ट्रीशीटर एवं 10 हजार रुपये के इनामी आरोपी सुमेर सिंह (26) निवासी गोपालपुरा को सामूहिक दुष्कर्म और एससी/एसटी एक्ट के एक प्रकरण में गिरफ्तार किया। इसके अलावा स्थायी वारंटी पतराम (30) निवासी सरदारपुरा तथा गिरफ्तारी वारंट में वांछित देव कुमार मरोड़िया उर्फ जस्सु उर्फ जसवंत, रामकुवार और यादराम को भी गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने शांतिभंग की आशंका में संजय, नरेन्द्र उर्फ लीलू, मदन और विकास माथुर को भी गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई की। इस तरह अभियान के दौरान कुल नौ आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले में अपराधियों की धरपकड़ और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए एरिया डोमिनेशन अभियान लगातार जारी रहेगा। फरार और वांछित अपराधियों के खिलाफ इसी प्रकार सख्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

25 हजार का इनामी हिस्ट्रीशीटर अवैध पिस्टल व कारतूस के साथ गिरफ्तार

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटपूतली

अवैध हथियारों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत प्रागपुरा थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 25 हजार रुपये के इनामी और हिस्ट्रीशीटर बदमाश को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से एक देशी पिस्टल और चार जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं। पुलिस ने उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जिला पुलिस अधीक्षक सतवीर सिंह के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नाजिम अली खान एवं डीएसपी विराटनगर उमेश कुमार निठारवाल के सुपरविजन में प्रागपुरा थानाधिकारी भजनाराम के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने कार्रवाई करते हुए अनिल उर्फ लीला (24) पुत्र दाताराम गुर्जर निवासी बालका की ढाणी, तन गोपालपुरा को गिरफ्तार किया। पुलिस की तलाशी में आरोपी के कब्जे से एक देशी पिस्टल और चार जिंदा कारतूस बरामद हुए। आरोपी कोटपूतली थाने का हिस्ट्रीशीटर है और उसके खिलाफ कोटपूतली, प्रागपुरा, नीमराणा, पनियाला, सरूण्ड, नीमकाथाना कोतवाली, नीमकाथाना शहर सहित विभिन्न थानों में लूट, मारपीट, फायरिंग और अन्य गंभीर अपराधों के कई मामले दर्ज हैं। पुलिस के अनुसार अनिल उर्फ लीला प्रागपुरा थाना क्षेत्र में हुई 2 करोड़ 58 लाख 12 हजार 500 रुपये की कॉपर चोरी का मुख्य आरोपी भी है। घटना के बाद से वह फरार चल रहा था, जिस पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर लिया है। साथ ही बरामद अवैध हथियार की खरीद-फरोख्त और उससे जुड़े अन्य लोगों के संबंध में गहन अनुसंधान किया जा रहा है।

4 करोड़ के सीएचसी निर्माण में घटिया सामग्री का आरोप, निरीक्षण के बाद निर्माण कार्य रुकवाया

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नीमराना

उपखंड के माजरीकलां बस स्टैंड पर करीब 4 करोड़ रुपये की लागत से बन रहे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) भवन के निर्माण में कथित तौर पर घटिया निर्माण सामग्री के इस्तेमाल का मामला सामने आया है। शिकायत मिलने पर ग्राम पंचायत माजरीकलां की प्रशासक बीना हरदीप यादव ने मौके पर पहुंचकर निर्माण कार्य का निरीक्षण किया और तत्काल प्रभाव से काम रुकवा दिया। मामले की जांच के निर्देश दिए गए हैं।

प्रशासक बीना हरदीप यादव ने बताया कि निरीक्षण के दौरान निर्माण कार्य में निम्न गुणवत्ता की ईंटें और हल्की डस्ट का उपयोग होता पाया गया। इसके बाद उन्होंने नीमराणा ब्लॉक मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुरेश यादव तथा निर्माण एजेंसी के ठेकेदार से फोन पर बातचीत कर कथित अनियमितताओं की जानकारी दी और गुणवत्ता में सुधार होने तक निर्माण कार्य बंद रखने के निर्देश दिए।

उन्होंने बताया कि यह पहली बार नहीं है। करीब छह माह पहले भी निर्माण में घटिया सामग्री उपयोग होने की शिकायत पर काम रुकवाया गया था। उस समय गुणवत्ता सुधार का आश्वासन मिलने के बाद निर्माण दोबारा शुरू किया गया था, लेकिन अब फिर से निम्न गुणवत्ता की सामग्री इस्तेमाल होने की शिकायत सामने आई है।

प्रशासक ने निर्माण एजेंसी के कर्मचारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि निर्धारित मानकों के अनुरूप उच्च गुणवत्ता वाली ईंट, डस्ट और अन्य निर्माण सामग्री का उपयोग किए बिना निर्माण कार्य दोबारा शुरू नहीं किया जाएगा।

निरीक्षण के दौरान माजरीकलां चिकित्सा प्रभारी डॉ. संदीप सैनी को भी मौके पर बुलाया गया। चिकित्सा विभाग की ओर से निर्माण एजेंसी को गुणवत्तापूर्ण सामग्री का उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने चेतावनी दी कि जांच में गुणवत्ता से समझौता पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

ब्लॉक मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुरेश यादव ने बताया कि शिकायत मिलने के बाद मौके का निरीक्षण कराया गया है। यदि जांच में अनियमितता सामने आती है तो निर्माण एजेंसी के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

चिकित्सा प्रभारी डॉ. संदीप सैनी ने भी निरीक्षण के दौरान ईंटों की गुणवत्ता संतोषजनक नहीं मिलने की पुष्टि करते हुए बताया कि ठेकेदार को उच्च गुणवत्ता की निर्माण सामग्री उपयोग करने के निर्देश दिए गए हैं और निरीक्षण रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को भेज दी गई है।

इधर, ग्रामीणों ने पूरे निर्माण कार्य की निष्पक्ष तकनीकी जांच कराने तथा दोषी पाए जाने पर संबंधित ठेकेदार के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि करोड़ों रुपये की लागत से बनने वाले इस स्वास्थ्य केंद्र की गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जा सकता, क्योंकि इसके शुरू होने के बाद क्षेत्र के हजारों लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिलेगा।

बहरोड़ में शांतिपूर्ण संपन्न हुई वनपाल भर्ती परीक्षा, 6 केंद्रों पर 1353 अभ्यर्थी हुए शामिल

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा बहरोड़

वनपाल भर्ती परीक्षा रविवार को बहरोड़ में कड़ी सुरक्षा और पारदर्शी व्यवस्था के बीच शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। शहर के छह परीक्षा केंद्रों पर कुल 1807 अभ्यर्थियों को परीक्षा देनी थी, जिनमें से 1353 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए, जबकि 454 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। परीक्षा सुबह 11 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक आयोजित की गई। परीक्षा शुरू होने से पहले सभी परीक्षा केंद्रों पर अभ्यर्थियों की गहन जांच की गई। प्रवेश पत्र और फोटो पहचान पत्र का सत्यापन करने के बाद ही परीक्षार्थियों को केंद्रों में प्रवेश दिया गया। परीक्षा की निष्पक्षता बनाए रखने के लिए सभी केंद्रों पर पुलिस बल एवं प्रशासनिक अधिकारियों की तैनाती की गई थी। शहर के महात्मा गांधी स्कूल, पीएम श्री गर्ल्स स्कूल, तक्षशिला स्कूल, बाबा नारायणदास कॉलेज, धर्मचंद गांधी जैन राजकीय महाविद्यालय तथा गर्ल्स कॉलेज को परीक्षा केंद्र बनाया गया था। सभी केंद्रों पर परीक्षा निर्धारित समय पर शुरू हुई और बिना किसी व्यवधान के शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुई। परीक्षा के दौरान केंद्रों के आसपास अनावश्यक भीड़ नहीं लगने दी गई। परीक्षा समाप्त होने के बाद अभ्यर्थियों को व्यवस्थित तरीके से केंद्रों से बाहर निकाला गया। यातायात व्यवस्था सुचारु बनाए रखने के लिए भी पुलिस प्रशासन ने आवश्यक प्रबंध किए। प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार परीक्षा पूरी तरह निष्पक्ष, पारदर्शी और शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई। किसी भी परीक्षा केंद्र से नकल, अव्यवस्था या अन्य अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली। परीक्षा के सफल संचालन में शिक्षा विभाग, पुलिस प्रशासन तथा अन्य संबंधित विभागों ने समन्वय के साथ कार्य किया, जिससे सभी केंद्रों पर व्यवस्थाएं सुचारु बनी रहीं।

बीजापुर में विधायक पुष्पेंद्र सिंह राणावत ने कार्यकर्ताओं के साथ सुनी प्रधानमंत्री मोदी की 'मन की बात'

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा बाली

बाली विधायक पुष्पेंद्र सिंह राणावत ने रविवार को अपने बीजापुर स्थित निवास पर भाजपा कार्यकर्ताओं एवं ग्रामीणों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 135वें एपिसोड को देखा और सुना। इस अवसर पर विधायक राणावत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन को युवाओं एवं देशवासियों के लिए प्रेरणादायक और मार्गदर्शक बताया। कार्यक्रम के उपरांत विधायक पुष्पेंद्र सिंह राणावत ने कहा कि आज देश में सकारात्मक बदलाव की मजबूत नींव आम नागरिकों के छोटे-छोटे प्रयासों से रखी जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'मन की बात' कार्यक्रम देशवासियों को जोड़ने, प्रेरित करने और जनजागरूकता बढ़ाने का एक सशक्त माध्यम बन चुका है। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री विभिन्न सामाजिक, सांस्कृतिक और राष्ट्रीय विषयों पर चर्चा करते हुए समाज में सकारात्मक सोच को प्रोत्साहित करते हैं। विधायक राणावत ने कहा कि 'मन की बात' की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें राजनीतिक विषयों से ऊपर उठकर समाज हित, नवाचार, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, जनभागीदारी और राष्ट्र निर्माण जैसे विषयों को प्रमुखता दी जाती है। इससे समाज में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा और जनजागरण की भावना को बल मिलता है। इस दौरान विधायक के बीजापुर निवास पर विधायक प्रतिनिधि विक्रम सिंह राणावत, लालपुरा प्रशासक कपूराराम मीणा, लुंदारा सरपंच प्रशासक जवाराराम मीणा, झनकभान सिंह राठौड़ सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

बाली में हज़रत पीर जलाल शाह बाबा का उर्स 29 जून को, देशभर के उलेमा करेंगे शिरकत

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा बाली

कस्बे के प्रताप चौक स्थित दरगाह हज़रत पीर जलाल शाह बाबा पर वार्षिक उर्स मुबारक एवं शहीदाने करबला के ज़िक्र का आयोजन आगामी सोमवार, 29 जून 2026 (13 मोहर्रम 1447 हिजरी) को नमाज़-ए-ईशा के बाद आयोजित किया जाएगा। उर्स को लेकर दरगाह परिसर में तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच चुकी हैं तथा अकीदतमंदों में भारी उत्साह का माहौल है। आयोजन समिति द्वारा जारी जानकारी के अनुसार उर्स कार्यक्रम में देश के विभिन्न हिस्सों से प्रतिष्ठित उलेमा-ए-किराम और धार्मिक विद्वान शिरकत करेंगे। मुख्य वक्ता के रूप में हुज़ूर शाने दक्कन हज़रत अल्लामा व मौलाना मोहम्मद अहमद नक्शबंदी साहब (जामिया निजामिया, हैदराबाद) अपनी तकरीर पेश करेंगे। वहीं मोहम्मद जुनैद बरकाती साहब (चित्तौड़गढ़) विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम की निजामत हज़रत अल्लामा व मौलाना सिराजुद्दीन अशरफी फैज़ानी साहब, खतीब व इमाम सुन्नी जामा मस्जिद बाली, द्वारा की जाएगी। इसके अलावा स्थानीय स्तर पर इमरान अली अशरफी एवं इम्तियाज अली अशरफी भी कार्यक्रम में अपनी प्रस्तुति देंगे। उर्स कार्यक्रम की सरपरस्ती हज़रत हाफिज जहीरुद्दीन साहब (बाली), हज़रत मौलाना यूसुफ सिद्दीकी साहब (बाली) एवं हज़रत मौलाना हामिद रज़ा साहब (फालना) द्वारा की जाएगी। आयोजन की अध्यक्षता अजमत खान शेरानी करेंगे। मेला अली कमेटी बाली एवं वक्फ कमेटी बाली के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित होने वाले इस धार्मिक कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अकीदतमंदों के शामिल होने की संभावना है। आयोजकों ने सभी श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर उर्स मुबारक की बरकतें हासिल करने की अपील की है।

एनजीटी आदेशों की पालना की मांग को लेकर महापड़ाव चौथे दिन भी जारी, पांच ग्रामीण क्रमिक अनशन पर बैठे

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटपूतली

अल्ट्राटेक सीमेंट प्लांट के खिलाफ नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) के आदेशों की पालना की मांग को लेकर जोधपुरा संघर्ष समिति का महापड़ाव रविवार को लगातार चौथे दिन भी जारी रहा। वहीं प्लांट के विरोध में ग्रामीणों का अनिश्चितकालीन धरना 1298वें दिन में प्रवेश कर गया। आंदोलन को तेज करते हुए पांच प्रदर्शनकारी क्रमिक अनशन पर बैठ गए।

जिला कलक्टर कार्यालय के बाहर चल रहे महापड़ाव में रविवार को लीलाराम यादव, सुबेसिंह मीणा, रामावतार यादव, रोहिताश अध्यापक और रामू यादव क्रमिक अनशन पर बैठे। भीषण गर्मी के बावजूद बड़ी संख्या में ग्रामीण धरना स्थल पर डटे रहे और अपनी मांगों पर अड़े रहे।

आंदोलन को समर्थन देने पहुंचे नीमकाथाना के सामाजिक कार्यकर्ता कैलाश मीणा ने कहा कि एनजीटी के आदेशों का पालन नहीं होना आम नागरिकों के संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि जब अदालत के आदेश लागू करवाने के लिए भी लोगों को धरना देना पड़े, तो यह प्रशासनिक व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है। उन्होंने जिला प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप कर एनजीटी के आदेशों की प्रभावी पालना सुनिश्चित कराने की मांग की।

संघर्ष समिति के पदाधिकारियों का आरोप है कि अल्ट्राटेक सीमेंट प्लांट में होने वाली ब्लास्टिंग, उड़ने वाली धूल और धुएं से आसपास के गांवों, विशेषकर जोधपुरा के लोगों का स्वास्थ्य प्रभावित हो रहा है। उनका कहना है कि क्षेत्र में बच्चों और बुजुर्गों में सांस और फेफड़ों से संबंधित बीमारियां बढ़ रही हैं, जिससे लोगों का जीवन प्रभावित हो रहा है। सामाजिक कार्यकर्ता राधेश्याम शुक्लावास ने कहा कि जब तक प्रशासन एनजीटी के आदेशों की पालना के संबंध में ठोस और लिखित कार्रवाई नहीं करता, तब तक महापड़ाव और क्रमिक अनशन जारी रहेगा। धरना स्थल पर बड़ी संख्या में ग्रामीणों और महिलाओं की भी मौजूदगी रही।

हनुमान मंदिर में चोरी, दानपात्र के ताले तोड़कर 30 हजार रुपए ले गए चोर

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा मुंडावर

मुंडावर थाना क्षेत्र के नांगल सिया गांव स्थित हनुमान मंदिर में शनिवार देर रात चोरी की वारदात सामने आई है। अज्ञात चोर मंदिर के दो दानपात्रों के ताले तोड़कर करीब 30 हजार रुपए की नकदी चोरी कर फरार हो गए। पूरी घटना मंदिर परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, गादूवास मार्ग पर गांव से करीब 700 मीटर दूर स्थित हनुमान मंदिर में पिछले कुछ दिनों से कोई पुजारी नहीं रह रहा था। चोरों ने इसी का फायदा उठाते हुए शनिवार रात करीब 12:55 बजे मंदिर में प्रवेश किया। उन्होंने पहले दो दानपात्रों को निशाना बनाया। एक दानपात्र को उठाकर मंदिर से लगभग 200 मीटर दूर खेत में ले जाकर फेंक दिया, जबकि दूसरे दानपात्र का ताला मौके पर ही तोड़कर उसमें रखी नकदी निकाल ली।

रविवार सुबह जब ग्रामीण मंदिर की साफ-सफाई और पूजा-अर्चना के लिए पहुंचे, तब चोरी की घटना का पता चला। इसके बाद ग्रामीणों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। मंदिर से जुड़े रामनिवास ने मुंडावर थाने में लिखित रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि दानपात्रों से करीब 30 हजार रुपए की नकदी चोरी हुई है। रामनिवास ने पुलिस से सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की जल्द पहचान कर उन्हें गिरफ्तार करने और सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। मुंडावर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान करने में जुटी है और आसपास के क्षेत्र में भी पूछताछ की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर चोरी की वारदात का खुलासा किया जाएगा।

वरिष्ठ नागरिक सेवा समिति बाली की मासिक बैठक संपन्न

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा बाली

वरिष्ठ नागरिक सेवा समिति बाली की मासिक बैठक आज वरिष्ठ नागरिक सेवा समिति कार्यालय बाली में अध्यक्ष मोहम्मद अयूब खान ज़ई की अध्यक्षता में आयोजित हुई अध्यक्ष ज़ई ने इस बैठक में पधारने में पर सभी सदस्यों का तहे दिल से आभार वह धन्यवाद व्यक्त करते हुए स्वागत किया ज़ई ने सभी सदस्यों को समिति द्वारा वरिष्ठ जनों के लिए स्वास्थ्य सामाजिक और उनके हितार्थ जो भी कल्याणकारी कार्य समिति द्वारा किए जा रहे हैं उनके बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी गई सेसली बोया पूनम ग्रुप मुंबई ने वरिष्ठ नागरिक सेवा समिति बाली की प्रेरणा से सेसली बोया पूनम ग्रुप मुंबई द्वारा जिला राजकीय चिकित्सालय बाली में मरीजों के बैठने के लिए 20 बेंच वह एक ठंडे पानी का कूलर उपलब्ध कराने पर सेसली बोया पूनम ग्रुप मुंबई के अध्यक्ष श्रीपाल बाफना व सचिन दिलीप धोका का तहे दिल से सभी ने धन्यवाद वह आभार व्यक्त किया तथा आगे भी इनका सहयोग वरिष्ठ नागरिक सेवा समिति बाली को मिलता रहेगा ऐसा विश्वास व्यक्त किया गया पुखराज मेघवाल जो योग प्रशिक्षक है सभी वरिष्ठ नागरिकों को योग के बारे में बताया कि योग केवल व्यायाम पद्धति नहीं है बल्कि शरीर मन और आत्मा को जोड़ने वाला विज्ञान है। बैठक को समिति के संरक्षक इंद्रराज भंडारी वरिष्ठ वकील मीर मोहम्मद यूसुफ मिश्रीमल सोनी मूल सिंह राजपुरोहित सचिव ने भी संबोधित किया इस अवसर पर छैल सिंह केरपुरा राम जी राम हुलास बाई मूलचंद भाटी कीका राम राठौड़ अर्जुन सिंह सोलंकी मोहम्मद रफीक भाई समाजसेवी आजाद शम्मा मंगलदास मांगीलाल मारू आदि सैकड़ो वरिष्ठ नागरिक उपस्थित थे।

वैष्णव वेरागी समाज भीतरोट परगना सेवा समिति की वार्षिक में कार्यकारणी का हुआ विस्तार

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा आबूरोड

वैष्णव वेरागी समाज भीतरोट परगना सेवा समिति की वार्षिक जनरल मीटिंग आबूरोड मानपुर स्थित ज्ञानेश्वर महादेव खाटू श्याम जी मंदिर प्रांगण में जगदीश वैष्णव की अध्यक्षता में एव गुरु वर श्री जनकपुरी जी महाराज एवं संरक्षक ओम योगेश रोहिडा एव ईश्वर दास भारजा के सानिध्य में आयोजित की गई। सर्व प्रथम भगवान की पूजा की अर्चना कर महामंत्री रमेश वैष्णव ने मीटिंग प्रारम्भ की जिसमें समाज मे होने वाले कार्यक्रमों के अंतर्गत सभी समाज बंधुओ की उपस्थिति अनिवार्य की गई साथ ही कार्यकारिणी का विस्तार किया गया। जिसमें अंजन भाई नीतोडा, कन्हैया लाल सरूपगंज, गणपत दास काशिंद्रा, ओम प्रकाश किवरली, जितेंद्र सातपुर, कैलाश, विक्रम,धर्मदास देलदर, रमेश, कपूर दास,चंपत तुरंगी को कार्यकारणी में शामिल किया गया। साथ ही आगामी स्नेह मिलन करने पर सहमति बनी कोषाध्यक्ष दिनेश रोहिडा ने आय वय का ब्यौरा पेश किया साथ ही समाज के विकास एव कई कुरीतियों को खत्म करने का निर्णय लिया गया। मीटिंग मे समाज के राम दास, धनदास, विष्णु दास, लक्ष्मण दास, ओम प्रकाश, कैलाश, ताराचंद, दशरथ, तुलसीदास, डूंगर दास, मदन दास, निरंजन, प्रवीण, नारायण दास आदि कई संख्या में समाज बंधु उपस्थित रहे।

बेल्जियम ने जीता एफआईएच प्रो लीग का खिताब

लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 के लिए किया क्वालिफाई

नई दिल्ली । बेल्जियम की पुरुष हॉकी टीम ने एफआईएच प्रो लीग 2026 का खिताब जीतते हुए एक और बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली है। नीदरलैंड्स को 2-1 से हराकर बेल्जियम ने एक मैच शेष रहते ही चैंपियन बनने के साथ-साथ लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 के लिए भी क्वालिफाई कर लिया। इस उपलब्धि के साथ बेल्जियम ओलंपिक में जगह पक्की करने वाली पहली पुरुष हॉकी टीम बन गई है।

नीदरलैंड्स को हराकर जीता दूसरा प्रो लीग खिताब – शनिवार को खेले गए मुकाबले में बेल्जियम ने नीदरलैंड्स को 2-1 से मात देकर एफआईएच प्रो लीग का खिताब अपने नाम किया। इस जीत के साथ टीम ने अंक तालिका में ऐसी बढ़त बना ली कि एक मैच बाकी रहते ही उसे चैंपियन घोषित कर दिया गया। यह बेल्जियम का एफआईएच प्रो लीग इतिहास में दूसरा खिताब है। इससे पहले टीम ने 2021 में पहली बार यह प्रतिष्ठित ट्रॉफी जीती थी।

लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 का टिकट भी किया पक्का

एफआईएच प्रो लीग जीतने के साथ ही बेल्जियम ने लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 का कोटा भी हासिल कर लिया। मेजबान अमेरिका पहले ही क्वालिफाई कर चुका है, जबकि बेल्जियम उपलब्ध 12 कोटा में जगह बनाने वाली पहली पुरुष टीम बन गई। महिला वर्ग में प्रो लीग चैंपियन बनने के बाद पहला ओलंपिक कोटा नीदरलैंड्स की महिला टीम को मिला।

विसेंट वनाश बने प्लेयर ऑफ द मैच

बेल्जियम के गोलकीपर विसेंट वनाश को शानदार प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। उन्होंने पूरे मुकाबले में कई अहम बचाव किए और टीम की जीत में महत्वपूर्ण योगदान दिया। मैच के बाद वनाश ने कहा कि टीम ने शुरुआत से अंत तक शानदार संघर्ष किया और इस जीत की पूरी हकदार थी। उन्होंने कहा कि मौजूदा पीढ़ी द्वारा इतिहास में दूसरी प्रो लीग ट्रॉफी जीतना गर्व की बात है। साथ ही उन्होंने विश्व कप और लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 के लिए क्वालिफाई करने पर भी खुशी जताई।

● **हेंड्रिक्स और बून ने दिलाई यादगार जीत** – बेल्जियम की जीत में अलेक्जेंडर हेंड्रिक्स और टॉम बून ने अहम भूमिका निभाई। दोनों खिलाड़ियों ने एक-एक गोल कर टीम को मजबूत बढ़त दिलाई। नीदरलैंड्स की ओर से तीसरे क्वार्टर में टिज़मेन रेयेंगा ने गोल कर मुकाबले को रोमांचक बनाया, लेकिन बेल्जियम ने शानदार रक्षात्मक खेल दिखाते हुए अपनी बढ़त आखिर तक कायम रखी।

फीफा विश्व कप के बीच आई बुरी खबर

नीदरलैंड के फॉरवर्ड गाकपो के अजन्मे बेटे की गर्भ में मौत

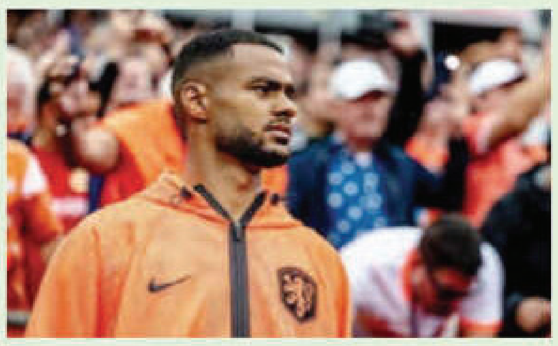

वाशिंगटन : नीदरलैंड के फॉरवर्ड कोडी गाकपो की 'पार्टनर' (महिला मित्र) ने घोषणा की है कि गर्भावस्था के दौरान उनके अजन्मे बेटे की मृत्यु हो गई। गाकपो और मॉडल नोआ वैन डेर बिज का पहले से ही एक बेटा है और अक्टूबर में उनकी दूसरी संतान होनी थी। गाकपो अभी विश्व कप में टीम के साथ हैं, जहां नीदरलैंड नॉकआउट चरण में पहुंच चुका है। वैन डेर बिज ने सोशल मीडिया पर एक तस्वीर पोस्ट की जिसमें दोनों कंबल और छोटी बुनी हुई टोपी के ऊपर हाथ पकड़े हुए हैं। इसके साथ ही उन्होंने यह घोषणा भी की कि बच्चे की मौत हो गई है। वैन डेर बिज ने लिखा, 'आपके प्यार और समर्थन के लिए आभार। एलिजय राफेल गाकपो। हमेशा प्रिय। हमेशा हमारा बेटा।' अपनी पोस्ट में गाकपो ने लिखा, 'यह हमारे परिवार के लिए बेहद मुश्किल समय है। हम आपसे निजता और एकांत बनाए रखने का अनुरोध करते हैं।' गाकपो ने स्वीडन के खिलाफ नीदरलैंड की जीत में दो गोल किए और टीम को अपने ग्रुप में शीर्ष स्थान दिलाने में मदद की। नीदरलैंड सोमवार को राउंड ऑफ 32 में मोरक्को से भिड़ेगा।

महिला टी20 विश्व कप में न्यूजीलैंड का सफर खत्म

तीन दिग्गज खिलाड़ियों ने टी20 को कहा अलविदा

महिला टी20 विश्व कप 2026 में मौजूदा चैंपियन न्यूजीलैंड का अभियान ग्रुप चरण में ही समाप्त हो गया। इंग्लैंड के खिलाफ मिली हार के साथ व्हाइट फर्न्स न केवल टूर्नामेंट से बाहर हो गईं, बल्कि टीम की तीन दिग्गज खिलाड़ी सोफी डिवाइन, सूजी बेट्स और लिया ताहुहू ने भी टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट को अलविदा कह दिया। मैच के बाद इंग्लैंड की खिलाड़ियों ने गार्ड ऑफ ऑनर देकर इस महान तिकड़ी को भावुक विदाई दी।

मेली केर ने संभाली पारी, लेकिन टीम नहीं बचा सकीं

पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड ने 20 ओवर में 6 विकेट पर 163 रन बनाए। कप्तान सोफी डिवाइन ने 14 गेंदों में 30 रन की तेज पारी खेलकर अच्छी शुरुआत दिलाई। इसके बाद मेली केर ने 34 गेंदों में 42 रन बनाकर पारी को संभाला। उनकी पारी में छह चौके शामिल रहे। हालांकि बाकी बल्लेबाज बड़ी साझेदारी नहीं बना सके। इंग्लैंड की ओर से डैनी गिब्सन ने सबसे प्रभावी गेंदबाजी करते हुए दो विकेट हासिल किए।

ग्रुप स्टेज में ही बाहर हुई डिफेंडिंग चैंपियन – महिला टी20 विश्व कप 2026 की विजेता बनकर उतरी न्यूजीलैंड टीम इस बार उम्मीदों पर खरी नहीं उतर सकी। वेस्टइंडीज, श्रीलंका और इंग्लैंड के खिलाफ मिली हार के बाद टीम सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो गई। टूर्नामेंट का अंत न्यूजीलैंड के लिए बेहद निराशाजनक रहा।

तीन दिग्गज खिलाड़ियों का शानदार करियर हुआ खत्म – इंग्लैंड के खिलाफ मुकाबला सोफी डिवाइन, सूजी बेट्स और तेज गेंदबाज लिया ताहुहू के टी20 इंटरनेशनल करियर का आखिरी मैच साबित हुआ। मुकाबले के बाद इंग्लैंड की टीम ने मैदान पर दोनों टीमों के बीच गार्ड ऑफ ऑनर बनाकर इन तीनों दिग्गजों को सम्मानजनक विदाई दी, जिसने सभी क्रिकेट प्रेमियों को भावुक कर दिया।

इंग्लैंड और वेस्टइंडीज ने बनाई सेमीफाइनल में जगह – इस जीत के साथ इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज के साथ सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। दूसरी ओर, मौजूदा चैंपियन न्यूजीलैंड का अभियान ग्रुप चरण में ही समाप्त हो गया। टीम के लिए यह हार इसलिए भी यादगार रही क्योंकि इसी मुकाबले के साथ तीन महान खिलाड़ियों के शानदार टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर का भी अंत हो गया।

अफ्रीका ने रचा इतिहास

पहली बार नॉकआउट राउंड में 9 टीमें पहुंचीं

न्यूर्याक । फीफा विश्व कप 2026 में अफ्रीकी फुटबॉल ने नया इतिहास रच दिया है। पहली बार अफ्रीका की रिकॉर्ड नौ टीमें टूर्नामेंट के नॉकआउट चरण (राउंड ऑफ 32) में पहुंची हैं। कांगो की उज्बेकिस्तान पर शानदार जीत और ऑस्ट्रिया के खिलाफ अल्जीरिया के रोमांचक ड्रॉ ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर मुहर लगा दी। मोरक्को, मिस्र, सेनेगल और घाना जैसी मजबूत टीमों के साथ केप वर्दे और कांगो जैसी टीमों ने भी शानदार प्रदर्शन कर दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा है।

अफ्रीका की रिकॉर्ड 9 टीमों ने किया नॉकआउट के लिए क्वालीफाई – अटलांटा में खेले गए मुकाबलों के बाद अफ्रीका की नौ टीमों ने फीफा विश्व कप 2026 के राउंड ऑफ 32 में जगह पक्की कर ली। इससे पहले किसी भी विश्व कप में इतने अफ्रीकी देश नॉकआउट चरण तक नहीं पहुंच पाए थे।

राउंड ऑफ 32 में पहुंचने वाली अफ्रीकी टीमें :

मोरक्को
दक्षिण अफ्रीका
सेनेगल
आइवरी कोस्ट
घाना
केप वर्दे
मिस्र
अल्जीरिया
कांगो

विश्व कप 2026 के लिए अफ्रीका से कुल 10 देशों ने क्वालीफाई किया था, जिनमें से नौ ने अब नॉकआउट में भी अपनी जगह बना ली है।

● **कांगो की जीत ने रचा इतिहास** – कांगो ने उज्बेकिस्तान को 3–1 से हराकर नॉकआउट में प्रवेश किया। मुकाबले में उज्बेकिस्तान ने 10वें मिनट में एल्डोर शोमुरोदोव के गोल से बढ़त बनाई, लेकिन इसके बाद कांगो ने शानदार वापसी की। योएन विस्सा ने 68वें और इंजरी टाइम (90+1) में दो गोल दागे, जबकि फिस्टन मायेले ने 78वें मिनट में गोल कर टीम की जीत सुनिश्चित की। विस्सा को उनके बेहतरीन प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। अब कांगो का अगला मुकाबला इंग्लैंड से होगा, जिसे टीम के लिए सबसे बड़ी परीक्षा माना जा रहा है।

● **अफ्रीकी फुटबॉल की बढ़ती ताकत** – इस विश्व कप ने साबित कर दिया कि अफ्रीकी फुटबॉल अब केवल कुछ चुनिंदा टीमों तक सीमित नहीं है। केप वर्दे और कांगो जैसी उभरती टीमों का नॉकआउट में पहुंचना इस महाद्वीप की बढ़ती प्रतिस्पर्धा और प्रतिभा का बड़ा प्रमाण है। विश्व कप के इतिहास में पहले केवल छह अफ्रीकी देश ही कभी नॉकआउट चरण तक पहुंच पाए थे, लेकिन 2026 संस्करण ने इस रिकॉर्ड को पूरी तरह बदल दिया।

आमिर जंगू ने लारा और गेल की बराबरी की, श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट में ऐतिहासिक दोहरा शतक लगाया

एंटीगा : वेस्टइंडीज के विकेटकीपर बल्लेबाज आमिर जंगू ने श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट में में रिकॉर्ड 233 की पारी खेलकर इतिहास रच दिया। दस दोहरे शतक के साथ वह ब्रायन लारा और क्रिस गेल के बाद श्रीलंका के खिलाफ़ टेस्ट दोहरा शतक लगाने वाले तीसरे कैरेबियाई बल्लेबाज बन गए। सर विवियन रिचर्ड्स स्टेडियम में खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच में इस 28 वर्षीय बल्लेबाज ने अपना पहला दोहरा शतक लगाकर शानदार अंदाज में यह उपलब्धि हासिल की। चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए जंगू ने 342 गेंदों में अपना दोहरा बनाया। उन्होंने सोनल दिनुशा की गेंद पर एक रन लेकर अपनी यादगार पारी पूरी की। यह पारी अनुशासन, धैर्य और नियंत्रित आक्रामकता का बेहतरीन उदाहरण थी।

यह उपलब्धि जंगू के शुरुआती अंतरराष्ट्रीय करियर का एक और शानदार अध्याय है। अपने वनडे डेब्यू पर शतक लगाकर अपनी पहचान बनाने के बाद अब वे वेस्टइंडीज क्रिकेट के सबसे खास रिकॉर्ड बुक में शामिल हो गए हैं और देश के दो महानतम बल्लेबाजों की बराबरी कर ली है। ब्रायन लारा श्रीलंका के खिलाफ 200 रन का आंकड़ा पार करने वाले पहले वेस्टइंडीज खिलाड़ी थे। उन्होंने 2001 में कोलंबो में 221 रन बनाए थे और फिर 2003 में सेंट लूसिया में 209 रनों की एक और शानदार पारी खेली थी। क्रिस गेल ने 2010 में गाले में 333 रनों की विशाल पारी खेलकर इस विरासत को और आगे बढ़ाया। यह पारी आज भी श्रीलंका के खिलाफ किसी भी बल्लेबाज का सबसे बड़ा व्यक्तिगत टेस्ट स्कोर है। गेल पाकिस्तान के यूनिस खान के साथ उन दो बल्लेबाजों में से एक हैं जिन्होंने इस द्वीप देश के खिलाफ टेस्ट में तिहरा शतक लगाया है। जंगू की शानदार पारी वेस्टइंडीज की पहली पारी की मजबूत नींव बनी। उन्होंने कप्तान रोस्टन चेज के साथ मिलकर एक बड़ी साझेदारी की, जिसने श्रीलंकाई गेंदबाजी आक्रमण को ध्वस्त कर दिया और मेजबान टीम को सीरीज के पहले मैच में मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया।

किदांबी श्रीकांत फाइनल में पहुंचे, देविका सिहाग और रौनक चौहान का शानदार सफर थमा

न्यूयॉर्क, एजेंसी। भारत के स्टार शटलर और पूर्व विश्व नंबर-एक किदांबी श्रीकांत ने बीडब्ल्यूएफ यूएस ओपन 2026 के सेमीफाइनल में जापान के चौथी वरीयता प्राप्त युदाई ओकिमोटो को 22-20, 15-21, 21-19 से हराकर इस साल पहली बार किसी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया। 33 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी ने यह मुकाबला एक घंटे 12 मिनट में अपने नाम किया।

तीनों गेम में दिखा जबरदस्त संघर्ष – पहले गेम में श्रीकांत ने 17-11 की बढ़त बना ली थी, लेकिन ओकिमोटो ने शानदार वापसी करते हुए गेम प्वाइंट हासिल कर लिया। हालांकि भारतीय खिलाड़ी ने दबाव में संयम बनाए रखा और लगातार दो अंक जीतकर पहला गेम 22-20 से अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में जापानी खिलाड़ी ने वापसी करते हुए 21-15 से जीत दर्ज की और मुकाबले को निर्णायक गेम तक पहुंचा दिया।

चेक ओपन 2026:

दीक्षा डागर की दमदार वापसी, तीन भारतीय महिला गोल्फरों ने कट किया पार

नई दिल्ली। चेक गणराज्य में खेले जा रहे टिप्सपोर्ट चेक लेडीज ओपन 2026 में भारतीय महिला गोल्फरों ने शानदार प्रदर्शन किया है। पूर्व चैंपियन दीक्षा डागर ने दूसरे दौर में एक अंडर 69 का कार्ड खेलकर खिताब की दौड़ में खुद को बनाए रखा। उनके अलावा प्रणवी उर्स और वाणी कपूर ने भी कट हासिल कर भारत की चुनौती को मजबूत किया। हालांकि अवनि प्रशांत, रिद्धिमा दिलावड़ी और हिताशी बख्शी कट पार करने में सफल नहीं हो सकीं।

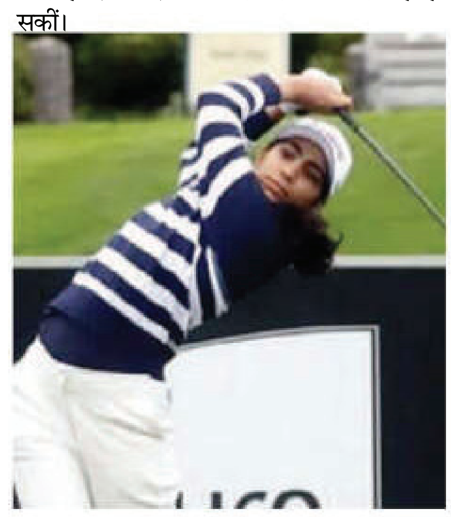

दीक्षा डागर ने बनाए रखी खिताब जीतने की उम्मीद – 2019 की चैंपियन दीक्षा डागर ने दूसरे राउंड में संयमित खेल दिखाते हुए एक अंडर 69 का स्कोर बनाया। पहले दिन के शानदार 66 के बाद उन्होंने लगातार अच्छा प्रदर्शन जारी रखा और 36 होल के बाद कुल नौ अंडर पार के स्कोर के साथ संयुक्त 11वें स्थान पर पहुंच गईं। हाल ही में डच लेडीज ओपन में संयुक्त तीसरे स्थान पर रहने वाली दीक्षा शानदार लय में नजर आ रही हैं। वह लीडर से सिर्फ चार शॉट पीछे हैं और अंतिम दौर में मजबूत चुनौती पेश कर सकती हैं।

प्रणवी उर्स और वाणी कपूर ने भी किया प्रभावित – भारत की युवा गोल्फर प्रणवी उर्स ने दूसरे दौर में बेहतरीन 67 का कार्ड खेलकर अपनी स्थिति मजबूत की और आसानी से कट हासिल किया। वहीं अनुभवी वाणी कपूर ने 70 का स्कोर बनाकर सप्ताहांत के मुकाबलों में जगह बनाई। तीन भारतीय खिलाड़ियों का अंतिम दो दौर में पहुंचना भारतीय गोल्फ के लिए सकारात्मक संकेत माना जा रहा है।

भारतीय गोल्फ की नजरें अब अंतिम दौर पर – तीन भारतीय खिलाड़ियों के कट पार करने से भारतीय प्रशंसकों की उम्मीदें बढ़ गई हैं।

तीन भारतीय खिलाड़ियों का अभियान हुआ समाप्त

दूसरी ओर भारत की अवनि प्रशांत, रिद्धिमा दिलावड़ी और हिताशी बख्शी उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सकीं। तीनों खिलाड़ी कट लाइन पार करने में नाकाम रहीं और उनका अभियान दूसरे दौर के बाद ही समाप्त हो गया।

स्वीडन और इंग्लैंड की खिलाड़ियों के बीच शीर्ष स्थान की जंग

टूर्नामेंट में फिलहाल स्वीडन की लिसा पीटरसन और इंग्लैंड की चार्लोट हीथ संयुक्त बढ़त पर हैं। दोनों खिलाड़ियों का कुल स्कोर 13 अंडर पार है। हालांकि दीक्षा डागर उनसे केवल चार शॉट पीछे हैं। ऐसे में अंतिम दौर में मजबूत प्रदर्शन उन्हें एक बार फिर खिताब की दौड़ में सबसे बड़े दावेदारों में शामिल कर सकता है।

अर्जेंटीना की धमाकेदार जीत, मेसी का छठा गोल

ऑस्ट्रिया और अल्जीरिया भी नॉकआउट में पहुंचे

नई दिल्ली। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के ग्रुप-जे के दो मैच खेले गए, जिससे लीग स्टेज का अंत बेहद रोमांचक अंदाज में हुआ। भारत में 12 जून से शुरू हुए लीग स्टेज 28 जून को जाकर खत्म हुआ। डिफेंडिंग चैंपियंस अर्जेंटीना के सामने जॉर्डन की चुनौती थी, लेकिन उन्होंने 3-1 से जीत हासिल की। जबकि ऑस्ट्रिया और अल्जीरिया के बीच खेला गया मैच टक्कर का रहा, जो 3-3 से ड्रॉ पर समाप्त हुआ। इस ग्रुप से अर्जेंटीना, अल्जीरिया और ऑस्ट्रिया तीनों टीमों ने राउंड ऑफ 32के लिए क्वालीफाई कर लिया है, जबकि जॉर्डन का सफर ड्रॉ के साथ ही समाप्त हुआ।

कैसा रहा अर्जेंटीना बनाम जॉर्डन मैच का हाल?

डलास स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में मेसी की अर्जेंटीना ने जॉर्डन को 3-1 से मात दी। इस मैच में पूरे मैच में अर्जेंटीना का दबदबा देखने को मिला। मैच के 24वें मिनट में जियोवानी लो सेल्सो ने शानदार गोल कर अर्जेंटीना को 1-0 की बढ़त दिलाई। इसके बाद 31वें मिनट में जॉर्डन के डिफेंस ने अपने बॉक्स के अंदर फाउल किया, जिसके बाद अर्जेंटीना को पेनेल्टी शूट अवॉर्ड किया गया, जिसमें बिना कोई गलती किए लौटारो मार्टिनेज ने गोल दागा और अपनी टीम को 2-0 से आगे कर दिया।

मैच में फिर जॉर्डन ने वापसी की कोशिश की। दूसरे हाफ में उन्होंने पलटवार किया। 55वें मिनट में मूसा अल तमारी ने गोल कर स्कोर को 2-1 पर पहुंचा दिया। मेसी ने 80वें मिनट पर अपना इस विश्व कप का छठा गोल दागा और इस तरह अर्जेंटीना ने 3-1 का स्कोर कर दिया। इसके बाद कोई टीम गोल नहीं कर सकी और अर्जेंटीना ने 3-1 से मैच जीतकर अगले राउंड में मजबूती से कदम बढ़ाए। वहीं, जॉर्डन की टीम का सफर समाप्त हुआ।

ऑस्ट्रिया बनाम अल्जीरिया का मैच कैसा रहा?

कैंसस सिटी में खेला गया यह मैच बेहद ही रोमांच से भरपूर रहा। ये मुकाबला 3–3 की बराबरी पर छूटा, लेकिन दोनों ही टीमें राउंड ऑफ 32 में जगह बनाने में कामयबा रही। मैच में मार्को अर्नातोविच ने 28वें मिनट में गोल दागकर अपनी टीम को अल्जीरिया पर 1–0 की बढ़त दिलाई। इसके बाद अल्जीरिया के राफिक बेलघाली ने 45वें मिनट में गोल कर स्कोर को 1–1 पर पहुंचाया। फिर ऑस्ट्रिया के मार्सेल सबित्जर ने 55वें मिनट में गोल किया और टीम को 2–1 से आगे कर दिया। फिर रियाद महरेज ने गोल कर 2–2 स्कोर कर दिया। रियाद ने इंजरी टाइम में 90+3वें मिनट में गोल किया अल्जीरिया को 3–2 से आगे कर दिया। ऐसा लगा कि ऑस्ट्रिया की टीम टूर्नामेंट से बाहर हो जाएगी, लेकिन सासा कालजिच ने 90+6वें मिनट में गोल दागकर स्कोर को 3–3 कर दिया। इस तरह मैच 3–3 की बराबरी पर खत्म हुआ और दोनों टीमों ने नॉकआउट का टिकट कटाया।

प्राइवेट-स्कूलों में अपने बच्चों को पढ़ाने वाले टीचरों में निकम्मापनः गुटखा खाने और शराब पीने वाले शिक्षकों की लिस्ट बना रहा हूं- दिलावर

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा टोंक

शिक्षा मंत्री मदन दिलवार ने कहा- जो सरकारी टीचर अपने बच्चों को निजी स्कूल में पढ़ा रहे हैं वे निकम्मापन कर रहे हैं। यानी उन्हें अपने बच्चों को पढ़ाना नहीं आता है। वे फ्री का वेतन ले रहे हैं। यदि उन्हें इस श्रेणी में नहीं आना है तो वे अपने बच्चों को सरकारी स्कूलों में डाल दें।

दिलावर ने कहा- यदि किसी का मिलने वाला ऐसा आदमी हो तो उसे बता देना कि ठीक तरह से काम करें, वो मदन दिलावर बहुत खराब आदमी है। वो जाति से खटीक है, हमारे यहां दया का भाव नहीं है। हम अच्छे लोगों के प्रति दया रखते हैं। हम दुष्टों को दंड देते हैं और अच्छे लोगों को सम्मान देते है।

दिलावर ने रविवार को टोंक में खटीक समाज के प्रतिभा सम्मान समारोह में ये बातें कही। उन्होंने कहा-अभी ग्रेड थर्ड के टीचरों के ट्रांसफर नहीं हो रहे हैं। दिलावर ने कहा- शिक्षा में सुधार के लिए मैंने गालियां तो खाई हैं, लेकिन सुधार किया है। शिक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए कई सख्त फैसले लिए हैं, जिससे शिक्षक मुझसे नाराज हैं। शिक्षा की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। अब केवल शत-प्रतिशत परिणाम दिखाने से काम नहीं चलेगा, बल्कि 80 अंकों की परीक्षा में विद्यार्थियों को कम से कम 40 अंक लाने होंगे। यदि परिणाम खराब रहा तो संबंधित शिक्षक से जवाब-तलब किया जाएगा और जरूरत पड़ने पर निलंबन या तबादले जैसी कार्रवाई भी की जाएगी।

राजस्थान का शिक्षा का स्तर पहले देश में 14वें नंबर पर था। अब चौथा नंबर है। पहली बार सरकारी स्कूल के बच्चों ने टॉप किया है। प्राइवेट स्कूलों के बच्चे पीछे रह गए। अब निजी स्कूलों के मुकाबले सरकारी स्कूलों में भी बढ़िया पढ़ाई होती है, मैं गारंटी देता हूं। बच्चे पेरेंट्स और टीचर को देखकर संस्कार सीखते हैं, इसलिए पेरेंट्स की भी जिम्मेदारी है कि वे संस्कारित रहें।

टीचर किधर देख रहा है, क्या कर रहा है, इन सबका भी बच्चों पर प्रभाव पड़ता है। इसी कारण हम गुटखा खाने वाले और शराब पीने वाले शिक्षकों की सूची बना रहे हैं, ये सूचियां बन रही हैं, इसके बाद बताएंगे कि हम क्या करेंगे। हमनें सभी अफसरों से कहा है कि राजस्थान साफ सुथरा दिखना चाहिए। इसमें जो लापरवाही करेगा, उसे एक बार तो चेतावनी देंगे और दूसरी बार छोड़ेंगे नहीं। चाहे किसी भी समाज का हो, किसी को छोड़ेंगे नहीं, कार्रवाई करेंगे।

सफाई का पैसा दूसरी जगह खर्च करने पर करेंगे वसूली

दिलावर ने कहा- ऐसी कोई पंचायत नहीं, जिसमें पैसा न हो, क्योंकि फाइनेंस कमीशन का पैसा आता है, उसका 40 प्रतिशत पैसा स्वच्छता पर खर्च करना ही होता है। पता नहीं किन कार्यों में पैसा खर्च करके मेरे पास आकर कहते हैं कि पैसा नहीं है। जो अन्य कार्यों में सफाई का पैसा खर्च करेगा, उनसे व्यक्तिगत पैसों की वसूली करेंगे। लोग कहते है कि भ्रष्टाचार होता है। कमीशनखोरी हो रही है, लेकिन कमीशनखोरी करके काम में कमी कर दी, गुणवत्ता में कमी कर दी तो पूरा का पूरा पैसा अधिकारी से वसूला जाएगा। दस लाख का काम है तो दस लाख अधिकारी से वसूले जाएंगे। 16 सीसी का नोटिस देने और सस्पेंड करने से काम नहीं चलेगा, हमने पौने तीन करोड़ रुपए की वसूली निकाली है। 12 प्रतिशत ब्याज की वसूली के साथ पूरा पैसा वसूलेंगे।

कुंए- बावड़ियां बंद कर दी, उन्हें साफ करें

कार्यक्रम में मौजूद जलदाय मंत्री कन्हैया लाल चौधरी की तरफ देखते हुए दिलावर ने कहा कि लोग पानी के लिए मंत्री कन्हैया लाल जी को गाली देते हैं, लेकिन हमारी जिम्मेदारी नहीं समझते हैं, कुंए- बावड़ियां बंद कर दी, उन्हें साफ करें, जलस्रोत बढ़ाएं। कार्यक्रम में जलदाय मंत्री के अलावा पूर्व सांसद सुखबीर सिंह जौनापुरिया समेत अन्य जनप्रतिनिधियों की भी मौजूदगी रही।

बाजारों में फ्लैग मार्च, पुलिस ने दिखाई सख्तीः कानून व्यवस्था का लिया जायजा

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा डीग

डीग में कानून व्यवस्था को और मजबूत करने तथा आमजन में सुरक्षा का भरोसा कायम करने के उद्देश्य से रविवार शाम पुलिस ने शहर के प्रमुख बाजारों और मार्गों पर फ्लैग मार्च निकाला। जिला पुलिस अधीक्षक शरण गोपीनाथ कांबले के निर्देश पर विशेष सायंकालीन गश्त अभियान के तहत आयोजित इस मार्च के दौरान पुलिस ने कानून व्यवस्था का जायजा लिया। गश्त के दौरान लोगों से शांति एवं सौहार्द बनाए रखने की अपील की, अतिक्रमण करने वालों को चेतावनी दी। अपराधियों व असामाजिक तत्वों को सख्त संदेश दिया कि जिले में कानून से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी। फ्लैग मार्च का नेतृत्व कोतवाली थाना प्रभारी रामनरेश मीणा ने किया। पुलिस बल के साथ निकला यह मार्च शहर के मुख्य बाजार, घंटाघर, लोहा मंडी, नई सड़क, पुराना बस स्टैंड, गणेश मंदिर, पुरानी अनाज मंडी और लक्ष्मण मंदिर सहित विभिन्न प्रमुख मार्गों से होकर गुजरा। पूरे रास्ते पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया और लोगों से शांति एवं भाईचारा बनाए रखने की अपील की। मार्च का समापन डीग कोतवाली थाना परिसर में हुआ। फ्लैग मार्च के दौरान थाना प्रभारी रामनरेश मीणा ने मुख्य बाजार और सड़कों पर अस्थायी अतिक्रमण कर रहे दुकानदारों एवं अन्य लोगों को मौके पर ही समझाइश दी। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक सड़कों पर अतिक्रमण से यातायात व्यवस्था प्रभावित होती है और आमजन को परेशानी का सामना करना पड़ता है। उन्होंने अतिक्रमण करने वालों से स्वेच्छा से अतिक्रमण हटाने और नियमों का पालन करने की अपील करते हुए चेतावनी दी कि ऐसा नहीं करने पर पुलिस और प्रशासन नियमानुसार सख्त कार्रवाई करेगा। पुलिस ने स्पष्ट किया कि फ्लैग मार्च केवल गश्त तक सीमित नहीं था, बल्कि इसका उद्देश्य अपराधियों और असामाजिक तत्वों को यह संदेश देना भी था कि डीग पुलिस पूरी तरह सतर्क है। जिले में कानून व्यवस्था बिगाड़ने या शांति भंग करने का प्रयास करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी। फ्लैग मार्च के दौरान कोतवाली थाना पुलिस के अधिकारी एवं बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी मौजूद रहे। शहरवासियों ने भी पुलिस की इस पहल का स्वागत करते हुए इसे सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में सकारात्मक कदम बताया।

उदयपुर में प्रेम प्रसंग में युवक का अपहरण, हत्याः महिला से मिलने गए थे

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा उदयपुर

उदयपुर में प्रेम प्रसंग के चलते एक व्यक्ति की अपहरण कर हत्या कर दी गई। सुखेर थाना क्षेत्र में 26 जून को मावली निवासी हिम्मत सिंह सोलंकी (45) महिला मित्र का कैलाशपुरी में इंतजार कर रहे थे। तभी पिकअप में सवार होकर 7-8 लोग आए और हिम्मत सिंह का अपहरण करके करीब 10 किलोमीटर दूर पहाड़ी पर ले गए थे। इसके बाद हिम्मत सिंह की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई थी। हिम्मत सिंह के घर नहीं लौटने पर परेशान परिजनों ने इस संबंध में सुखेर थाने में शनिवार को रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इस पर पुलिस ने 27 जून को सर्च अभियान चलाया। इसके बाद हिम्मत सिंह का शव पेसेफिक अस्पताल के पीछे पहाड़ी पर शनिवार शाम करीब 5 बजे मिला था। घटना के विरोध में राजपूत करणी सेना और समाज के लोगों ने रविवार को एमबी हॉस्पिटल में प्रदर्शन किया। हिम्मत सिंह शादीशुदा थे। उनके दो बच्चे हैं। सुखेर के थानाधिकारी भरत योगी ने बताया- पुलिस चार आरोपियों से पूछताछ कर रही है। साथ ही पुलिस ने महिला को भी आरोपी बनाया है। जानकारी के अनुसार- मावली निवासी हिम्मत सिंह 26 जून को कार से कैलाशपुरी गए थे। सड़क किनारे गाड़ी खड़ी करके हिम्मत सिंह एक महिला का इंतजार कर रहे थे। करीब 10 मिनट बाद बिना नंबर की सफेद पिकअप आई और उनकी कार को जोरदार टक्कर मार दी। पिकअप में से 7 से 8 बदमाश उतरे। बदमाश ने लाठियों और पत्थरों से कार के कांच तोड़ दिए और हिम्मत सिंह को लाठियों से बेरहमी से पीटा। फिर पिकअप में पटककर अपहरण कर ले गए थे। करणी सेना ने आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी और मृतक परिवार को आर्थिक सहायता देने की मांग की। इसके बाद जिला प्रशासन के साथ बातचीत हुई। इसमें मृतक के परिवार को 5 लाख रुपए की आर्थिक सहायता और परिवार के एक सदस्य को संविदा पर नौकरी देने का निर्णय हुआ। प्रदर्शन शांत होने के बाद मृतक के शव का पोस्टमॉर्टम कर परिजनों को सुपुर्द किया।

कोटा में फ्लाईओवर से गिरने पर कोचिंग छात्रा की मौत

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटा

कोटा में एक कोचिंग छात्रा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है. शनि?वार देर रात विज्ञान नगर फ्लाईओवर से गिरने के बाद इलाज के दौरान छात्रा की मौत हो गई. मृतका की पहचान बिहार के रानीगंज निवासी जयश्री के रूप में हुई है, जो कोटा में रहकर जेईई परीक्षा की तैयारी कर रही थी. घटना की सूचना मिलने पर विज्ञान नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची, और छात्रा को अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया. प्रारंभिक तौर पर यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि छात्रा ने आत्महत्या की है या फिर यह कोई हादसा है. पुलिस दोनों पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है. घटना स्थल के आसपास के साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं, और सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं. विज्ञान नगर थाने के एएसआई कय्यूम हुसैन ने बताया कि छात्रा के विज्ञान नगर फ्लाईओवर से गिरने की सूचना मिली थी. अस्पताल पहुंचकर जानकारी ली तो चिकित्सकों ने बताया कि उसकी इलाज के दौरान मौत हो गई है. पुलिस ने मृतका के परिजनों को घटना की सूचना दे दी है. परिजनों के कोटा पहुंचने के बाद आगे की पर पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी की जाएगी. फिलहाल विज्ञान नगर थाना पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है. छात्रा राजश्री 2 साल से कोटा में रहकर इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा जेईई की तैयारी निजी कोचिंग से कर रही थी, विज्ञान नगर क्षेत्र में हॉस्टल में रह रही थी. घटना करीब रात 10:30 बजे की है. विज्ञान नगर थाने के,स्ह्न कय्यूम हुसैन ने बताया कि पुलिस को कंट्रोल रूम से सूचना मिली थी कि कोई लड़की विज्ञान नगर फ्लाईओवर से गिर गई है

मकान की तराई करते हुए करंट लगा, 2 बच्चों की मौतः एक चपेट में आया तो दूसरा बचाने गया; गीली छत पर फैला करंट

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटा

कोटा में रविवार को शाम 5 बजे करंट लगने से दो बच्चों की मौत हो गई। वहीं, दो बच्चे घायल हो गए। चारों बच्चे निर्माणाधीन मकान की तराई कर रहे थे। इस दौरान अचानक लोहे की रेलिंग में करंट दौड़ गया। रेलिंग में करंट दौड़ते ही आदिल (16) चपेट में आ गया। उसे बचाने के लिए समीर (10) आगे बढ़ा तो वो भी करंट की चपेट में आ गया। छत गीली होने के कारण दो अन्य बच्चे भी झुलस गए। घटना किशोरपुरा थाना क्षेत्र के साजी देड़ा इलाके की है। मृतक आदिल के पिता शब्बीर ने बताया- उनका बेटा आदिल और भांजा समीर निर्माणाधीन मकान की छत पर पानी की तराई कर रहे थे। इसी दौरान लोहे की रेलिंग में अचानक करंट दौड़ गया, जिसकी चपेट में आने से दोनों बच्चों की मौत हो गई। हादसे के बाद बच्चों को तुरंत एमबीएस अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां ड्यूटी डॉक्टर ने आदिल और समीर को मृत घोषित कर दिया। हादसे में घायल भांजे रिजवान (12) का इलाज रामपुरा सेटेलाइट अस्पताल में जारी है। वहीं, एक को छुट्टी दे दी गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि मकान के पास से बिजली की लाइन गुजर रही है। निजी बिजली कंपनी चश्वष्ठरु की लापरवाही के कारण यह दर्दनाक हादसा हुआ है। मामले में जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। पड़ोसी इमरान ने बताया- आदिल के पिता शब्बीर नगर निगम में ठेकेदार के पास मुंशी गिरी का काम करते हैं। आदिल आठवीं कक्षा में पढ़ता था। वहीं, समीर भी किशोरपुरा सरकारी स्कूल में दूसरी कक्षा में पढ़ता था। किशोरपुरा थाना अधिकारी भूरी सिंह ने बताया- पुलिस ने दोनों शवों को एमबीएस अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया था, लेकिन मृतकों के पिता शब्बीर और रमजान ने किसी भी प्रकार की पुलिस कार्रवाई और पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया। परिजनों की लिखित सहमति के बाद पुलिस ने बिना पोस्टमार्टम के दोनों शव उनके सुपुर्द कर दिए।

बॉयफ्रेंड के साथ मिलकर पति का किया मर्डरः पत्नी-प्रेमी और रिश्तेदार गिरफ्तार

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जालोर

जालोर में एक पत्नी ने अपने बॉयफ्रेंड के साथ मिलकर पति की हत्या करवा दी। दरअसल, पति-पत्नी की शादी को 15 साल हो चुके थे, लेकिन दोनों के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। इसी वजह से ममता पिछले 8-10 महीनों से अपने पीहर में रह रही थी। साजिश के तहत बॉयफ्रेंड ने अपने रिश्तेदार के साथ मिलकर राजेंद्र को मजदूरी दिलाने का झांसा देकर बुलाया। आरोपियों ने पहले उसे शराब पिलाई और फिर एक खेत में ले जाकर लाठी से सिर फोड़कर उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने इस मर्डर केस का 48 घंटे में खुलासा कर दिया। तकनीकी साक्ष्यों, सीसीटीवी फुटेज और मोबाइल कॉल डिटेल के आधार पर पुलिस ने मृतक की पत्नी ममता, उसके प्रेमी रमेश कुमार मीणा और साजिश में शामिल अभिषेक मीणा को गिरफ्तार किया है। यह मामला 24 जून का है, जब सरहद मडला क्षेत्र में एक खेत में राजेंद्र कुमार का शव मिला था। पुलिस के अनुसार 24 जून को सरहद मडला क्षेत्र में एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने की सूचना मिली थी। पहचान के प्रयासों के बाद मृतक की शिनाख्त राजेंद्र कुमार (35) पुत्र स्वर्गीय ओटाराम मीणा निवासी दूधवड़ रोड, रानीगांव, थाना रानी, जिला पाली के रूप में हुई। मृतक की माता सारकी देवी की रिपोर्ट पर 25 जून को हत्या का मामला दर्ज किया गया। इसके बाद जालोर एसपी मोटाराम के निर्देशन और वृत्ताधिकारी दशरथसिंह के सुपरविजन में थानाधिकारी करणसिंह के नेतृत्व में विशेष टीम बनाकर जांच शुरू की गई। एफएसएल और एमओबी टीम ने पुलिस के साथ घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। जांच के दौरान यह भी सामने आया कि महिला अपने पति के अंतिम संस्कार में भी नहीं पहुंची थी, जिससे पुलिस को उस पर शक हुआ। इसके बाद पुलिस ने मृतक और उसकी पत्नी के मोबाइल फोन से मिले संदिग्ध नंबरों की कॉल डिटेल, तकनीकी साक्ष्यों और सीसीटीवी फुटेज की जांच शुरू की। जालोर पुलिस अधीक्षक मोटाराम के निर्देशन में गठित टीम ने एफएसएल, एमओबी, साइबर सेल और कॉल डिटेल रिकॉर्ड की मदद से जांच को आगे बढ़ाया।

मायके जा रही पत्नी का मर्डर करने वाला पति गिरफ्तारः कुल्हाड़ी-लाठी से हमला किया, हाथ-पैर तोड़ डाले

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा बांसवाड़ा

झगड़े के दौरान मायके जाने की बात पर गुस्साए पति ने पत्नी को मार डाला। कुल्हाड़ी से सिर पर और लठ से हाथ पैरों पर ताबड़तोड़ वार किए। पत्नी निढाल होकर गिर पड़ी तो भाग निकला। परिजन उसे अस्पताल ले गए, जहां महिला ने दम तोड़ दिया था। इसके बाद पुलिस ने फरार पति को पकड़ लिया। यह गांव के बाहर ही छिपा था। आज कोर्ट में पेश कर 2 दिन की रिमांड पर लिया है। पूछताछ में आरोपी पति ने कहा- उसे अपनी पत्नी के चरित्र पर शक था। ऐसे में रोज लड़ाई-झगड़े होते थे। हत्या वाले दिन भी इसी बात को लेकर झगड़ा हुआ था और पत्नी मायके जाने की कह रही थी। वहीं पोस्टमॉर्टम करने वाले डॉक्टर ने बताया- आरोपी ने पत्नी के लठ मारकर दोनों हाथ और एक पैर तोड़ दिया था। कुल्हाड़ी से सिर पर वार किया। सज्जनगढ़ SHO धनपत सिंह ने बताया- अखिलेश गरासिया (32) को उसकी पत्नी शोभा (30) की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया है। अखिलेश को अपनी पत्नी के चरित्र और अवैध संबंधों को लेकर शक था, जिससे दोनों के बीच अक्सर झगड़ा होता रहता था। SHO ने बताया- शुक्रवार को भी दोनों के बीच इसी बात को लेकर झगड़ा हुआ था। विवाद से तंग आकर शोभा अपने मायके जाने के लिए घर से निकल गई। तभी गुस्से में अखिलेश ने उसे रोक लिया और आवेश में आकर कुल्हाड़ी और लठ से उस पर ताबड़तोड़ वार कर दिए। अधमरी हालत में महिला ने अपने मायके में फोन कर हमले की जानकारी दी। गंभीर रूप से घायल शोभा को परिजन तुरंत सज्जनगढ़ अस्पताल लेकर गए। जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे बांसवाड़ा रेफर किया गया। लेकिन घावों के गहरे होने के कारण अस्पताल पहुंचे ही डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार, ?शुक्रवार शाम को हुई इस हत्या के बाद शनिवार को शव का पोस्टमॉर्टम नहीं हो पाया। उदयपुर से आने वाली FSL की टीम के समय पर नहीं पहुंच सकी थी। इसके बाद आज रविवार तीसरे दिन दोपहर में शोभा का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों के सुपुर्द किया गया। आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे दो दिन के पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया है। उससे हथियार बरामद करने के प्रयास किए जा रहे हैं। बांसवाड़ा के हॉस्पिटल पोस्टमॉर्टम करने वाले डॉ. अमित भीमावत ने बताया- शव के दोनों हाथों की हड्डियां फ्रैक्चर थी और पैर की भी हड्डी टूटी थी। सिर पर कुल्हाड़ी के वार से खून बह जाने से मौत हुई है।

घर में दोष बताकर महिलाओं को ठगने वाला गिरफ्तार

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अजमेर

अजमेर की अलवर गेट थाना पुलिस ने महिलाओं को अंधविश्वास के नाम पर झांसा देकर सोने के गहने ठगने वाले एक शातिर ठग को गिरफ्तार किया है। आरोपी घरों में नकारात्मक ऊर्जा (निगेटिविटी) होने का डर दिखाकर महिलाओं को अपने जाल में फंसाता था। गहनों को शुद्ध करने के बहाने लेकर फरार हो जाता था। पुलिस ने आरोपी को पंजाब के जालंधर से गिरफ्तार किया है। अब आरोपी से पूछताछ कर अन्य वारदातों और ठगे गए जेवरात के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। अलवर गेट थाने के एएसआई राजपाल सिंह ने बताया- धोलाभाटा क्षेत्र निवासी मंजू ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया था कि एक अज्ञात व्यक्ति उनके घर आया। धार्मिक बातें करते हुए विश्वास में ले लिया। घर में नकारात्मक ऊर्जा और दोष होने की बात कहकर डराया। गहनों को शुद्ध करने का झांसा दिया। महिला के विश्वास में आने पर आरोपी ने सोने का मंगलसूत्र और कान की झुमकियां लेकर हाथ की सफाई से ठगी कर ली। मौके से फरार हो गया।

दूसरे नाम से करवाई टिकट; आईडी चेक की तो पकड़ा गया

ANTF ने तस्कर को पार्टनरशिप का झांसा-देकर राजस्थान बुलाकर दबोचा

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा बाड़मेर

ANTF टीम ने रविवार को भीनमाल और रानीवाड़ा के बीच कागमाला टोल पर कार्रवाई की है। इस दौरान 25 हजार रुपए के इनामी तस्कर जालमसिंह को गिरफ्तार किया। ANTF ने इनामी आरोपी के पार्टनर तस्कर ने इनामी वांटेड को एमडी सप्लाई करने और पार्टनरशिप की मीटिंग के लिए महाराष्ट्र से राजस्थान बुलाया था। वह प्राइवेट बस से आ रहा था। एएनटीएफ टीम बालोतरा से जालोर तक प्राइवेट बसों पर नजर रखी हुई थी। ऐसे में मल्लिनाथ ट्रेवल्स बस भीनमाल और रानीवाड़ा के बीच कागमाला टोल पर पहुंची। ऐसे में टीम ने

कागमाला टोल पर बस को रुकवाकर तलाशी ली। सभी पैसेंजर को चैक किया गया। लेकिन, जालमसिंह नाम कोई व्यक्ति बस में नहीं मिला। कंडेक्टर से लिस्ट लेकर उसे चेक की लेकिन उसमे भी जालमसिंह का नाम नहीं था। टीम को पुख्ता जानकारी थी। ऐसे में टीम ने बस में सवार सभी पैसेंजर की आईडी चैक की। इस दौरान जब जगदीश से आईडी मांगी तो घबराने लगा, बोला मैं महाराष्ट्र से आया हूं। टीम को आईडी दिखाने से मना कर दिया। तब टीम को शक हुआ तो सख्ताई से पूछताछ की। तो जगदीश ही जालमसिंह निकला। उसके बाद टीम ने उसे दबोच लिया। एएनटीएफ टीम को सूचना मिलने पर पुणे और वलसाड जाकर उसके बारे में जानकारी जुटाई कई दिनों तक जालमसिंह की तलाश करती, लेकिन सफलता नहीं मिली। टीम वापस राजस्थान आकर जालमसिंह को पकड़ने की प्लानिंग की। आईजी विकास कुमार ने बताया- एएनटीएफ टीम ने 6 माह पहले जालोर के भीनमाल में अवैध मादक- तस्करी करते हुए एक युवक को पकड़ा था, युवक से जब एएनटीएफ ने पूछताछ की तो उसने बताया- यह एमडी जालमसिंह को देनी थी। वो मुझसे लेने आने वाला था। उससे पहले ही पुलिस ने मुझे पकड़ लिया। दोस्त को पकड़ने जाने की सूचना मिलने पर जालमसिंह वापस गुजरात चला गया। भीनमाल पुलिस थाने में जालमसिंह का नाम दर्ज है।

अपने गिरेबान में झांके पाकिस्तान, कराची आतंकी हमले के आरोप पर भारत ने इस्लामाबाद को दिया मुंहतोड़ जवाब

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

भारत ने कराची में हाल ही में हुए विस्फोट को लेकर पाकिस्तान की ओर से लगाए गए आरोपों को खारिज कर दिया है। विदेश मंत्रालय ने इन आरोपों को पूरी तरह निराधार बताया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने पाकिस्तान को लताड़ लगाते हुए उसे अपने अंदर झांकने की भी नसीहत दी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि कराची की घटना को लेकर पाकिस्तान द्वारा भारत पर लगाए गए आरोप बेबुनियाद हैं। उन्होंने कहा कि दूसरों पर उंगली उठाने के बजाय पाकिस्तान को अपने भीतर झांकना चाहिए। रणधीर जायसवाल ने कहा कि उसे अपनी सरजमीं पर मौजूद आतंकी ढांचे के खिलाफ विश्वसनीय कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को आतंकवाद को राज्य की नीति के एक साधन के रूप में इस्तेमाल करने की अपनी प्रवृत्ति भी छोड़नी चाहिए। कराची शहर में सिंध रेंजर्स के एक कैंप पर हुए आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान सेना की मीडिया शाखा आईएसपीआर ने इस हमले के लिए भारत को जिम्मेदार ठहराया था। पाकिस्तान ने हमलावर प्रतिबंधित संगठन जमात-उल-अहरार को 'भारतीय समर्थित संगठन' बताते हुए झूठे आरोप लगाए थे। यही नहीं पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भी आरोप लगाया है कि भारत पूरे क्षेत्र में ऐसे गुटों को बढ़ावा दे रहा है, जो उसकी जमीन पर आतंकी हमलों को अंजाम देते हैं। पाकिस्तान के कराची में पाकिस्तान रेंजर्स (सिंध) के गुलिस्तान-ए-जौहर कैंप पर शनिवार देर रात हुए आतंकी हमले में चार सुरक्षाकर्मी और छह हथियारबंद हमलावर मारे गए और एक घायल हमलावर को गिरफ्तार कर लिया गया। पाकिस्तानी सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने रविवार को जारी बयान में दावा किया कि हमला जमात-उल-अहरार से जुड़े आतंकियों ने किया था। जमात-उल-अहरार, प्रतिबंधित संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) से अलग हुआ गुट है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के मुताबिक, विस्फोट और गोलीबारी के बाद कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने पूरे क्षेत्र में क्लियरेंस अभियान शुरू किया। अभियान के दौरान एक संदिग्ध आत्मघाती हमलावर का शव बरामद किया गया। वहीं, आईएसपीआर के अनुसार, हथियारबंदों ने पहले कैंप के मुख्य द्वार पर विस्फोट किया और फिर परिसर में घुसने की कोशिश की। हालांकि, रेंजर्स के जवानों ने मुस्तैदी से जवाबी कार्रवाई करते हुए उनके मंसूबों को नाकाम कर दिया। बयान में कहा गया कि मुठभेड़ के दौरान छह आतंकी मारे गए, जबकि एक घायल जो अफगान नागरिक है, को गिरफ्तार कर लिया गया। इस गोलीबारी में चार सुरक्षाकर्मी मारे गए, जबकि चार अन्य जवान घायल हुए हैं।

सेशेल्स ने दी पीएम मोदी को 'गार्जियन ऑफ द ब्लू होराइजन' की उपाधि

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

सेशेल्स की राजधानी विक्टोरिया में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भव्य राजकीय स्वागत किया गया। स्टेट हाउस में उन्हें औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया, जहां सेशेल्स के राष्ट्रपति डॉ. पैट्रिक हर्मिनी भी मौजूद रहे। इसके साथ ही सेशेल्स ने पीएम मोदी को 'गार्जियन ऑफ द ब्लू होराइजन' उपाधि दी। 'गार्जियन ऑफ द ब्लू होराइजन' का मतलब है 'नीले क्षितिज का संरक्षक'। यह एक विशेष सम्मानजनक उपाधि है, जो उन नेताओं या व्यक्तियों को दी जाती है जिन्होंने समुद्र, समुद्री पर्यावरण, जलवायु संरक्षण और समुद्री संसाधनों के सतत उपयोग को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण योगदान दिया हो। सेशेल्स जैसे द्वीपीय देश के लिए महासागर उसकी जीवनरेखा हैं, इसलिए यह सम्मान उसके लिए बेहद खास माना जाता है। सेशेल्स ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को यह उपाधि समुद्री पर्यावरण संरक्षण, ब्लू इकोनॉमी को बढ़ावा देने, हिंद महासागर क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा और सहयोग मजबूत करने तथा जलवायु परिवर्तन से जुड़े वैश्विक प्रयासों में भारत की सक्रिय भूमिका के सम्मान में प्रदान की है। यह सम्मान दोनों देशों के मजबूत संबंधों और पर्यावरण संरक्षण के प्रति साझा प्रतिबद्धता का भी प्रतीक माना जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को सेशेल्स के राष्ट्रपति पैट्रिक हर्मिनी के साथ द्विपक्षीय वार्ता की। इस दौरान दोनों नेताओं ने भारत-सेशेल्स संबंधों के सभी प्रमुख पहलुओं की व्यापक समीक्षा की और आपसी हितों से जुड़े क्षेत्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया। तीन दिन की यात्रा पर शनिवार को सेशेल्स पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी का राष्ट्रपति हर्मिनी ने स्टेट हाउस में औपचारिक स्वागत किया। इसके बाद दोनों देशों के प्रतिनिधिमंडलों के बीच उच्चस्तरीय वार्ता भी हुई। सेशेल्स की तीन दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि भारत का लक्ष्य हिंद महासागर को 'अवसरों का महासागर' बनाना है, जहां आर्थिक समृद्धि के साथ समुद्री सुरक्षा सुनिश्चित हो और साझेदारी आकार नहीं, बल्कि आपसी सम्मान और भरोसे पर आधारित हो। सेशेल्स के राष्ट्रपति पैट्रिक हर्मिनी के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता के बाद मोदी ने कहा कि हिंद महासागर दोनों देशों का साझा घर है और इसकी सुरक्षा, स्थिरता व समृद्धि साझा जिम्मेदारी है। उन्होंने बताया कि दोनों देशों ने द्विपक्षीय आर्थिक सहयोग को भविष्य की जरूरतों के अनुरूप मजबूत बनाने, उद्योगों के लिए नए अवसर तलाशने और आपसी कनेक्टिविटी बढ़ाने पर सहमति जताई। मोदी का स्टेट हाउस में औपचारिक स्वागत किया गया।

सबरीमाला के सोना विवाद पर घिरी केरल सरकार: मंत्री बोले- आलोचना करने वाले राम मंदिर फंड पर भी दें जवाब

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा तिरुवनंतपुरम

केरल के देवस्वोम एवं स्वास्थ्य मंत्री के. मुरलीधरन ने रविवार को कहा कि जो लोग सबरीमाला मंदिर से कथित रूप से सोना गायब होने के मामले में राज्य सरकार की आलोचना कर रहे हैं, उन्हें अयोध्या राम मंदिर से जुड़े कथित फंड हेराफेरी के मामले पर भी सवाल उठाने चाहिए। पल्स पोलियो अभियान का उद्घाटन करने के बाद पत्रकारों से बातचीत में मंत्री ने किसी राजनीतिक दल या संगठन का नाम लिए बिना कहा कि कुछ लोग हर दिन केवल सबरीमाला मुद्दे को लेकर सरकार पर निशाना साधते हैं। हम उनकी भावनाओं का सम्मान करते हैं। लेकिन अयोध्या में भी करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था जुड़ी हुई है। जो लोग पहले अयोध्या के श्रद्धालुओं की भावनाओं की बात करते थे, आज वही देश की सत्ता में हैं।' मुरलीधरन ने कहा कि जो लोग केरल सरकार की आलोचना कर रहे हैं, उन्हें यह भी बताना चाहिए कि अयोध्या राम मंदिर से जुड़े कथित सोना चोरी और फंड हेराफेरी के मामलों पर उनकी क्या राय है। इस दौरान उन्होंने हाल ही में सामने आए अयोध्या राम मंदिर फंड में कथित अनियमितताओं के मामले का भी उल्लेख किया। मंत्री ने आगे कहा कि सबरीमाला मामले में राज्य सरकार विशेष जांच दल की रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई करेगी। सबरीमाला स्थित भगवान अयप्पा मंदिर की कलाकृतियों से कथित रूप से सोना गायब होने से जुड़े दो मामलों की जांच कर रही एसआईटी सोमवार को केरल हाई कोर्ट में अपनी रिपोर्ट पेश कर सकती है।

सीएम योगी बोले- अयोध्या को रामभक्तों ने संवारा, अखिलेश में मथुरा पर बोलने की हिम्मत नहीं

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा हाथरस

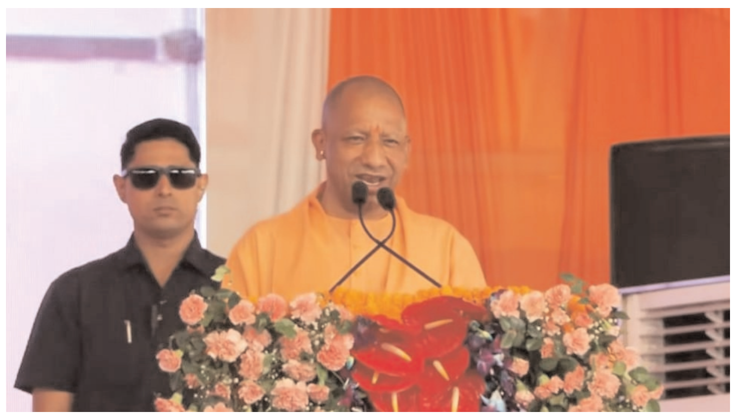

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को हाथरस में करीब 548 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने विकास, कानून-व्यवस्था, किसानों के कल्याण, औद्योगिक विकास, धार्मिक स्थलों, केंद्र और प्रदेश सरकार की योजनाओं के साथ-साथ समाजवादी पार्टी, कांग्रेस और उसके अध्यक्ष अखिलेश यादव पर भी जमकर निशाना साधा। करीब एक घंटे के संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि डबल इंजन सरकार ने उत्तर प्रदेश को दंगामुक्त, माफिया मुक्त और विकास की नई राह पर आगे बढ़ाया है। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन की शुरुआत ब्रज की पावन भूमि हाथरस को नमन करते हुए की। उन्होंने कहा कि हाथरस स्वतंत्रता आंदोलन में अपने योगदान, वीरता, काका हाथरसी की साहित्यिक विरासत और देशभर में प्रसिद्ध हींग की खुशबू के लिए जाना जाता है। उन्होंने कहा कि ऐसी पावन धरती को वह नमन करते हैं और हाथरस की जनता का अभिनंदन करते हैं। उन्होंने कहा कि आज हाथरस, सिकंदराराऊ और सादाबाद तीनों विधानसभा क्षेत्रों के लिए करीब 550 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की सौगात दी जा रही है। उन्होंने इसके लिए जिले की जनता और जनप्रतिनिधियों को बधाई दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि विकास केवल वहीं संभव है, जहां कानून-व्यवस्था मजबूत हो। उन्होंने कहा कि जहां दंगे, गुंडागर्दी और अराजकता होती है, वहां विकास और उज्ज्वल भविष्य की कल्पना नहीं की जा सकती। योगी ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले उत्तर प्रदेश का शायद ही कोई जिला रहा होगा, जो दंगों से अछूता रहा हो। उन्होंने मथुरा के जवाहर बाग, कोसीकलां, मेरठ, अलीगढ़ और मुजफ्फरनगर की घटनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि उस समय आए दिन कर्फ्यू लगते थे। इससे व्यापार चौपट होता था, नौजवानों की नौकरियां प्रभावित होती थीं और प्रदेश की छवि खराब होती थी। उन्होंने दावा किया कि पिछले नौ वर्षों में उत्तर प्रदेश में न कोई दंगा हुआ, न कर्फ्यू लगा और न ही गुंडागर्दी होने दी गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि हाल ही में प्रदेश में लगभग 12 हजार मोहर्रम जुलूस निकले, लेकिन कहीं भी दंगा, पथराव या कर्फ्यू जैसी स्थिति नहीं बनी। उन्होंने कहा कि सरकार ने स्पष्ट व्यवस्था बनाई है कि ताजिए के नाम पर किसी गरीब का घर नहीं हटेगा, किसी मकान का छज्जा नहीं तोड़ा जाएगा और न ही हाईटेंशन बिजली लाइन हटाई जाएगी। जरूरत पड़ने पर ताजिए की ऊंचाई कम करनी होगी, लेकिन आम जनता की सुरक्षा और सुविधाओं से समझौता नहीं होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार किसानों की आय बढ़ाने के लिए प्रोसेसिंग सेंटर और कोल्ड स्टोरेज जैसी सुविधाएं विकसित कर रही है। उन्होंने बताया कि आगरा में इंटरनेशनल पोटैटो सेंटर और वाराणसी में इंटरनेशनल राइस रिसर्च इंस्टीट्यूट स्थापित किए गए हैं, ताकि किसानों को समय पर उन्नत बीज मिल सकें और कम लागत में अधिक उत्पादन हो। उन्होंने कहा कि आलू किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है और अन्नदाता किसानों की आय बढ़ाना सरकार की प्राथमिकता है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भाजपा सरकार बिना किसी जाति, धर्म, भाषा या क्षेत्र के भेदभाव के सभी पात्र लोगों तक योजनाओं का लाभ पहुंचा रही है। उन्होंने कहा कि गरीबों को मुफ्त राशन, प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्का मकान, हर घर शौचालय और उज्ज्वला योजना के तहत मुफ्त गैस कनेक्शन दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार होली और दीपावली पर उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को दो मुफ्त एलपीजी सिलिंडर भी उपलब्ध करा रही है।

अमेरिकी हमले के बाद ईरान ने बहरीन-कुवैत पर किया अटैक; ट्रंप की धमकी, बोले- ये कभी नहीं सीखेंगे

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा आईएएनएस

पश्चिम एशिया में तनाव फिर से बढ़ता दिखाई दे रहा है। दरअसल अमेरिका के ईरान पर हवाई हमले के बाद ईरान ने भी पलटवार किया है। ईरान ने बहरीन और कुवैत स्थित अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए। इन घटनाओं ने दोनों देशों के बीच हुए अंतरिम युद्धविराम समझौते पर गंभीर संकट खड़ा कर दिया है। रविवार तड़के कुवैत पर हुआ हमला युद्धविराम समझौते के बाद पहला बड़ा हमला माना जा रहा है। इसी बीच अमेरिकी नौसेना की निगरानी में काम करने वाली एक बहुराष्ट्रीय समुद्री संस्था ने शनिवार को ओमान के पास जलडमरूमध्य में जहाजों की आवाजाही के लिए मार्ग का विस्तार करने की घोषणा की है, जिससे ईरान के साथ तनाव बढ़ने की आशंका पैदा हो गई है। अमेरिकी सेना की सेंट्रल कमांड के मुताबिक, शनिवार तड़के समुद्र में एक तेल टैंकर पर हुए हमले के जवाब में ईरान के सैन्य निगरानी ढांचे, संचार प्रणाली, एयर डिफेंस साइट्स, ड्रोन भंडारण केंद्रों और बारूदी सुरंग बिछाने की क्षमताओं को निशाना बनाया गया। जिस जहाज पर हमला हुआ, वह पनामा के झंडे वाला तेल टैंकर किकू था, जो कतर की सरकारी ऊर्जा कंपनी के लिए कच्चा तेल लेकर जा रहा था। कतर, अमेरिका और ईरान के बीच वार्ता में मध्यस्थ की भूमिका निभा रहा है। टैंकर दो मिलियन बैरल से ज्यादा कच्चा तेल लेकर होर्मुज स्ट्रेट के पास से गुजर रहा था। अमेरिका के हमले के बाद यूएस राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रूथ सोशल पोस्ट में लिखा, 'अमेरिकी एयरक्राफ्ट ने ईरानी मिसाइल और ड्रोन स्टोरेज जगहों के साथ-साथ तटीय रडार साइट्स पर भी हमला किया था। अमेरिका के विमानों ने सीजफायर समझौते को तोड़ने के लिए ईरानी मिसाइल और ड्रोन स्टोरेज जगहों और तटीय रडार साइट्स पर फिर से हमला किया! बहुत मुमकिन है कि वे कभी नहीं सीखेंगे!' उन्होंने आगे कहा, 'एक समय ऐसा आ सकता है जब हम समझदारी से काम नहीं ले पाएंगे और हमें उस काम को मिलिट्री से पूरा करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा जिसे हमने बहुत कामयाबी से शुरू किया था। अगर ऐसा होता है, तो इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान का अस्तित्व समाप्त हो जाएगा।' अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने भी कहा कि यदि युद्धविराम समझौते को लेकर कोई मतभेद है तो ईरान बातचीत का रास्ता अपनाए, लेकिन हिंसा का जवाब हिंसा से दिया जाएगा। ईरान पहले ही कह चुका है कि जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों को उसके निर्देशों का पालन करना होगा और भविष्य में ट्रांजिट शुल्क भी देना पड़ सकता है। हालांकि हाल के दिनों में कई जहाज फारस की खाड़ी से बाहर निकलने की कोशिश कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि जहाज ईरान द्वारा नियंत्रित समुद्री मार्ग के बजाय ओमान तट के पास बनाए गए वैकल्पिक मार्ग का इस्तेमाल कर रहा था। अमेरिकी सेना ने कहा कि ईरान के पास युद्धविराम समझौते का सम्मान करने का अवसर था, लेकिन उसने ऐसा नहीं किया और किकू पर हमला कर दिया। बहरीन के विदेश मंत्रालय ने शनिवार को जारी बयान में कहा कि ईरान के कई ड्रोन देश को निशाना बनाकर भेजे गए।

गुटखे में मिलावट: तंबाकू माफियाओं पर भड़के ष्टरूशिवकुमार, क्या कर्नाटक में अब पूरी तरह बैन हो जाएगा पान मसाला?

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा बंगलूरू

कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने रविवार को तंबाकू माफियाओं को चेतावनी दी है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि अगर पान मसाला और गुटखा में नशीले पदार्थ मिलाने की पुष्टि हुई, तो सरकार पूरे राज्य में इन उत्पादों को पूरी तरह प्रतिबंधित कर देगी। वह राजीव गांधी यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज के 31वें स्थापना दिवस और बंगलूरू में आयोजित 'नशा मुक्त भारत सम्मेलन' को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने युवाओं और मेडिकल छात्रों से इस मुहिम में आगे आने की अपील की। क्या सच में हमारे आसपास बिकने वाले गुटखे में जहर घोला जा रहा है? आखिर क्यों सरकार को इतनी सख्त चेतावनी देनी पड़ी? आइए जानते हैं इस पूरे मामले की कड़वी सच्चाई। मुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने बताया कि उन्हें कुछ बेहद चिंताजनक जानकारियां मिली हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे इनपुट मिले हैं कि अब पान मसाला और गुटखा जैसे उत्पादों में भी नशा पैदा करने वाले तत्व मिलाए जा रहे हैं।' मुख्यमंत्री ने साफ किया कि अगर जांच में किसी भी उत्पाद में थोड़ी सी भी नशीली सामग्री पाई गई, तो कर्नाटक में उसे तुरंत बैन कर दिया जाएगा। नशे के बढ़ते जाल पर चिंता जताते हुए सीएम ने इसे समाज की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक बताया। उन्होंने कहा कि आज बेहद कम उम्र के बच्चे और युवा इस जाल में फंस रहे हैं। क्या हम अपनी आने वाली पीढ़ी को इस अंधेरे में धकेल सकते हैं? सरकार ने इस खतरे से निपटने के लिए शैक्षणिक संस्थानों के आसपास विशेष निगरानी और कड़े नियम लागू करने का फैसला किया है। मिलावट साबित होने पर राज्य में इन उत्पादों को तुरंत बैन किया जाएगा। कर्नाटक में 70 से ज्यादा मेडिकल कॉलेज हैं, जहां हर साल 13,940 डॉक्टर तैयार होते हैं। राज्य के इस सबसे बड़े हेल्थ साइंसेज विश्वविद्यालय में कुल 4 लाख से अधिक छात्र पढ़ते हैं। बंगलूरू साउथ जिले में जल्द ही राजीव गांधी यूनिवर्सिटी का नया कैंपस शुरू होने जा रहा है। मुख्यमंत्री ने राजीव गांधी यूनिवर्सिटी के छात्रों से इस अभियान का ब्रांड एंबेसडर बनने का आह्वान किया। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के शब्दों को याद करते हुए कहा कि आज के बच्चे ही कल के भारत का निर्माण करेंगे। इसलिए युवाओं को सुरक्षित रखना हमारी पहली जिम्मेदारी है

जहरीला कैप्सूल और निशाने पर 30000 लोग, कौन है फैयाज प्रेमजी, जिसकी साजिश कामयाब होती तो दहल जाता देश?

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा मुंबई

मुंबई में मुहर्रम जुलूस के दौरान कथित तौर पर जहरीले कैप्सूल बांटने की साजिश का खुलासा होने के बाद पूरे शहर में सनसनी फैल गई है। पुलिस का दावा है कि समय रहते कार्रवाई नहीं होती, तो यह मामला बड़े जनहानि में बदल सकता था। पुलिस ने इस मामले में फैयाज निसार हुसैन प्रेमजी नाम के आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि वह लोगों को 'विटामिन' और 'नेकी' के नाम पर कथित रूप से जहरीले कैप्सूल बांट रहा था। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपी ने यह साजिश अकेले रची थी या इसके पीछे कोई बड़ा नेटवर्क भी था। मुंबई पुलिस के अनुसार, आरोपी ने पिछले 15 दिनों से कथित रूप से इस पूरी योजना की तैयारी कर रखी थी। जांच में सामने आया है कि उसने डोंगरी इलाके में एक कमरा किराये पर लिया था, जहां से पूरी गतिविधि संचालित की जा रही थी। पुलिस का दावा है कि आरोपी ने ऑनलाइन 30 हजार खाली कैप्सूल और बड़ी मात्रा में जिंक फॉस्फाइड मंगाया था। जिंक फॉस्फाइड का इस्तेमाल आमतौर पर चूहा मारने की दवा के रूप में किया जाता है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी का मकसद बड़ी संख्या में लोगों को निशाना बनाना था। पुलिस के अनुसार, मुहर्रम जुलूस के दौरान सलमान सैयद और अली अब्बास सैयद नाम के लोगों ने कैप्सूल खाने के बाद तबीयत खराब होने की शिकायत की। सलमान ने बताया कि उन्हें एक महिला ने कैप्सूल दिया था, जो अपने बच्चों को भी वही कैप्सूल खिला रही थी। वहीं, अली अब्बास का कहना है कि उन्हें यह कहकर कैप्सूल दिया गया कि यह विटामिन का कैप्सूल है। दोनों की तबीयत बिगड़ने के बाद पुलिस को सूचना दी गई, जिसके बाद जांच शुरू हुई और कथित साजिश का पर्दाफाश हुआ। पुलिस के मुताबिक, फैयाज निसार हुसैन प्रेमजी इस मामले का मुख्य आरोपी है। जांच एजेंसियों का दावा है कि उसके डोंगरी स्थित ठिकाने से करीब 15 हजार तैयार कैप्सूल, बड़ी मात्रा में जिंक फॉस्फाइड और अन्य सामग्री बरामद की गई है। पुलिस का कहना है कि आरोपी हर कैप्सूल में करीब एक ग्राम जहरीला पदार्थ भर रहा था। अधिकारियों के अनुसार, आरोपी ने पूछताछ में कई अहम जानकारियां दी हैं, जिनकी जांच की जा रही है। मुंबई पुलिस की जांच में आरोपी फैयाज प्रेमजी के ईरान-इराक कनेक्शन की बात सामने आई है। पुलिस के मुताबिक, फैयाज की बहन ईरान में फिजियोथेरेपिस्ट के तौर पर काम करती है, जबकि उसकी मां भी वहीं रहती हैं।

वीबी जी रामजी कानून राज्यों पर डालेगा करोड़ों का अतिरिक्त बोझ? कांग्रेस ने सरकार को घेरा, उठाए कई सवाल

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

केंद्र सरकार द्वारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) की जगह 1 जुलाई से लागू किए जा रहे 'विकसित भारत- गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) अधिनियम' को लेकर सियासत तेज हो गई है। कांग्रेस ने नए कानून को लेकर मोदी सरकार पर बड़ा हमला बोला है। पार्टी का आरोप है कि नया कानून ग्रामीण मजदूरों के अधिकारों को कमजोर करेगा और राज्यों पर अतिरिक्त वित्तीय बोझ डालेगा। कांग्रेस ने दावा किया कि कई राज्यों ने भी इस नए कानून को लेकर चिंता जताई है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि मोदी सरकार ने बिना व्यापक चर्चा और पर्याप्त परामर्श के मनरेगा को समाप्त करने का फैसला लिया। उन्होंने आरोप लगाया कि ग्रामीण विकास संबंधी संसदीय स्थायी समिति, राज्य सरकारों और अन्य हितधारकों से इस विषय पर गंभीर चर्चा नहीं की गई। जयराम रमेश ने कहा कि अब जब एक जुलाई से नया कानून लागू होने जा रहा है, तब कई राज्यों ने इसके विभिन्न प्रावधानों पर आपत्ति जताई है। जयराम रमेश के अनुसार, मध्य प्रदेश, बिहार और उत्तराखंड जैसे राज्यों ने इस योजना के तहत राज्यों पर पड़ने वाले अतिरिक्त खर्च को लेकर चिंता व्यक्त की है। उनका दावा है कि इन राज्यों ने कहा है कि नए कानून से राज्य सरकारों पर वित्तीय दबाव बढ़ सकता है। कांग्रेस ने कहा कि ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान के गृह राज्य मध्य प्रदेश ने भी इस योजना को लेकर सवाल उठाए हैं।

पुणे हत्याकांड: केतन की मां ने मांगी फांसी

अपनों ने भी छोड़ा साथ; चेतन को पाने की हसरत में सबकुछ हारी सिया

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

पुणे के कारोबारी केतन अग्रवाल की मौत ने दो परिवारों को गहरे सदमे में डाल दिया है। जिस बेटी के लिए परिवार ने सपनों का घर बसाने की तैयारी की थी, आज वही परिवार उसके खिलाफ सख्त सजा की मांग कर रहा है। पुणे के चर्चित केतन अग्रवाल हत्याकांड में गिरफ्तार सिया गोयल को अब सिर्फ केतन के परिवार ही नहीं, बल्कि उसके अपने माता-पिता का भी साथ नहीं मिल रहा है। सिया की मां और पिता दोनों ने कहा है कि अगर उनकी बेटी दोषी साबित होती है तो उसे फांसी की सजा मिलनी चाहिए। दूसरी ओर, केतन का परिवार भी इस मामले में शामिल सभी लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहा है। इस बीच, जांच में सामने आए तथ्यों ने इस पूरे मामले को और भी सनसनीखेज बना दिया है। सिया गोयल के पिता प्रवीण गोयल ने इस पूरे मामले पर गहरी पीड़ा व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि वह अब भी इस बात पर विश्वास नहीं कर पा रहे हैं कि उनकी बेटी पर इतने गंभीर आरोप लगे हैं। प्रवीण गोयल ने कहा, 'मेरी बेटी ने कभी मुझसे झूठ नहीं बोला और हमेशा सही रास्ते पर चलने की कोशिश की। इसलिए आज भी मेरे लिए यह मानना बेहद मुश्किल है कि वह ऐसा कोई कदम उठा सकती है।' हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यदि जांच और अदालत में सिया दोषी साबित होती है, तो उसे किसी भी तरह की रियायत नहीं मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा, 'अगर मेरी बेटी दोषी है, तो उसे भी वही सजा मिलनी चाहिए जो कानून में ऐसे अपराध के लिए तय है। न्याय में कोई देरी नहीं होनी चाहिए।' सिया के पिता ने बताया कि बेटी की गिरफ्तारी के बाद उन्हें गहरा सदमा लगा और उनकी तबीयत भी बिगड़ गई। सिया की मां पूजा गोयल ने कहा कि परिवार ने सगाई से पहले कई बार सिया से उसकी इच्छा जानने की कोशिश की थी। उन्होंने बताया, 'हमने कम से कम दस बार सिया से पूछा था कि क्या वह केतन को पसंद करती है और उससे शादी करना चाहती है। हर बार उसने यही कहा कि वह केतन से शादी करना चाहती है और उसकी जिंदगी में कोई दूसरा व्यक्ति नहीं है।' पूजा गोयल ने कहा कि परिवार को कभी इस बात का एहसास नहीं हुआ कि सिया किसी और के साथ रिश्ते में हो सकती है। उन्होंने कहा, 'यदि मेरी बेटी दोषी साबित होती है तो उसे कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए। अगर वह इस अपराध में शामिल है तो उसे फांसी की सजा भी दी जानी चाहिए। यह बात एक मां कह रही है।' उन्होंने कहा कि यह मामला उनके पूरे परिवार के लिए बेहद दर्दनाक है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, संदीप कुमार के लिए कसाणा प्रिंटिंग प्रेस, नियर बस स्टैंड भिण्डुसी, तहसील- तिजारा, जिला- अलवर (राजस्थान) पिन कोड- 301405, से मुद्रित तथा 109, धर्मशाला के पास, वीपीओ- हींगवाहेड़ा, तहसील- तिजारा, जिला- अलवर (राजस्थान) पिन कोड- 301411 से प्रकाशित। संपादक, संदीप कुमार Mob- 9414508610 E-mail:- pratigya.alwar@gmail.com पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र अलवर होगा